THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 66 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.6 2083 शनिवार, 6 जून-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

### गांजा बेचने की कोशिश करते हुए चार युवक गिरफ्तार

विशाखापत्तनम, 5 जून (एजेंसियां)। जिले के भीमुनिपटनम इलाके में गांजा बेचने की कोशिश कर रहे चार युवकों को पुलिस ने पकड़ा। उनके पास से लगभग दो किलो गांजा ज़ब्त किया गया। शहर में गांजे की तस्करी और बिक्री की जानकारी मिलने पर टास्क फोर्स और भीमिली पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस ने कल रात भीमिली इलाके में संदिग्ध हालत में घूम रहे चार युवकों को हिरासत में लिया। उनके बैग की तलाशी लेने पर बिक्री के लिए रखा गया दो किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चार युवकों का विवरण इस प्रकार है:

1. जोंडी अखिल (30) 2. वासुपल्ली जितेश (27) 3. साईकुमार (27) 4. चेन्ना तेज सुजी (20)। आरोपी कृष्णा कॉलोनी के आस-पास के इलाकों में युवाओं और छात्रों को यह गांजा चुपके से बेचते थे। पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि वे इसे बेचने की योजना बना रहे थे। भीमिली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उन्हें यह गांजा कहां से मिला और क्या इसके पीछे कोई और लोग भी शामिल हैं।

# एनडीए ने राज्यसभा सीटों पर समझौता

## टीडीपी को 3 और जेएसपी को 1 सीट मिली

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार के दो साल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल के मौके पर राज्यव्यापी अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकारों की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना को अंतिम रूप देने के अलावा, एनडीए की बैठक में यह तय किया गया कि टीडीपी आंध्र प्रदेश से खाली हुई चार राज्यसभा सीटों में से तीन पर चुनाव लड़ेगी और चौथी सीट जेएसपी के लिए छोड़ेगी।

सीएम के कैंप ऑफिस में हुई बैठक में मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री और जेएसपी प्रमुख पवन कल्याण, जेएसपी पीएसी चेयरमैन और नागरिक आपूर्ति मंत्री नादेंडला मनोहर, तथा टीडीपी और बीजेपी के राज्य अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव और पीवीएन माधव शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, एनडीए नेताओं ने कहा कि गठबंधन सरकार की पिछले दो वर्षों की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए पूरे राज्य में जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

गठबंधन केंद्र और राज्य सरकारों की दो साल की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाएगा 9 जून को तिरुपति, 12 जून को अमरावती और 15 जून को विशाखापत्तनम में बड़ी जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

गठबंधन केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई प्रमुख कल्याणकारी और विकास पहलों को उजागर करने के लिए 13 से 20 जून तक जिला-स्तरीय कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। अभियान का विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।

यह बताते हुए कि एनडीए पिछले दो वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों की उपलब्धियों के साथ संयुक्त रूप से लोगों तक पहुंचेगा, पल्ला ने कहा कि तिरुपति, अमरावती और विशाखापत्तनम में क्रमशः कल्याण, सुशासन और विकास पर केंद्रित जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। पल्ला ने कहा कि बैठक के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। मनोहर ने कहा कि यह अभियान सरकार के 24 महीने के कार्यकाल के दौरान शुरू की गई 24 प्रमुख पहलों को उजागर करेगा।

इस जनसंपर्क अभियान के माध्यम से एनडीए एक बार फिर लोगों का आशीर्वाद मांगेगा। जनसंपर्क कार्यक्रमों में कई केंद्रीय मंत्री भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जेएसपी के राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा पार्टी प्रमुख पवन कल्याण करेंगे। माधव ने कहा कि यह अभियान केंद्र और राज्य में एनडीए सरकारों द्वारा लाए गए विकास और बदलाव को प्रदर्शित करेगा। मुख्यमंत्री ने मोदी के पद संभालने की सालगिरह पर, यानी 9 जून को यह अभियान शुरू करने का सुझाव दिया। इसमें औद्योगिक निवेश, पोलावरम, अमरावती विकास और विशाखापत्तनम रेलवे ज़ोन जैसे मुद्दों पर जोर दिया जाएगा।

टीडीपी और जेएसपी को राज्यसभा सीटें मिलने का मतलब है कि ये सीटें बीजेपी को ही मिली हैं। इस बीच, पार्टी कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में जेएसपी ने कहा कि 2024 के आम चुनावों के दौरान हुए गठबंधन समझौते के तहत पार्टी ने अपनी पहली राज्यसभा सीट हासिल कर ली है। गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान, जेएसपी को उन कुछ लोकसभा सीटों को छोड़ना पड़ा जिन पर वह शुरू में चुनाव लड़ने की योजना बना रही थी। इसके बदले में यह तय हुआ कि जेएसपी को राज्यसभा में जगह दी जाएगी।

इस समझौते के तहत, 2024 और 2029 के बीच आंध्र प्रदेश से तीन राज्यसभा सीटें जेएसपी के लिए तय की गई थीं। जेएसपी ने कहा कि इनमें से पहली सीट अब राज्यसभा चुनावों के मौजूदा दौर में मिल गई है, जो संसद में पार्टी के प्रतिनिधित्व के लिए एक अहम उपलब्धि है।

### पति के बिना जिंदगी बिताने के ख्याल से परेशान होकर एक माँ ने अपने दो बच्चों की जान ले ली...

चित्तूर, 5 जून (एजेंसियां)। जिले के सोमला गाँव की रहने वाली बुज्जामा की शादी एक साल पहले बाबू से हुई थी। वे कोलर जिले में आकर बस गए थे और अलंगुर में आम के बाग में काम करते थे। परिवार में उनकी पत्नी सरस्वती (4) और बेटा हेमाश्री (15 महीने) थे। सब कुछ ठीक चल रहा था... लेकिन तभी परिवार पर एक बहुत बड़ा दुख आ पड़ा। पिछले महीने की 10 तारीख को एक सड़क हादसे में पति बाबू की मौत हो गई। पति की मौत से पत्नी बुज्जी को गहरा सदमा लगा। परिवार के मुखिया पति की असमय मौत से वह बुरी तरह टूट गई थी। तब से वह गहरे मानसिक तनाव और भविष्य की चिंता से जूझ रही थी।

उसे लगने लगा था कि पति के बिना जिंदगी बेकार है और अकेले बच्चों की परवरिश करना मुमकिन नहीं है; उसके मन में डर बढ़ गया था। इस वजह से वह पूरी तरह डिप्रेशन में चली गई और घर में किसी के न होने पर अपने दो छोटे बच्चों को प्रताड़ित किया और बेरहमी से पीटा। बच्चों की मौत पक्की करने के बाद उसने खुद भी आत्महत्या करने की कोशिश की।

# 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आंध्र प्रदेश में आगे बढ़ने की संभावना

विशाखापत्तनम/विजयवाड़ा, 5 जून (एजेंसियां)। अगले दो से तीन दिनों में आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के और आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं। आईएमडी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 4 जून, 2026 को केरल में पहुंचा, जो इसकी सामान्य शुरुआत की तारीख 1 जून से तीन दिन देरी से हुआ। मॉनसून दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और माहे, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में आगे बढ़ चुका है। विशाखापत्तनम मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारी जगन्नाथ कुमार ने कहा कि राज्य में आगे बढ़ने से पहले, इस दौरान मॉनसून के रायलसीमा के कुछ हिस्सों और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में एक-दो जगहों पर पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मॉनसून की स्थिति मजबूत होने के साथ राज्य भर में तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इस बीच, दक्षिण तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र और

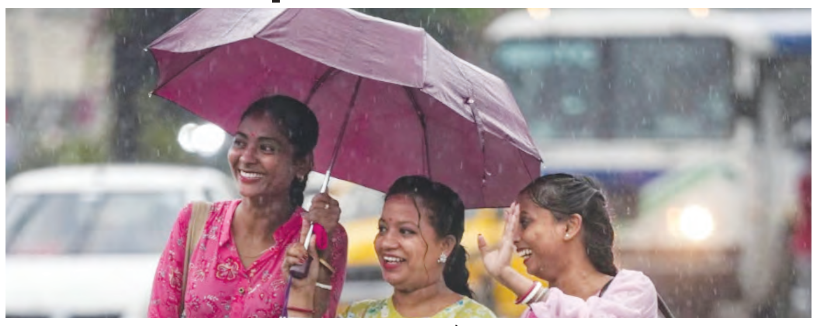

यनम के ऊपर समुद्र तल से लगभग 3.1 किमी की ऊंचाई पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है। इस सिस्टम का असर आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम की स्थिति पर पड़ने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर में बादलों की बढ़ती गतिविधि, निचले स्तर पर तेज पश्चिमी हवाओं और पिछले दो दिनों में केरल में व्यापक बारिश ने दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत में योगदान दिया।

एपीएसडीएमए ने चेतावनी दी है कि राज्य भर में मौसम की मिली-जुली स्थिति बनी रहेगी। एपीएसडीएमए के एमडी प्रखर जैन ने कहा कि कई जिलों में बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है,

जबकि अन्य क्षेत्रों में लू (हीटवेव) का असर जारी रह सकता है। दक्षिणी तेलंगाना और उससे सटे तटीय आंध्र क्षेत्रों में सतह पर बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से पोलावरम, काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी, एलुरु, कृष्णा, एनटीआर और गुंटूर जिलों में आंधी-तूफान और बिजली कड़कने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

### 'माता वंदन' योजना के पैसे को लेकर सरकार का बड़ा अपडेट.. खाते में कब आएंगे पैसे..

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। एपी के छात्रों के लिए अच्छी खबर। 'माता वंदन' योजना के तहत मिलने वाली राशि को लेकर स्थिति साफ हो गई है। छात्र और उनके माता-पिता लंबे समय से इस राशि के खाते में आने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब आखिरकार समय तय हो गया है। स्कूल और कॉलेज खुलने वाले हैं, और एपी सरकार ने कुछ ही दिनों में यह राशि छात्रों के खातों में जमा करने का फैसला किया है। सीएम चंद्रबाबू की अध्यक्षता में कैबिनेट की एक अहम बैठक हुई।

इस बैठक में 'माता वंदन' योजना की राशि पर चर्चा हुई और यह तय किया गया कि इसे खातों में कब जमा किया जाएगा। इसके बाद समय निर्धारित कर दिया गया। इस शैक्षणिक वर्ष में पहली बार आयोजित 'मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक' के लिए अभिभावकों को बधाई। कैबिनेट ने फंड जारी करने का फैसला किया है, इसलिए ऐसा लगता है कि जल्द ही यह राशि मिल जाएगी। स्कूल खुलने पर छात्रों को किताबें, बैग, कपड़े आदि पर काफी खर्च करना पड़ता है। साथ ही, अब स्कूल की फीस भी भरनी होगी।

# पर्यावरण दिवस... केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जंगलों में पौधे लगाए

तिरुपति, 5 जून (एजेंसियां)। पर्यावरण दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तिरुपति के श्री कृष्ण गेस्ट हाउस में पौधे लगाए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि श्रीवारी के दर्शन बहुत अद्भुत रहे। हर साल जून में अपने जन्मदिन के मौके पर वे स्वामी के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने आते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर अपनी माँ की तरह धरती पर पौधे लगाकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशों के अनुसार, उन्होंने आज सभी से एक पौधा लगाने की अपील की। यहाँ तक कि छोटे बच्चे भी अपनी माँ के पास पौधा लगाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तिरुपति में बनाया गया कमांड कंट्रोल सेंटर अद्भुत है।

दर्शन के समय के साथ-साथ, तिरुपति में टीटीडी के भक्तों को दी जाने वाली सभी सुविधाएँ यहीं से उपलब्ध हैं। यहाँ से निगरानी का काम बहुत बढ़िया तरीके से हो रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और मंत्री लोकेश के आदेशों के तहत, 100 अत्याधुनिक कमांड कंट्रोल सेंटर बनाए गए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कुछ ही दिनों में टीटीडी में इसे स्थापित करना खुशी की बात है। आज (शुक्रवार) सुबह, केंद्रीय मंत्री पीयूष ने तिरुपति श्रीवारी अभिषेक सेवा में भाग लिया और स्वामी के दर्शन किए।

# कांग्रेस नेता केवीपी ने वाईएसआर के खिलाफ पवन कल्याण की टिप्पणियों की आलोचना की

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केवीपी रामचंद्र राव ने डिप्टी सीएम और जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण द्वारा दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी पर लगाए गए आरोपों का कड़ा खंडन किया है। एक बयान में, केवीपी ने कहा कि वाईएसआर के लाखों प्रशंसकों के लिए, ऐसे नेता के खिलाफ बेबुनियाद आरोप सुनना बहुत दुखद है, जिनका निधन 17 साल बाद भी लोग सम्मान करते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि राजशेखर रेड्डी का वाईएसआर. कांग्रेस पार्टी से कोई संबंध नहीं था और उन दावों को खारिज कर दिया कि वाईएसआर ने अपने कार्यकाल के दौरान पवन कल्याण के खिलाफ कोई साजिश रची थी। केवीपी ने पवन कल्याण को चुनौती दी कि वे उस वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का नाम बताकर अपने आरोपों को साबित करें जिसका उन्होंने जिक्र किया था, और यहां तक कि लाई डिटेक्टर टेस्ट का प्रस्ताव भी रखा।

उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी आरोपों की पुष्टि करते हैं, तो वे और वाईएसआर के प्रशंसक तेलंगाना मुख्यमंत्री राहत कोष या पवन कल्याण की पसंद की किसी चैरिटी में 10 करोड़ रुपये दान करेंगे। इस बीच, एपीसीसी के उपाध्यक्ष कोलानुकोंडा शिवाजी ने कहा कि कांग्रेस उन आरोपों को खारिज करती है कि उसने तेलंगाना नेताओं के माध्यम से क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काया। उन्होंने अल्पसंख्यकों के अधिकारों के कथित उल्लंघन पर बीजेपी के मामले में पवन की चुप्पी पर सवाल उठाए।

### विजयवाड़ा से वाराणसी के लिए नई फ्लाइट सर्विस शुरू हो रही है, लेकिन टिकट की कीमत काफी ज़्यादा है

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार अमरावती की कनेक्टिविटी पर ज़्यादा ध्यान दे रही है। राजधानी क्षेत्र में विजयवाड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई सर्विस शुरू की जा रही हैं। विजयवाड़ा एयरपोर्ट से देश के कई शहरों और दूसरे देशों के लिए पहले से ही फ़्लाइट्स चल रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा से एक नई फ़्लाइट सर्विस शुरू की गई है। विजयवाड़ा एयरपोर्ट से वाराणसी के लिए सीधी स्पेशल फ़्लाइट शुरू करने का फ़ैसला किया गया है।

इंडियन एयरलाइंस इंडिगो इस एयर सर्विस को शुरू करने के लिए आगे आई है। इंडिगो ने बताया कि विजयवाड़ा से वाराणसी फ़्लाइट सर्विस 13 अगस्त से शुरू होगी। इस फ़्लाइट के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। 13 अगस्त को फ़्लाइट वाराणसी से दोपहर 3:55 बजे रवाना होगी और शाम 5:50 बजे विजयवाड़ा पहुँचेगी। वापसी की यात्रा में यह फ़्लाइट विजयवाड़ा से शाम 6:20 बजे रवाना होगी और रात 8:15 बजे वाराणसी पहुँचेगी। विजयवाड़ा से वाराणसी के टिकट की कीमत लगभग 6,500 रुपये से 8,000 रुपये के बीच होगी। इंडिगो ने बताया कि यह नई फ़्लाइट हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी। एपी सरकार एक नई एविएशन पॉलिसी लेकर आई है। यह पॉलिसी एविएशन सेक्टर में निवेश को आकर्षित करने के लिए बनाई गई है। सरकार ने कहा कि यह पॉलिसी 2026 से 2031 तक लागू रहेगी।

इसका लक्ष्य 2030 तक एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग में 9,575 करोड़ रुपये (1 बिलियन डॉलर) से ज़्यादा का निवेश आकर्षित करना है। एमआरओ और एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्रों में 5 हज़ार लोगों को ट्रेनिंग देने का फ़ैसला किया गया है। 'उड़ान' स्कीम के तहत घरेलू और इंटरनेशनल यात्रियों व कार्गो के लिए कनेक्टिविटी बढ़ने की उम्मीद है। राज्य में एयरपोर्ट नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा और वॉटरड्रोम, हेलीपोर्ट व कार्गो हब विकसित करने की योजना है।

# 'गठबंधन सरकार ने 2 साल में कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाया'

## टीडीपी विधायक पल्ला श्रीनिवास राव

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में गठबंधन सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राज्य अध्यक्ष और गजुवाका के विधायक पल्ला श्रीनिवास राव ने लोगों को बधाई दी। उन्होंने 4 जून को एक ऐतिहासिक दिन बताया, जो न केवल सरकार बनने का प्रतीक है, बल्कि जनता की उम्मीदों और लोकतांत्रिक संकल्प की जीत का भी प्रतीक है। जारी एक बयान में, श्रीनिवास राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए ऐतिहासिक जनादेश के साथ सत्ता में आई गठबंधन सरकार ने पिछले दो वर्षों में कल्याण, विकास और पारदर्शी शासन का संतुलित एजेंडा अपनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार चुनावी वादों को ठोस नतीजों में बदलने के लिए दृढ़ रही है।

श्रीनिवास राव ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पद संभालने के पहले दिन से ही जन-कल्याणकारी कदमों के जरिए प्रशासन की प्राथमिकताओं को स्पष्ट कर दिया था। इनमें मेगा डीएससी भर्ती अभियान की घोषणा, लैंड टाइटलिंग एक्ट को रद्द करना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी और अन्ना कैंटीन को फिर से शुरू करना शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहल सीधे आम नागरिकों की चिंताओं को दूर करती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रमुख 'सुपर सिक्स' वादों को लागू करने से आंध्र प्रदेश कल्याण-उन्मुख शासन के लिए एक मॉडल बन गया है। उनके अनुसार, अन्नदाता सुखीभव, तल्लिकी वंदनम, दीपम 2.0 और स्त्री शक्ति जैसे कार्यक्रमों ने किसानों, महिलाओं, छात्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सार्थक मदद पहुंचाई है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकार के वादे ज़मीनी स्तर पर ठोस फायदों में बदलें। राव ने कहा कि सरकार ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने की दिशा में तेज़ी से काम किया है।

### दुल्हनों को देखने के लिए सिंगापुर से आए थे... किस्मत के अजीब खेल में तीन दुखद मौतें!

कुरनूल, 5 जून (एजेंसियां)। यह भयानक हादसा कुरनूल जिले के अडोनी के रहने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के परिवार के साथ हुआ। इससे स्थानीय लोगों में भारी हड़कंप मच गया। अडोनी की एस केडी कॉलोनी के निवासी गणेश्वर रेड्डी और इंदिराम्मा की बेटी सौम्या एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं। उनकी शादी रवि कुमार से हुई थी, जो सिंगापुर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करते थे। पिछले कुछ सालों से सिंगापुर में रह रहीं सौम्या, अपने पति और बच्चों के साथ लड़कियों को देखने के लिए भारत आई थीं। पिछले महीने, वे एयरपोर्ट से सीधे अपने माता-पिता के साथ ऊटी और पवित्र स्थलों की यात्रा पर कार से गए। पाँच दिन खुशी-खुशी बिताने के बाद परिवार अडोनी लौट आया। लेकिन, जब वे कर्नाटक के तुमकुर जिले में गोलरहट्टा गेट के पास से गुजर रहे थे, तो उनकी इनोवा कार अचानक उछलकर सामने से आ रही ओमनी गाड़ी से टकरा गई और पास के खेतों में जा गिरी। इस हादसे में, पति रवि कुमार ने कार की अगली सीटों के एयरबैग समय पर खुल लिए। बेटा चिर्थी रेड्डी मामूली चोटों के साथ बच गया। लेकिन, सौम्या बीच वाली सीट पर बैठी थीं और उनके माता-पिता गणेश्वर रेड्डी और इंदिराम्मा भी वहीं बैठे थे।

# आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में बड़ा मोड़

## वाईएस जगन से जल्द होगी पूछताछ

कडपा, 5 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में जल्द ही एक बड़ी हलचल होने वाली है। इस घोटाले की जांच कर रहे ईडी अधिकारियों ने वाईसीपी नेता वाईएस जगन को नोटिस भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। पिछली सरकार के दौरान अहम भूमिका निभाने वालों की जांच अब पूरी हो चुकी है। अब उन लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है जिन्हें इससे फायदा हुआ। अधिकारियों ने ज़रूरी सबूत इकट्ठा कर लिए हैं और अब वे जगन की भूमिका पर विचार करने के लिए तैयार हैं। वे इस बारे में अपनी राय बना रहे हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने इस मामले में केस दर्ज किया था। इसके आधार पर ईडी अधिकारियों ने सैकड़ों लोगों से पूछताछ की और काफी जानकारी जुटाई। इन्हीं जानकारियों के आधार पर वे मामले की जांच को अंतिम रूप देने की योजना बना रहे हैं। इसलिए, अब तक मिले सबूतों और आधारों के अनुसार, मुख्य लोगों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। इसी के तहत, अधिकारियों द्वारा जल्द ही जगन को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। इस पर चर्चा चल रही है। सत्ता में आने के बाद वाईसीपी एक नई शराब नीति लेकर आई थी। वाईएस जगन ने कहा था कि वे कीमतें बढ़ाएंगे और शराब की खपत कम करेंगे। लेकिन कीमतें उनकी इच्छा के अनुसार बढ़ाई गईं। 'कूटमी' (गठबंधन) सरकार का आरोप है कि इस बढ़ोतरी के पीछे निजी फायदा कमाने की मंशा थी।

सत्ता में आने के बाद पार्टी ने जांच के आदेश दिए और एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। सत्ता में आते ही वाईसीपी सरकार ने शराब की कीमतें बढ़ा दी थीं। इसके कारण शराब की बिक्री में भारी गिरावट आई और सरकार की आय भी कम हो गई। लेकिन बाद में शराब की कीमतें फिर से कम कर दी गईं, जिससे बिक्री अचानक बढ़ गई। इसमें वित्तीय लेन-देन के आरोप शुरू से ही लगते रहे हैं। बिक्री बढ़ाने के लिए, केवल खास तौर पर लॉन्च किए गए ब्रांड्स को ही बढ़ावा दिया गया। मुख्य आरोप यह है कि अन्य ब्रांड्स जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराए गए। ऐसा करके, ब्रांड की बेस प्राइस के आधार पर हर बोतल पर 150 से 600 रुपये तक वसूले गए। अब उन पर लगे आरोपों की जांच चल रही है। इसके अलावा, शराब की दुकानों पर डिजिटल पेमेंट की सुविधा न देने को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। ईसीआईए समिति ने तुरंत इस मामले की गहन जांच के आदेश दिए। इस जांच में राजकुमार रेड्डी की अहम भूमिका पाई गई है। जिन अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार किया और जो जांच कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि उन्होंने सप्लाई चेन का पता लगा लिया है। शहर के अधिकारियों ने इस पूरे मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।

यह साफ है कि 3500 करोड़ रुपये का सरकारी पैसा गैर-कानूनी तरीकों से लूटा और दूसरी जगह भेजा गया है। जांच में यह भी पता चला कि पैसा विदेश तक पहुंचा था। इस मामले में हवाला का कनेक्शन सामने आने के बाद ईडी ने जांच शुरू की। मुख्य आरोपियों और गवाहों की पहचान की गई। इन सबके आधार पर ऐसा लगता है कि वे जगन को नोटिस भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

# किडनी के मरीज़ों के लिए बडी राहत कैबिनेट ने एक नियम हटाने को मंज़ूरी दी

अमरावती, 5 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने किडनी के मरीज़ों को राहत दी है। इसके लिए एक अहम फ़ैसला लिया गया है: अब किडनी के मरीज़ अपने करीबी रिश्तेदारों से किडनी ले सकेंगे। कैबिनेट की बैठक में इस फ़ैसले को मंज़ूरी दी गई। पहले सिर्फ़ परिवार के सदस्यों से ही किडनी लेने की इजाज़त थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है; पिता, माता और दादी भी किडनी दान कर सकेंगी। राज्य के चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री सत्यकुमार ने यह जानकारी दी। एपी कैबिनेट की बैठक में एक और अहम फ़ैसला लिया गया। अंग दान और प्रत्यारोपण से जुड़ी गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए एक कानून लागू किया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट बैठक में मंज़ूरी दे दी गई है और जल्द ही अध्यादेश जारी किया जाएगा।

अंग दान के नाम पर अंगों की बिक्री और कालाबाज़ारी को रोकने के लिए यह अहम फ़ैसला लिया गया है। एपी कैबिनेट के इस फ़ैसले से किडनी के मरीज़ों को राहत मिलेगी और अंगों की कालाबाज़ारी पर रोक लगेगी। दूसरी ओर, विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक नया कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के सामने पौधे लगाए जाएंगे। मंत्री सत्यकुमार यादव ने इसके आदेश जारी किए हैं। पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित करने के साथ-साथ बिजली बचाने और पानी के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी। पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी देने वाले वॉल पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री भी प्रदर्शित करने को कहा गया है। सरकारी अस्पतालों और कार्यालयों के हर कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी कि वह कम से कम एक पौधे का संरक्षण करे।

अधिकारियों को भी इस दिशा में कदम उठाने की सलाह दी गई। मंत्री सत्यकुमार ने अमरावती सचिवालय में 'राइट टू साइट सोसाइटी' के कार्यक्रमों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जानकारी दी और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य में नेत्र चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, अंधेपन की रोकथाम के कार्यक्रमों और लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। साथ ही, चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता और भविष्य की गतिविधियों पर भी अधिकारियों से बातचीत की गई। आगामी गोदावरी पुष्करम के दौरान विशेष नेत्र शिविर आयोजित करने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए गए। जनता को बेहतर नेत्र चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के उपायों पर भी सुझाव दिए गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 66 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.6 2083 शनिवार, 6 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज

पटना, 5 जून (एजेंसिया)। पटना पुलिस ने 'खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यट' के संचालक फैजल खान के खिलाफ शुक्रवार को आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। फैजल खान सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं और उन्हें 'खान सर' के नाम से जाना जाता है। गुरुवार को पुलिस ने खान सर के कोचिंग इंस्टीट्यट के दो सुरक्षा गार्ड्स को फायरिंग के आरोप में हिरासत में ले लिया था। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, गार्ड्स से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि फैजल खान के कहने पर ही उन्होंने गोली चलाई थी। सिटी एसपी (सेंट्रल) कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि कदमकुआं पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

# जनता कांग्रेस से नाराज : पीएम मोदी

> जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा, वो आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ा रहे

सूरत, 5 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस कांग्रेस 12 सालों से अराजकता और अनिश्चितता फैला रही है। कर्नाटक की जनता भी कांग्रेस की नकारात्मकता के नाराज है। इसलिए कर्नाटक में सीएम बदलना पड़ा।

मोदी बोले- दूसरों पर निर्भर रहने वाले देश विकसित नहीं होते है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा। आज वो आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। पीएम ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में ये बातें कही। उन्होंने वहां से 18 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। बीते सालों में दुनिया ने कई बड़ी महामारियों का सामना किया है। पहले कोरोना और फिर अब दुनिया में तेल, पेट्रोल और गैस की सप्लाई में दिक्कत आ रही है। मुझे गर्व है कि भारत आज 140 करोड़ देशवासियों की मदद से इस चुनौती का सामना कर रहा है।

12 साल पहले देश में सोलर एनर्जी का प्रोडक्शन न के बराबर था, लेकिन आज हम दुनिया के टॉप 5 देशों में से एक हैं। हमने इथेनॉल ब्लेंडिंग की। गैस की पाइपलाइन बनाई, ताकि देश में एनर्जी की कोई भी समस्या सामने नहीं आए। गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के लिए सभी का अभिवादन। भाजपा की विजय की यात्रा चलती ही जा रही है। दुनिया के लोकतांत्रिक समाज में कम ही देखने को मिलता है कि किसी पार्टी को इतने समय तक जनता का समर्थन मिलता है। हमारी सरकार देश के विकास के लिए काम कर रही है। इसलिए देश की जनता भाजपा को बार-बार वोट दे रही है। पिछले दिनों जब मैं 5 देशों की यात्रा पर था, वहा भी हर कोई बंगाल-बंगाल कर रहा था। पीएम ने सूरत में लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स भी पहुंचे। उन्होंने यहां मेड इन इंडिया टैंक, ड्रोन के सामने खड़े होकर उसकी जानकारी ली। एल&टी कॉम्प्लेक्स भारत का अत्याधुनिक रक्षा निर्माण केंद्र है। यहां सेना के लिए बख्तरबंद वाहन, तोप से जुड़े सिस्टम और अन्य सैन्य प्लेटफॉर्म बनाए, असेंबल (जोड़े) और परीक्षण किए जाते हैं।

**पीएम दमन में 3000 के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किये :** सूरत में कार्यक्रम पूरा करने के बाद, प्रधानमंत्री दमन के लिए रवाना हो गए हैं, जहां वे 3000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दमन एयरपोर्ट का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही दमन से मोदी लक्षद्वीप के लिए 885 करोड़ रुपये की बंदरगाह और टूरिज्म परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। सूरत में पीएम हाईवे के अलावा बड़े और छोटे पुल, रेलवे पुल, फ्लाईओवर और 70 अंडरपास का उद्घाटन किया। 4,732 करोड़ रुपये वाली एनएचएआई की चार परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

इनमें एनएच-56 के धामासिया से बिटाडा तक चार लेन निर्माण (पैकेज-4), नसरपोर से मलोथा तक चार लेन निर्माण (पैकेज-6), रिलायंस के पास छह लेन वाहन अंडरपास और एनएच-53 के सूरत-हजीरा सेक्शन पर कावास में वीयूवी-कम-फ्लाईओवर शामिल हैं।

# 'अवैध विदेशियों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी'

> विदेश मंत्रालय ने कहा-यूएस के साथ बीटीए वार्ता सकारात्मक

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के एक होटल में लगी भीषण आग में मारे गए लोगों में 13 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि वह संबंधित देशों के दूतावासों से संपर्क में है। मंत्रालय दस्तावेजी प्रक्रिया तथा मेडिकल सहायता में मदद कर रहा है।

एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि मृतकों में चार नाइजीरिया, तीन किर्गिस्तान और एक-एक मोजाम्बिक, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो, लाइबेरिया और इराक के नागरिक शामिल हैं। यह जानकारी उन्होंने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में दी।

**अग्निकांड में किन देशों के नागरिक मारे गए :** उन्होंने बताया कि दिल्ली के हौज रानी क्षेत्र में बुधवार को एक होटल में लगी इस आग में कुल 21 लोगों की मौत हुई थी। कई अन्य घायल हुए थे। प्रवक्ता ने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार मृतकों में 13 विदेशी नागरिक हैं। सरकार उनके दूतावासों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि सभी जरूरी मदद दी जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि करीब 20 से 22 विदेशी नागरिक इस हादसे में घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ देश के कानूनों के अनुसार कार्रवाई की जाती है, जिनमें बांग्लादेश से आए लोग भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में एक द्विपक्षीय प्रक्रिया मौजूद है, जिसके तहत लोगों की नागरिकता की पुष्टि के लिए मामले बांग्लादेश को भेजे जाते हैं और पुष्टि होने के बाद ही निर्वासन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। जायसवाल ने कहा कि कई अनुरोध अभी भी बांग्लादेश के पास लंबित हैं। उम्मीद है कि इन्हें जल्द निपटाया जाएगा, ताकि अवैध रूप से रह रहे लोगों का निर्वासन सुचारू रूप से किया जा सके। नेपाल के विदेश मंत्री के भारत दौरे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि वह कुछ समय पहले ही भारत पहुंचे हैं। जल्द ही उनकी भारत के विदेश मंत्री से उनकी मुलाकात होगी। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल के बीच विकास सहयोग, लोगों के आपसी संबंध, व्यापार और निवेश जैसे कई अहम मुद्दों पर व्यापक बातचीत का एजेंडा है। जायसवाल ने कहा, दोनों देशों के बीच यह बहुआयामी साझेदारी और मजबूत करने पर भारत की विशेष रुचि है और इसी दिशा में आगे चर्चा की जाएगी।

# पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने किया नई पार्टी का एलान

चेन्नई, 5 जून (एजेंसियां)। पूर्व तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि वह एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत कर रहे हैं, जो आगे चलकर एक नई पार्टी का रूप लेगा। सोशल मीडिया एक्स के जरिए जनता को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि आज से एक नया रास्ता, एक नया आंदोलन और एक नई राजनीतिक यात्रा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक लक्ष्य अब पहले से बड़े हो गए हैं और उन्हें अधिक लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। अन्नामलाई ने दावा किया कि भाजपा में रहते हुए उन्होंने कभी भी तमिलनाडु की पहचान, संस्कृति और राज्य के जल अधिकारों जैसे मुद्दों पर समझौता नहीं किया। भाजपा छोड़ने के अपने फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन्होंने पूरी गरिमा और सम्मान के साथ लिया है ताकि तमिलनाडु में एक नई तरह की राजनीति की शुरूआत की जा सके। अन्नामलाई ने बताया कि उन्होंने 4 दिसंबर 2025 को ही पार्टी नेतृत्व को अपने इस्तीफे की इच्छा से अवगत करा दिया था, लेकिन उनसे चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि मेरे सामने हमेशा यह द्वंद्व रहा कि मैं पहले भाजपा का कार्यकर्ता हूं या तमिलनाडु का बेटा। आखिरकार मैंने अपने रास्ते पर आगे बढ़ने का फैसला किया। अन्नामलाई ने यह भी घोषणा की कि उनकी नई राजनीतिक पार्टी आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी।

# शाह का त्रिपुरा दौरा : पांच सितारा होटल की रखी आधारशिला

त्रिपुरा, 5 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे त्रिपुरा हो या बंगाल या फिर बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा अटूट संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है... चाहे त्रिपुरा हो या बिहार, हम डेमोग्राफिक बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा पक्का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ देश की पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमाओं की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों सीमाओं पर चुनौतियों का स्वरूप अलग-अलग है और प्रत्येक सीमा की अपनी विशेष सुरक्षा आवश्यकताएं हैं। शाह ने कहा कि कहीं मादक पदार्थों की तस्करी की चुनौती है, तो कहीं मानव तस्करी की समस्या है। कुछ क्षेत्रों में हथियारों की तस्करी और नकली मुद्रा के नेटवर्क भी सक्रिय हैं। इसलिए हर सीमा के लिए अलग रणनीति की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने फैसला किया है कि जहां-जहां बीएसएफ तैनात है, वहां स्मार्ट बॉर्डर प्रणाली विकसित की जाएगी। इसके तहत आधुनिक तकनीक, सुरक्षा बलों और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने बीएसएफ और सीएपीएफ के जवानों द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं होना चाहिए, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता समय की आवश्यकता है।

# होटल-कैसीनो के लिए कट रहे पेड़ : राहुल गांधी

अंडमान, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का यह तर्क है कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना रक्षा और माल ढुलाई बंदरगाह से संबंधित है। यह एक झूठ है। इसके साथ ही आरोप लगाया कि यह असल में भारत की सबसे अमूल्य पारिस्थितिक भूमि पर एक व्यवसायी को होटल और कैसीनो बनाने में मदद करने के बारे में है।

राहुल गांधी ने अप्रैल के अंत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा पर आधारित 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो जारी किया। एक्स पर वीडियो के साथ अपनी पोस्ट में गांधी ने कहा, मैंने भारत के सबसे दक्षिणी छोर का दौरा किया। मैं इंदिरा प्वाइंट पर खड़ा हुआ। मैं सदियों पुराने पेड़ों के नीचे चला। मैंने पृथ्वी पर सबसे जीवंत प्रवाल भित्तियों में गोता लगाया। मैं वहां रहने वाले लोगों के साथ बैठा। आदिवासी समुदाय, जिनकी जमीन वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीनी जा रही है। भारतीय सरकार द्वारा इन द्वीपों पर बसाए गए कई पूर्व सैनिक, जिन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, मोदी सरकार और भाजपा आपको बताते हैं कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा से संबंधित है। ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा आईएनएस बाज का विस्तार कीजिए। हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। नौसेना पिछले पांच वर्षों से विस्तार की मांग कर रही है, जिसे नजरअंदाज किया गया है।

# पुतिन ने भारत को सुखोई-57 ऑफर किया

> इस 5वीं जनरेशन फाइटर जेट की तकनीक भी शेयर करेंगे

सेंट पीटर्सबर्ग, 5 जून (एजेंसिया)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को सुखोई एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट को लेकर बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस, भारत के साथ मिलकर इस विमान का विकास और उत्पादन करने के लिए तैयार है। साथ ही रूस जरूरी रक्षा तकनीकें साझा करने के लिए भी तैयार है।

पुतिन ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले भी भारत को इसे बनाने के प्रोजेक्ट में साझेदार बनने का ऑफर दिया था। उस समय भारत ने कहा था कि रूस पहले इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाए, उसके बाद भारत इसमें शामिल होने पर विचार करेगा। पुतिन ने कहा- यह विमान हमारा जॉइंट प्रोजेक्ट हो सकता था। हमने इसे अपने दम पर विकसित किया, लेकिन अब भी हम भारत के साथ इस क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार हैं। हम भारत को यह विमान देने और इसके आगे के विकास में साझेदारी करने के लिए तैयार हैं। इसमें हमें कोई समस्या नजर नहीं आती। यही बात एयर डिफेंस सिस्टम पर भी लागू होती है। पुतिन ने अमेरिका-भारत के संबंधों पर कहा कि यूएस कई मुद्दों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस तरह की कोशिशें बेकार हैं। भारत इसका विरोध करेगा। पुतिन ने सुखोई एसयू-57 की तारीफ करते हुए कहा कि यह पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है और उनकी नजर में दुनिया के सबसे अच्छे फाइटर जेट्स में से एक है। इसमें स्टेल्थ क्षमता, उच्च गतिशीलता, आधुनिक एवियोनिक्स और मल्टी-रोल कॉम्बैट क्षमताएं हैं। सुखोई एसयू-57 हवा, जमीन और समुद्री लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। दुनिया में कुछ ही पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं जिनमें एसयू-5 के साथ चीन का जे-35 और अमेरिका के एफ-35 शामिल हैं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के बेड़े में इस समय सबसे एडवांस जनरेशन का फाइटर जेट फ्रांसीसी मूल का राफेल है। इसे तकनीकी रूप से 4.5 जनरेशन का लड़ाकू विमान माना जाता है।

## खड़गे ने कर्नाटक से राज्यसभा के लिए भरा नामांकन

बेंगलूरू, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बेंगलूरू स्थित विधान सौधा में उन्होंने विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी के समक्ष नामांकन पत्र जमा किया।

इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, केसी वेणुगोपाल और राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद रहे। खड़गे वर्तमान में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और एआईसीसी सचिव मंसूर अली खान को भी उम्मीदवार बनाया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, दोनों नेता जल्द ही अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। मंसूर अली खान ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बेंगलूरू सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली थी। कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने वरिष्ठ नेताओं पर भरोसा जताते हुए उन्हें मैदान में उतारा है।

# 'मानवता और न्याय के सामने एआई सबसे बड़ी कानूनी चुनौती'

> सीजेआई बोले-इस दशक के फैसले तय करेंगे भविष्य

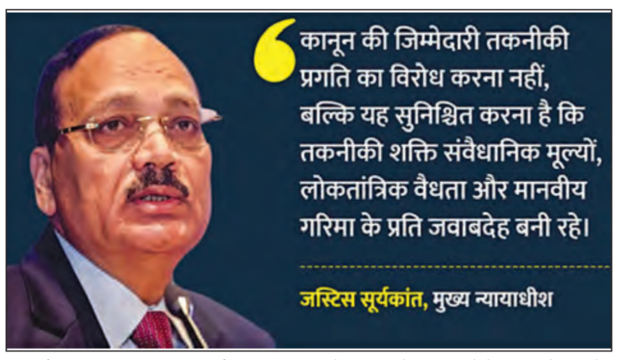


नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एआई को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल एक कल्पनात्मक तकनीक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता बन चुकी है और यह अंतर्राष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दशक में लिए जाने वाले निर्णय तकनीक, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करेंगे। ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल लॉ' विषय पर आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि तकनीक न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि समाज उसे किस कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचे के भीतर उपयोग करता है। कानून की जिम्मेदारी तकनीकी प्रगति का विरोध करना या उसके सामने बिना सवाल झुक जाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे।

उन्होंने कहा कि एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और यहां तक कि न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है। सरकारें अब कल्याणकारी योजनाओं के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमा निगरानी, वित्तीय नियमन और पुलिसिंग जैसे कार्यों में एल्गोरिदमिक प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। वहीं सेनाएं स्वायत्त सैन्य क्षमताओं का विकास कर रही हैं और अदालतें एआई से जुड़े साक्ष्यों, स्वचालित निर्णयों तथा डिजिटल न्यायिक प्रक्रिया जैसे सवालों से जूझ रही हैं।

सीएम जोसेफ विजय का मंत्रियों को अल्टीमेटम

# पहली कैबिनेट बैठक में कहा-गलती करने पर तुरंत होगी कड़ी कार्रवाई

चेन्नई, 5 जून (एजेंसिया)। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में गुरुवार (5 जून 2026) को पहली कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। चेन्नई सचिवालय में एक घंटे से ज्यादा समय तक चली इस बैठक में 'विजयी तमिलनाडु' सबसे अहम मुद्दा रहा। मीटिंग में राज्य के समग्र विकास, जनकल्याण योजनाओं और प्रमुख विकास परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री विजय ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ चुनावी वादों को पूरा करने, जनहितकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने की बात कही। इसके साथ ही तमिलनाडु की विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने को लेकर गहन विचार-विमर्श किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विजय ने मंत्रियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार में किसी भी तरह की गलती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई मंत्री गलती करता है तो उसके खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को यह भी निर्देश दिया कि जनकल्याण योजनाओं को तेजी से लागू किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उनके अधीन काम करने वाले अधिकारी या कर्मचारी भी किसी प्रकार की चूक न करें। उन्होंने प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। तमिलनाडु के मंत्री सीटीआर निर्मल कुमार ने कहा, आज हमारे मुख्यमंत्री ने पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की जिसमें उन्होंने तमिलनाडु के लिए एक स्पष्ट लक्ष्य और विजन प्रस्तुत किया।

## शिक्षा सेवक के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, बाल-बाल बची जान; 7 खोखे बरामद

परसा (सारण), 5 जून (एजेंसियां)। परसा थाना क्षेत्र के चकसहबाज गांव स्थित धोबी टोला में शिक्षा सेवक के घर पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाके में सनसनी फैल गई। बाइक से पहुंचे आधा दर्जन बदमाशों ने घर को निशाना बनाते हुए लगातार गोलियां चलाईं। घटना के बाद गृहस्वामी एवं आसपास के लोगों में दहशत का माहौल कायम हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 1:45 बजे की है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकसहबाज में कार्यरत शिक्षा सेवक मो। कौशर ने पुलिस को बताया कि दो बाइक पर सवार छह की संख्या में आए बदमाशों ने उनके घर के बाहर पहुंचकर दरवाजे पर धावा बोला। सभी बदमाशों ने अपना चेहरा ढंक रखा था। वे लोग बार-बार कौशर के बारे में पूछते हुए आवाज लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक दो राउंड फायरिंग की आवाज सुनाई दी।

# 'आदेशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं'

## यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों के रवैये पर हाईकोर्ट की फटकार

प्रयागराज, 5 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय प्रशासनिक सेवा यानी आईएएस अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने पुलिस व्यवस्था में सुधारों को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालतों के निर्देशों की अनदेखी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। पुलिस व्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया को जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है। जस्टिस विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने यूपी सरकार के वरिष्ठ अधिकारी के आचरण नाराजगी जताते हुए ये टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि राज्य में सुधार लाने के लिए कोर्ट की ओर से जो कोशिशें की जा रही हैं उन्हें जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है।

जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। अदालत ने सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही को रेखांकित करते हुए कौटिल्य का जिक्र किया और कहा कि जिस तरह प्राचीन काल में प्रशासकों की रोजाना निगरानी को जरूरी माना गया था, वो सिद्धांत आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक है। अधिकारी मानव स्वभाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उनके काम, खर्च और परिणामों की निरंतर समीक्षा जरूरी है। दरअसल ये मामला एक महिला द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से जुड़ा है। महिला की नाबालिग बेटी कई दिनों से लापता था और पुलिस उसे ढूंढ नहीं पाई। कोर्ट ने पाया कि इस मामले में न तो पुलिस की जाँच निष्पक्ष थी और न ही उसकी प्रभावी तरीके से जांच की गई। चार्जशीट दाखिल करते समय अहम तथ्यों और आरोपियों को नजरअंदाज किया, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। कोर्ट ने पाया कि पहले दिए गए दिशा-निर्देशों का राज्य के कई जिलों में पालन नहीं हो रहा है। इस पर जब वरिष्ठ अधिकारी से जवाब मांगा गया तो सरकार की तरफ़ से हलफनामा दाखिल किया गया, जिसमें बताया गया कि राज्य सरकार इन आदेशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रही है। लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर कोर्ट ने इसे टाले की रणनीति बताया। कोर्ट ने इस पूरी स्थिति को गंभीर मानते हुए मामले को भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) को भेजने का आदेश दिया और कहा कि इसे कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के समक्ष रखा जाए, ताकि संबंधित अधिकारी की भविष्य की नियुक्तियों के लिए उपयुक्तता पर विचार किया जा सके।

हाईकोर्ट ने इस दौरान सुपीरियर रिस्पॉन्सिबिलिटी (वरिष्ठ जिम्मेदारी) के सिद्धांत को अपनाने पर ज़ोर दिया और कहा कि अब समय आ गया है जब वरिष्ठ अधिकारियों को अपने अधीनस्थों कर्मचारियों की गलती के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। यदि वे गलत आचरण को रोकने या दंडित करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें भी जवाबदेह माना जाना चाहिए। बिना नियंत्रण वाली नौकरशाही कानून के राज, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए बड़ा खतरा है।

## महिला को जबरन शराब पिलाने के बाद, हाथ-गर्दन मरोड़ कर की हत्या

पूर्णिया, 5 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र से एक ऐसी खौफनाक घटना सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टोटहा बघवा गांव में एक महिला की अत्यंत बर्बरतापूर्ण तरीके से हत्या कर दिए जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। आरोपी युवक ने पहले महिला को उसके घर से अगवा किया, फिर उसे जबरन शराब पिलाई और उसके बाद उसके हाथ और गर्दन को मरोड़कर मौत के घाट उतार दिया। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा और स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को दबोच लिया है। परिजनों के अनुसार, महिला लगातार खुद को छुड़ाने के लिए संघर्ष कर रही थी और चिल्ला रही थी, लेकिन आरोपी ने उसकी एक न सुनी। वह उसे घसीटते हुए पास की एक सुनसान बस्ती में ले गया।

## किस काम के लिए देश के पहले सांसद बने सुधाकर सिंह? राजद एमपी ने दो साल का रिपोर्ट पेश किया

बक्सर, 5 जून (एजेंसियां)। बक्सर लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने अपने संसदीय कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। दावा किया जा रहा है कि देश में पहली बार किसी सांसद ने अपने दो साल के कार्यकाल का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक कर जनता को अपने कामकाज का हिसाब दिया है। सांसद ने बक्सर लोकसभा क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद, विश्वास और समर्थन की बदौलत उन्हें संसद में क्षेत्र की आवाज उठाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता हमेशा जनता का सांसद, जनता के लिए संसद में रही है

और उन्होंने लगातार क्षेत्र की समस्याओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को संसद के पटल पर मजबूती से उठाया है। सुधाकर सिंह ने बताया कि उन्होंने संसद के प्रत्येक सत्र में बक्सर, बिहार और देशहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। इनमें बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे, प्रभु श्रीराम और महर्षि विश्वामित्र के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना, बक्सर में केंद्रीय विश्वविद्यालय की मांग, रेलवे स्टेशनों के सौंदर्यीकरण, ट्रेनों के ठहराव, किसानों की समस्याएं, वक्फ बोर्ड और मक्का अनुसंधान केंद्र की मांग जैसे विषय शामिल रहे। उन्होंने कहा कि संसद के भीतर बक्सर, बिहार और देश के विकास से जुड़े सैकड़ों प्रश्न उठाए गए, जिससे बक्सर की आवाज राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची। सांसद ने बताया कि बक्सर केंद्रीय विद्यालय के लिए स्थायी भूमि उपलब्ध कराई गई, जिससे भवन निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

560 सीटों वाले अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय को मंजूरी मिली। खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके अलावा कैमूर में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति मिली और चक्की, केसठ, ब्रह्मपुर, नुआंव तथा सूर्यपुरा में नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना का रास्ता खुला। सांसद ने बताया कि ब्रह्मपुर-कोरानसराय-इटाढ़ी-सरेंजा सड़क परियोजना को मंजूरी मिली है। चौसा-कोचस फोरलेन सड़क, इटाढ़ी बाजार फोरलेन और ब्रह्मपुर-नैनिजोर सड़क चौड़ीकरण कार्य को भी स्वीकृति दी गई है। बक्सर-चौसा, रामगढ़, डुमरांव और दावथ बाईपास परियोजनाओं को मंजूरी मिली है।

## कौन था गैंगस्टर कमलेश चौधरी, जो चलाता था कटरा गैंग? एनकाउंटर पर गाजीपुर में मचा बवाल

गाजीपुर, 5 जून (एजेंसियां)। यूपी के गाजीपुर जिले में होटल कारोबारी के बेटे विनीत राय हत्याकांड में नामजद आरोपी कमलेश चौधरी का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। अब उसकी मौत पर जिले में बवाल मचा है और तनाव का माहौल है। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में 3 जून को उसका एनकाउंटर किया गया। उसके अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने 60 से 70 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। होटल कारोबारी विनीत राय की हत्या के मामले में शंकर पांडे, कमलेश चौधरी समेत चार नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस हत्याकांड के बाद से ही गाजीपुर में खासकर व्यापारी वर्ग में डर बना हुआ है। लोगों को आशंका है कि कथित तौर पर सक्रिय कटरा गैंग के सदस्य रंगदारी और आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। बताया जाता है कि करीब 10 से 12 साल फुल्लनपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास बनने वाले कटरे के आसपास युवाओं का एक ग्रुप सक्रिय हुआ,

### मीनाक्षी एम राय बनीं पटना हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस

## राज्यपाल ने दिलाई शपथ संगम कुमार साहू का स्थान लिया

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी एम राय ने शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। लोकभवन में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद भी उपस्थिति रहे। चीफ जस्टिस मीनाक्षी एम राय ने संगम कुमार साहू का स्थान लिया, जो 4 जून को रिटायर्ड हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कई अन्य गणमान्य की उपस्थिति रही। मीनाक्षी एम राय का जन्म 12 जुलाई 1964 को सिक्किम में हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी श्रीराम कालेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की शिक्षा ली। इसके बाद कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1990 में वह दिल्ली बार में नामांकित हुईं और दिल्ली हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्य किया।

उसी वर्ष उन्हें सिक्किम न्यायिक सेवा में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सह सिविल जज नियुक्त किया गया। इस उपलब्धि के साथ वे इस पद पर पहुंचने वाली सिक्किम की पहली महिला बनीं। अपने न्यायिक करियर में उन्होंने जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रजिस्ट्रार जनरल, फैमिली कोर्ट जज, एनडीपीएस कोर्ट तथा भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के विशेष न्यायाधीश सहित अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। न्यायाधीश मीनाक्षी एम राय को 15 अप्रैल 2015 को सिक्किम हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। इसके बाद उनकी नियुक्ति पटना हाईकोर्ट में की गई है।

## देवबंद से जुड़े मोहाली बम साजिश के तार, ग्राम प्रधान का भाई गिरफ्तार

देवबंद/सहारनपुर, 5 जून (एजेंसियां)। सहारनपुर के देवबंद क्षेत्र का नाम मोहाली बम साजिश मामले की जांच में सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल और उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते की संयुक्त कार्रवाई में देवबंद क्षेत्र के बचीटी गांव निवासी मोहम्मद मोहतसीम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक वर्तमान ग्राम प्रधान का भाई बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पंजाब के मोहाली स्थित वाईपीएस चौक फेज-7 क्षेत्र से सुरक्षा एजेंसियों ने पहले तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, बैटरी, तार और विस्फोटक उपकरण तैयार करने में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की गई थी। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों में शामिल मनी सिंह ने देवबंद क्षेत्र के मोहम्मद मोहतसीम का नाम लिया। इसके बाद जांच का दायरा सहारनपुर तक बढ़ाया गया। जांच एजेंसियों के अनुसार मनी सिंह और मोहतसीम के बीच संपर्क सोशल मीडिया माध्यमों से स्थापित हुआ था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों की पहचान कथित रूप से पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी के जरिए कराई गई थी।

## बच्चों के सामने पत्नी को मार डाला ईंट और हथियार से किए वार, छह साल पहले किया था प्रेम विवाह

मुरादाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। मैनाठेर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर हमीर में शुक्रवार सुबह विवाद के बाद युवक ने कथित तौर पर पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के समय घर में दंपती के तीन छोटे बच्चे मौजूद थे। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से भाग गया। उसके ससुरालियों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। गांव निवासी सना ( 25) का करीब छह वर्ष पहले गांव के ही नसीम से प्रेम विवाह हुआ था। दोनों के तीन बच्चे हैं। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि इसके बाद नसीम ने सना पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका का मायका घटनास्थल से करीब 100 मीटर की दूरी पर है। बताया गया कि वारदात के बाद सना की छह वर्षीय बेटी आयत दौड़कर अपनी नानी के घर पहुंची और घटना के बारे में बताया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। परिजनों के अनुसार नसीम ट्रक चालक है और तीन दिन पहले काम पर गया था। वह बृहस्पतिवार देर शाम ही ट्रक लेकर गांव लौटा था। मृतका के पिता इमरान का आरोप है कि नसीम उनकी बेटी को लंबे समय से दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। उन्होंने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उनकी बेटी की हत्या की गई है।

# बिहार एमएलसी चुनाव

## एक सीट पर आरजेडी- एआईएमआईएम आमने-सामने, किस पर लगेगी लालू की मुहर?

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। बिहार में विधानपरिषद की नौ सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 18 जून को होंगे। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद रिक्त हुई एक सीट पर उपचुनाव भी कराया जाएगा। इस बीच एक सीट के लिए विपक्ष के बीच पेंच फंसता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी तो दूसरी तरफ एआईएमआईएम दावेदार ठोंक रही है। हलांकि परिणाम चाहे जो भी हो, लेकिन इतना तय है कि विधान परिषद की एक सीट के लिए आरजेडी भी अपनी दावेदारी करेगी। इसके लिए महागठबंधन से प्रत्याशी होगा और उसके लिए आरजेडी को एआईएमआईएम से भी सहयोग की जरूरत पड़ेगी। लेकिन ऐसे में प्रत्याशी वही होगा, जिसके नाम पर लालू यादव मुहर लगाएंगे। इस बीच विधान परिषद के लिए दो नाम सबसे आगे चल रहे हैं।

जिसमें एक सुनील कुमार सिंह हैं, जो राबड़ी देवी की पसंद हैं। आरजेडी कोटे से खाली होने वाली एक सीट उन्हीं की है। तेजस्वी यादव चाहते हैं कि शिवचंद्र राम को विधान परिषद भेजा जाए, ताकि अनुसूचित जाति के बीच आरजेडी के प्रति सकारात्मक संदेश जाए। आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी के लगभग सभी फैसले तेजस्वी यादव ही ले रहे हैं। इस वजह से परिवार की ओर से भी कुछ ज्यादा हस्तक्षेप नहीं होता है। हलांकि तेजस्वी को लालू प्रसाद की सलाह जरूर मिलती रहती है। प्रत्याशी के चयन में भी अब लालू यादव की सलाह जरूरी हो गई है। फिलहाल लालू यादव अभी सिंगापुर में हैं और अपने स्वास्थ्य की जांच करा रहे हैं।

ऐसे में नामांकन की आखिरी तारीख 8 जून से पहले उनके पटना लौट आने की संभावना जताई जा रही है। विधान परिषद के लिए प्रत्याशी के साथ राबड़ी आवास (10, सर्कुल रोड) पर अंतिम फैसला भी लालू यादव के आने के बाद ही लिया जाएगा। अनुसूचित जाति को साधने के उपक्रम में आरजेडी अभी तक पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। तेजस्वी यादव की ए-टू-जेड वाली पहल भी कारगर नहीं रही।

## थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने किए रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन, पूजा-अर्चना की

अयोध्या, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ एवं थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। वह सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से श्रीराम कथा हेलीपैड पर उतरे, जहां प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड से जनरल द्विवेदी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे और संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन-पूजन कर देश की सुख-समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचकर रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेका और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। थल सेना प्रमुख के आगमन को लेकर हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए थे। उनके दौरे के दौरान पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरी तरह मुस्तैद रहे।

# यूपी चुनाव में इन नेताओं को अखिलेश यादव नहीं देंगे टिकट

### मिशन-27 में चलेगा लोकसभा वाला फॉर्मूला!

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी एक बार फिर से साल 2024 वाली रणनीति पर काम करने में जुटी है, पार्टी अब ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में जुट गई हैं जिनके जरिए क्षेत्र के जातीय समीकरण के साथ सियासी समीकरण को भी साधा जा सके। पार्टी नेतृत्व लगातार जिलेवार पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर मंथन में जुटा है। सपा की नजर ऐसे नेताओं पर भी टिकी है जो चुनाव से पहले सपा के साथ आ सकते हैं। समाजवादी पार्टी अब तक 35 जिलों की 150 विधानसभा सीटों को लेकर बैठक कर चुकी है। जुलाई महीने तक इन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को शॉर्टलिस्ट करने की तैयारी है।

माना जा रहा है कि सपा 2024 की तर्ज पर ही इस बार भी उम्मीदवारों के नाम का फैसला कर सकती है। यूपी चुनाव में उम्मीदवारों को लेकर सपा की जिला स्तर पर पदाधिकारियों को ऐसे नेताओं की पहचान करने के निर्देश दिए हैं जो अभी भले ही बीजेपी, रालोद, बसपा या सुभासपा से जुड़े हैं लेकिन, चुनाव से पहले वो पाला बदल सकते हैं। इनमें एक नाम सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी का भी है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ उनके संबंध किसी से छुपे नहीं है। समाजवादी पार्टी यूपी की उन सभी सीटों की पहचान भी कर रही है जहां पर पार्टी मज़बूत स्थिति में रही है। इसके अलावा जिन सीटों पर सपा को सफलता नहीं मिली उन पर ख़ास ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसी सीटों पर सपा कार्यकर्ताओं को जनाधार बढ़ाने और जन-जन तक सपा सरकार में हुए कामों को बताने को कहा गया है। सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी ने उन नेताओं की भी पहचान करनी शुरू कर दी है जिनके साथ सपा अध्यक्ष के रिश्ते भले ही तनाव पूर्ण रहे लेकिन वो वापसी करना चाहते हैं। ऐसे में इन नेताओं को भी पार्टी के साथ लाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा पार्टी की ओर से 24 जिलों में संगठनात्मक पदाधिकारियों को एक ख़ास जिम्मेदारी दी गई है जो उम्मीदवारों की जातीय, सियासी और जनाधार की स्वीकार्यता का आंकलन करेगी।

## खाते में आए 2,94 करोड 80 लाख रुपये तो चौंक गया मजदूर, अब बैलेंस देखने पहुंच रहे

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। डिजिटल बैंकिंग के दौर में बिहार के गयाजी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बोधगया प्रखंड अंतर्गत मस्तपुरा गांव निवासी एक मजदूर के खाते में अचानक 2,948,000,000 रुपये का बैलेंस दिखा तो उसके होश उड़ गए। मस्तपुरा गांव के रहने वाले विकास कुमार पेशे से बिजली और प्लंबर मिस्त्री हैं। पैसे आने के बाद उन्होंने बताया कि उनका जियो पेमेंट्स बैंक का खाता पिछले लगभग पांच वर्षों से सक्रिय है। दो दिन पहले जब जियो फाइनेंस ऐप के माध्यम से बैलेंस चेक किया तो खाते में 2,94,80,00,000 रुपये (294 करोड़ 80 लाख रुपये) दिखे।

पहली बार बैलेंस देखने पर उन्हें लगा कि यह कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी, लेकिन शाम दोबारा बैलेंस देखा तो इतने ही पैसे थे। खाते में इतने रुपये जब कई दिन तक रहे तो उनकी हैरानी और बढ़ गई। विकास कुमार ने बताया कि जब से उनका खाता है तब से अभी तक 6 से 7 लाख रुपये तक का ही लेनदेन हुआ होगा। ऐसे में अचानक इतना बैलेंस दिखना उनके लिए हैरान करने वाली बात थी। किसी संभावित बैंकिंग त्रुटि या तकनीकी समस्या की आशंका को देखते हुए उन्होंने खाते से राशि निकालने या किसी प्रकार का लेनदेन करने की कोशिश नहीं की। इस बात की जानकारी फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग विकास के घर पहुंचने लगे।

कोई बैलेंस दिखाने के लिए कहने लगा तो कोई कई सवाल करने लगा। सोशल मीडिया पर भी यह खबर तेजी से फैलने लगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि खाते में दिखाई दे रही यह राशि किसी तकनीकी गड़बड़ी का परिणाम है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। बता दें कि ऐसे मामले पहले भी कई बार आ चुके हैं। बैंक अधिकारियों की मानें तो यह राशि निकल नहीं पाती है। कई बार तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा होता है।

## 12वें फ्लोर पर एसी फटा और धू-धू कर जला फ्लैट

### चीख-पुकार के बीच खाली कराई बिल्डिंग खुद सीएम योगी ने संभाला मोर्चा

नोएडा, 5 जून (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-75 में स्थित एक आवासीय सोसायटी की 12वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में शुक्रवार सुबह भयंकर आग लग गई, जिसके बाद एहतियातन इमारत को खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लखनऊ में जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने (योगी आदित्यनाथ ने) अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने और यदि कोई घायल हो तो उसे उचित चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि यह घटना सेक्टर-75 में स्थित आइवी काउंटी सोसाइटी में सुबह 8 बजे के आसपास लगी। उन्होंने बताया कि आग फ्लैट में एयर कंडीशनर में हुए विस्फोट की वजह से लगी। इस 28 मंजिला इमारत की 12वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट से आग की लपटें उठीं और आग तेजी से फैल गई, जिससे घना काला धुआं उठा जो आसपास के इलाकों से दिखाई दे रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को बुझाने के प्रयास शुरू किए गए।

आग लगने पर निवासी सीढ़ियों के रास्ते इमारत से बाहर निकले। पुलिस ने बताया कि पूरी इमारत खाली करा ली गई और आसपास के फ्लैटों में रहने वालों को भी एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को सभी स्तरों पर सतर्क रहने और राहत प्रयासों की निरंतर निगरानी करते रहने का निर्देश भी दिया है।

## ईडी का बड़ा खुलासाः टेंडर घोटाले के मास्टरमाइंड रिशु श्री का 'आईएएस भैया' कनेक्शन, मोबाइल चैट से खुले राज

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। बिहार में कथित टेंडर घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। ईडी की जांच में सामने आए साक्ष्यों से संकेत मिले हैं कि इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड रिशु श्री, राज्य सरकार के कुछ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के बेहद करीब था। जांच एजेंसी के दस्तावेजों के अनुसार, रिशु श्री के संबंध प्रदेश सरकार में तैनात एक सीनियर आईएएस अधिकारी से इतने प्रगाढ़ थे कि वह सरकारी निविदाओं (टेंडर्स) को अपने पक्ष में मैनेज करने के लिए उनके नाम का धड़ल्ले से इस्तेमाल करता था।

सूत्रों के मुताबिक रिशु श्री के पास से जब्त किए गए मोबाइल फोन के डिजिटल डेटा से ईडी को कई महत्वपूर्ण और पुख्ता सुराग मिले हैं। चैट्स और कॉल रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि वह संबंधित वरिष्ठ अधिकारी को अपने करीबी सहयोगी के रूप में पेश करता था। अधिकारियों के साथ उसका तालमेल कुछ ऐसा था कि वह उन्हें 'आईएएस भैया' कहकर संबोधित करता था। जांच एजेंसी का दावा है कि इसी रसूख और करीबी रिश्ते का हवाला देकर वह सरकारी विभागों और ठेकेदारों के बीच अपना सिक्का जमाता था और उन पर दबाव बनाता था।

डिजिटल रिकॉर्ड और आपसी बातचीत से इस बात के साफ संकेत मिले हैं कि रिशु श्री करोड़ों रुपये के सरकारी टेंडर्स को प्रभावित करने तथा अपने पक्ष में मनमाफिक निर्णय कराने के लिए इस कथित आईएएस नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा था। अब ईडी की टीम इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि संबंधित आईएएस अधिकारी की भूमिका महज व्यक्तिगत संपर्क तक सीमित थी या फिर सरकारी फाइलों और टेंडर की प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में भी उनका कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष योगदान था। जांच एजेंसी उक्त अधिकारी की संपत्तियों और फैसलों के बारे में भी जानकारियां जुटा रही है। ईडी का मानना है कि इन सभी तथ्यों के विस्तृत विश्लेषण से जल्द ही इस टेंडर नेटवर्क, उससे जुड़े प्रभावशाली चेहरों और भ्रष्टाचार के पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश हो जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शनिवार, 6 जून, 2026 5

सुविचार
मैं कभी, हम नहीं हो सकता
तू कभी, हम नहीं हो सकता
जब तक मैं तू छोड़ेगा।
तब जाकर हम बनेगा।

# जापान की तकनीकी दक्षता और कार्य संस्कृति प्रभावशाली : वेंकटस्वामी

## जापान-तेलंगाना सहयोग को नई दिशा, रोजगार एवं कौशल विकास पर चर्चा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जापान के हिरोशिमा प्रिफेक्चर के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में राज्य के श्रम, रोजगार, खान एवं भूगर्भ विभाग मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी से मुलाकात की। यह बैठक तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) के समन्वय से आयोजित की गई। बैठक के दौरान जापानी प्रतिनिधियों ने विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में भारतीय युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी दी।

दोनों पक्षों के बीच कौशल विकास, अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों के विस्तार तथा प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के विषयों पर सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि हैदराबाद और जापान के शहरों के

बीच सहयोगात्मक संबंधों का दो दशक पुराना इतिहास है और यह साझेदारी अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर मंत्री डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना के युवाओं को वैश्विक रोजगार अवसरों के अनुरूप तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि टॉमकॉम युवाओं को विदेशी रोजगार उपलब्ध कराने तथा उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में पेशेवर और लक्ष्यबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि जापान की तकनीकी दक्षता और कार्य संस्कृति उन्हें हमेशा प्रभावित करती रही है। उन्होंने जापानी मशीनों की सटीकता, अनुशासन और वहां के लोगों की विनम्रता की सराहना की। बैठक में श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना (एलईटीएफ) विभाग की सचिव दासरी हरिचंदना ने तेलंगाना के विकास अवसरों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने राज्य सरकार की कौशल विकास योजनाओं, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट अवसरों की जानकारी दी। साथ ही तेलंगाना और हिरोशिमा प्रिफेक्चर के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने तथा रोजगार अवसरों के विस्तार के लिए संयुक्त कार्य समूह (जॉइंट वर्किंग ग्रुप) गठित करने का प्रस्ताव रखा। जापान के हिरोशिमा प्रिफेक्चर एवं नारा जापान हब के प्रतिनिधिमंडल में इंडस्ट्रियल ह्यूमन रिसोर्सेज डिवीजन के निदेशक फुनाइशी हिरोयोशी, कोगा युया, हराजोनो योशिहिरो, टोयो मारिया सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

# तेलंगाना के हथकरघा श्रमिकों के कल्याण में योगदान दें : मंत्री

## प्रसिद्ध इकत कला विरासत के लिए एक शानदार मंच

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने वाली पोचमपल्ली इकत कला की भव्यता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित थ्रेड पोचमपल्ली प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार को हैदराबाद के हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र के हॉल-4 में भव्य तरीके से किया गया। कृषि, विपणन, सहकारिता, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव और सड़क एवं भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारी, हथकरघा कारीगर, उद्योग प्रतिनिधि और हथकरघा प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ तेलंगाना के लोक कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से निर्मित प्रवेश कक्ष में पारंपरिक करघों का प्रदर्शन, पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं द्वारा निर्मित अद्भुत हस्तशिल्प, प्राकृतिक रंग और उन्हें बनाने में प्रयुक्त सामग्री दर्शकों

को विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण आधुनिक एआई एक्सपीरियंस बूथ था।

आगंतुकों को पोचमपल्ली इकत वस्त्रों को आभासी रूप से पहनने और अनुभव करने का अवसर दिया गया। इकत बनाने की प्रक्रिया को चरण-दर-चरण समझाने के लिए एक विशेष दृश्य गैलरी भी स्थापित की गई थी। पारंपरिक साड़ियों, आधुनिक फैशन परिधानों, पुरुषों के परिधानों, घरेलू सजावट के उत्पादों और जीवनशैली से संबंधित उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले 100 से अधिक स्टॉलों के साथ, यह प्रदर्शनी दर्शाती है कि पोचमपल्ली बुनाई की कला आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कैसे विकसित हो रही है।

तेलंगाना पर्यटन विभाग भी इस कार्यक्रम में भाग ले रहा है और पोचमपल्ली गांव घूमने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज को बढ़ावा दे रहा है। इनके माध्यम से पर्यटकों को बुनकर परिवारों से सीधे मिलने और पारंपरिक करघों की कार्यप्रणाली देखने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने तेलंगाना के हथकरघा श्रमिकों के कल्याण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने हैदराबाद, सिकंदराबाद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में आने और प्रामाणिक हथकरघा उत्पाद खरीदकर हजारों बुनकर परिवारों का समर्थन करने का आग्रह किया।

पोचमपल्ली के क्षेत्रीय व्यंजनों को प्रदर्शित करने वाले विशेष रूप से स्थापित फूड स्टॉल आगंतुकों को एक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करते हैं। यादद्री भुवनगिरी जिला प्रशासन द्वारा आयोजित थ्रेड पोचमपल्ली प्रदर्शनी 7 जून तक जारी रहेगी। यह तेलंगाना हथकरघा की महिमा को सीखने, अनुभव करने और बढ़ावा देने का एक दुर्लभ अवसर होगा।

## महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले में पांच युवक दोषी करार

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शी टीम ने चारमीनार क्षेत्र में महिलाओं से छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में पांच युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की है। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, शी टीम द्वारा चलाए गए निगरानी अभियान के दौरान कुछ युवक सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को परेशान करते और उनके साथ अनुचित शारीरिक संपर्क करने का प्रयास करते पाए गए। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सिटी पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

## दहेज उत्पीड़न से परेशान नवविवाहिता ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न से परेशान एक 21 वर्षीय नवविवाहिता ने गुरुवार रात कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। महिला की शादी को अभी एक वर्ष ही हुआ था। मृतका की पहचान अनुषा के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि विवाह के बाद से ही उसे दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिवार के अनुसार, उसका पति शराब का आदी था और अक्सर उसके साथ शारीरिक तथा मानसिक उत्पीड़न करता था। परिजनों ने आरोप लगाया कि पति ने अनुषा द्वारा मायके से लाए गए पांच तोले सोने को गिरवी रख दिया था और इसके बाद भी अतिरिक्त दहेज की मांग करता रहा। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों ने कई बार दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने और स्थिति सुधारने का प्रयास किया, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। घटना के बाद अनुषा की मां चेन्नम्मा ने गच्चीबावली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि महिला की मौत के कारणों और लगाए गए आरोपों की गहन जांच की जा रही है।

# डीजीपी कार्यालय के नाम दर्ज बाइक पर 2,450 रुपये के चालान लंबित

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के ई-चालान पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय के नाम पर पंजीकृत एक मोटरसाइकिल पर 2,450 रुपये के यातायात चालान लंबित हैं। इस मामले के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है।

पोर्टल के रिकॉर्ड के अनुसार, पंजीकरण संख्या टीएस09पीए6689 वाली मोटरसाइकिल पर वर्ष 2022 से 2024 के बीच हैदराबाद में कई यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए चालान जारी किए गए थे। इनमें हेलमेट न पहनना, स्टॉप

लाइन पार करना और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे उल्लंघन शामिल हैं।

रिकॉर्ड के मुताबिक, इन चालानों का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। यह मामला तब चर्चा में आया जब एक नागरिक ने सड़क पर वाहन चलाते समय हेलमेट नियम के उल्लंघन से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई, जिसमें कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या सरकारी वाहनों और पुलिसकर्मियों पर भी यातायात नियमों का पालन आम नागरिकों की तरह समान रूप से लागू किया जा रहा है। मामले को लेकर लोगों की विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

# तबादला नीति को लेकर सरकारी डॉक्टरों का विरोध तेज, पारदर्शिता की मांग

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी डॉक्टरों का तबादला नीति को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। डॉक्टरों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग राज्य कर्मचारियों के तबादलों को नियंत्रित करने वाले सरकारी आदेश (जीओएम) संख्या-38 का सही तरीके से पालन नहीं कर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को कई सरकारी अस्पतालों में बाह्य रोगी (ओपी) सेवाएं प्रभावित हुईं। तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीजीडीए) और तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) के बैनर तले विरोध कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि डायरेक्टोरेट ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डीएमई), डायरेक्टोरेट ऑफ पब्लिक हेल्थ (डीपीएच) और तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) तबादलों में मनमाने दिशा-निर्देश लागू कर रहे हैं, जिससे निर्धारित नियमों की अनदेखी हो रही है।

डॉक्टरों का आरोप है कि वर्षों से ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में सेवा दे रहे चिकित्सकों को उचित अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग 'केंद्रीय' और 'गैर-केंद्रीय' पदों की परिभाषा बदलने का प्रयास कर रहा है, जिससे भेदभाव और असंतोष की स्थिति पैदा हो सकती है। संघ के नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि तबादला प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के बावजूद पोर्टल पर सभी रिक्त पदों की जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इसी वजह से डॉक्टर आमने-सामने की काउंसलिंग प्रक्रिया लागू करने और पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। टीजीजीडीए के राज्य अध्यक्ष डॉ.बी. नरहरि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक सेवा देने वाले डॉक्टरों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी डॉक्टर का तबादला उसकी सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि उसके स्थान पर कोई अन्य चिकित्सक नियुक्त न हो जाए। डॉक्टरों की प्रमुख मांगों में जीओएम संख्या-38 का कड़ाई से पालन, नए और चयनात्मक नियमों पर रोक, ऑनलाइन आवंटन की जगह प्रत्यक्ष काउंसलिंग की व्यवस्था तथा मान्यता प्राप्त एसोसिएशन पदाधिकारियों को निर्धारित छूट प्रदान करना शामिल है। टीजीजीडीए ने डॉक्टरों से फिलहाल स्थानांतरण विकल्प प्रपत्र जमा न करने और प्रक्रिया का बहिष्कार करने की अपील की है।

## सूडान से आए छात्र समेत तीन लोग इबोला निगरानी में भर्ती

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूडान से आए एक छात्र और उसके परिचारक को गुरुवार को गांधी अस्पताल के हाल ही में स्थापित इबोला आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया। छात्र को पहले एक निजी अस्पताल में पीत ज्वर (येलो फीवर) की निगरानी में रखा गया था, जहां उसे बुखार आने के बाद गांधी अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, छात्र के साथ आए परिचारक को भी एहतियातन भर्ती किया गया है, हालांकि उसमें किसी प्रकार के लक्षण नहीं पाए गए हैं। दोनों का यात्रा इतिहास सूडान से जुड़ा होने के कारण उन्हें निगरानी में रखा गया है। सूडान उन देशों की सूची में शामिल है जहां इबोला संक्रमण के खतरे को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

इन दोनों के भर्ती होने के बाद गांधी अस्पताल में संदिग्ध इबोला मरीजों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इनमें हैदराबाद के एक निजी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला सूडानी छात्र शामिल है, जिसे बुखार है, जबकि अन्य दो व्यक्तियों में कोई लक्षण नहीं मिले हैं। गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. वानी ने बताया कि तीनों के रक्त नमूने जांच के लिए सीसीएमबी भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इससे पहले सूडान से राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे एक यात्री को भी गुरुवार को गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों के अनुसार उसकी स्थिति स्थिर है और हवाई अड्डे पर थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान दर्ज किया गया उच्च तापमान अब सामान्य हो गया है।

# एमएमटीएस में मुफ्त यात्रा का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड ने ठुकराया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे बोर्ड ने हैदराबाद की बहु-माध्यम परिवहन प्रणाली (एमएमटीएस) ट्रेनों में यात्रियों को मुफ्त यात्रा सुविधा देने के तेलंगाना सरकार के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। बोर्ड ने इसके पीछे भारी परिचालन घाटे और वित्तीय बोझ को प्रमुख कारण बताया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रेलवे बोर्ड ने कहा है कि एमएमटीएस सेवाएं पहले से ही बड़े घाटे में संचालित हो रही हैं। ऐसे में मुफ्त यात्रा योजना लागू होने पर वित्तीय भार और बढ़ जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव पर तभी विचार किया जा सकता है, जब राज्य सरकार मौजूदा घाटे के साथ-साथ इस योजना से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त खर्च को भी वहन करने की जिम्मेदारी ले।

रेलवे बोर्ड ने यह भी बताया कि एमएमटीएस परियोजना से संबंधित राज्य सरकार की कई वित्तीय देनदारियां अब भी लंबित हैं। बोर्ड ने सरकार से 490 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि का भुगतान करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने पहले एमएमटीएस में मुफ्त यात्रा शुरू करने का प्रस्ताव रखा था और यात्री टिकटों से होने वाले राजस्व की भरपाई करने की बात कही थी। इसके लिए एक समझौता ज्ञापन तैयार कर रेलवे बोर्ड की मंजूरी के लिए भेजा गया था। हालांकि बोर्ड ने जवाब में कहा कि पर्याप्त वित्तीय गारंटी के बिना इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी जा सकती। बोर्ड के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमएमटीएस संचालन पर लगभग 179 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि टिकटों से केवल 16.81 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस प्रकार प्रणाली को 162 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा हुआ।

## 547 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

खम्मम, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साथुपल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज 547 करोड़ रुपये के बड़े साइबर धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, निरीक्षक श्रीहरि ने खम्मम के रहने वाले नल्लानगुला श्वेतान को गुरुवार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि वर्ष 2023 में आरोपी ने कोथागुडेम जिले के चंद्रुगोंडा स्थित कैथोलिक सीरियन बैंक में श्वेतन एंटरप्राइजेज नाम से एक चालू खाता खोला था। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी के बयान के आधार पर एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है। इस गिरोह पर विदेश में रह रहे लोगों से संपर्क कर कॉल सेंटर के माध्यम से ठगी करने का आरोप है।

आरोपियों द्वारा शेयर बाजार में निवेश, क्रिप्टोकरेंसी, जुआ, सट्टेबाजी, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी लेनदेन और वैवाहिक धोखाधड़ी जैसे तरीकों से लोगों को ठगा जाता था। पहले लोगों को ऊंचे मुनाफे का लालच दिया जाता था और फिर उन्हें टेलीग्राम समूहों में जोड़कर लिंक और क्यूआर कोड भेजे जाते थे, जिनके जरिए उनके बैंक खातों से धन निकाला जाता था।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक 28 आरोपियों में से 27 को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है। मुख्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह एक संगठित साइबर अपराध गिरोह है, जिसकी पूरी श्रृंखला की जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है।

## केबीआर पार्क के आसपास पेड़ों की कटाई के विरोध में निकाली गई स्मृति पदयात्रा

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क क्षेत्र में फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के विरोध में 'सेव केबीआर पार्क' अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों ने शुक्रवार को एक स्मृति पदयात्रा आयोजित की। इस दौरान पर्यावरण प्रेमियों ने शहर के हरित क्षेत्र को बचाने की मांग उठाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने कहा कि उत्सव मनाने के बजाय वे शहर के घटते हरित क्षेत्र और काटे गए पेड़ों के प्रति शोक व्यक्त कर रहे हैं। उनका आरोप है कि केबीआर राष्ट्रीय उद्यान के आसपास दशकों पुराने पेड़ों को काट दिया गया, जबकि वर्ष 2021 में इस संबंध में स्थगन आदेश भी जारी किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने नष्ट हुए पेड़ों की याद में मौन श्रद्धांजलि और प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार का आयोजन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पेड़ों की कटाई से शहर का पर्यावरण और जैव विविधता प्रभावित हो रही है। स्वयंसेवकों ने तख्तियां लेकर सुबह 7 बजे से 9 बजे तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन से केबीआर पार्क के आसपास के हरित क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर के पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को बचाना अत्यंत आवश्यक है।

# केटीआर ने सिंगरेनी में 1,600 करोड़ रुपये के कथित कोयला घोटाले की जांच की मांग की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड में कथित 1,600 करोड़ रुपये के कोयला घोटाले की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कोयले के भंडार की वास्तविक स्थिति की जांच के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की भी आग्रह किया। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को लिखे पत्र में रामाराव ने आरोप लगाया कि सिंगरेनी के अभिलेखों में दर्ज लगभग 40 लाख मीट्रिक टन कोयला भंडार से गायब है। उनके अनुसार, इस कोयले का अनुमानित मूल्य करीब 1,600 करोड़ रुपये है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण कंपनी के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

पूर्व मंत्री ने दावा किया कि कंपनी के अभिलेखों में मंडामारी,

श्रीरामपुर, रामागुंडम-1, रामागुंडम-2, भूपालपल्ली, येल्लंदु और सत्तपल्ली सहित सात खनन क्षेत्रों में कोयले का भंडार दर्ज था, लेकिन कथित तौर पर भौतिक सत्यापन के दौरान यह भंडार नहीं मिला। रामाराव ने आरोप लगाया कि मामला सामने आने के बावजूद न तो केंद्रीय कोयला मंत्रालय और न ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भंडार का सत्यापन किया। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच कोई मिलीभगत नहीं है तो तत्काल जांच के आदेश दिए जाने चाहिए। उन्होंने सिंगरेनी में हाल के समय में हुई अन्य कथित अनियमितताओं की भी उल्लेख किया। इनमें नैनी कोयला खदान की निविदा प्रक्रिया, सौर ऊर्जा परियोजनाओं का आवंटन, विस्फोटकों और डीजल की खरीद से जुड़े मामलों का जिक्र किया गया है।

उनका आरोप है कि इन फैसलों से कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। रामाराव ने कहा कि सिंगरेनी तेलंगाना की जनता की संपत्ति है और इससे जुड़े सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कथित घोटाले की जांच नहीं कराई गई तो उनकी पार्टी सिंगरेनी कर्मियों के साथ मिलकर आंदोलन तेज करेगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prabha Kumari, Mother of No. 14682472N, Hav, Gireesh M, R/o, Vill & PO: East Kallada, Dist: Kollam, Kerala, changed my name from Prabha Kumari to Prabha Kumari K, vide Affidavit No. 467044 dt. 04.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# ट्रम्प बोले-भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया

## अब हम टैरिफ से खूब कमा रहे, फिर भी डील करेंगे क्योंकि मुझे मोदी पसंद

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है।

ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है, क्योंकि मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की एक टीम हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके। भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

**अमेरिका भारत पर 12.5% टैरिफ लगाने की तैयारी में**

समझौतों को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल भी खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं।

इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका जाने वाले भारतीय सामान पर 12.5% अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो सकते हैं और निर्यातकों पर असर पड़ सकता है। भारत सरकार का कहना है कि अभी इस अतिरिक्त शुल्क को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अमेरिका पहले इस प्रस्ताव पर लोगों और संबंधित पक्षों की राय लेगा, उसके बाद ही अंतिम निर्णय करेगा।

**भारत-अमेरिका में ट्रेड डील का खाका तैयार**

भारत-अमेरिका में फरवरी 2026 में एक अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बनी थी। इसका मकसद लंबे समय से अटके व्यापारिक मुद्दों को सुलझाना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के कुछ टैरिफ को अवैध बता दिया। इसके बाद साफ नहीं हो रहा था कि कौन से टैरिफ लागू रहेंगे, कौन से नहीं।

## ट्रम्प बोले-ईरान के सुप्रीम लीडर से मिलकर गर्व होगा

तेल अवीव, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है, तो वह ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा, मैं सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात होती है तो मुझे गर्व होगा। अगर डील हो जाती है तो मुलाकात संभव है। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि कोई भी संभावित मुलाकात सम्मानजनक होगी और मैं ईरान के सुप्रीम लीडर से इज्जत से पेश आऊंगा। इसके अलावा, ट्रम्प ने बताया कि उनकी सरकार ने ईरान से संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम हासिल करने के लिए सैनिक भेजने पर विचार किया था, लेकिन यह योजना अंत में खारिज कर दी गई।

## इटली के स्कूलों में सेक्स एजुकेशन की पढ़ाई के लिए माता-पिता की मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने सेक्स एजुकेशन को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। अब इटली के स्कूलों में सेक्स एजुकेशन से जुड़े पाठ्यक्रम पढ़ाने से पहले छात्रों के माता-पिता की अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

इटली के शिक्षा मंत्री ज्यूसेप्पे वाल्दितारा के इस प्रस्तावित बिल को संसद से अंतिम मंजूरी मिल गई है। हालांकि, इस फैसले के बाद इटली की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस तरह के फैसले छात्रों को जरूरी जानकारी से वंचित कर सकते हैं। विपक्षी नेता एंजेलो बोनेली ने एक बयान में कहा कि सेक्स एजुकेशन पढ़ाने के लिए माता-पिता की अनुमति लेना ऐसा है, जैसे स्कूल में साहित्य या इतिहास पढ़ाने से पहले परिवारों से इजाजत मांगी जाए। उनके मुताबिक, यह सरकारी स्कूलों की शिक्षा देने की मूल जिम्मेदारी के खिलाफ है। हालांकि, शिक्षा मंत्री ज्यूसेप्पे वाल्दितारा अपने फैसले पर कायम हैं।

# 'खामेनेई पर हमले के वक्त उनके कार्यालय में ही था'

## > ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने बताया आंखों देखा हाल

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने बताया कि अमेरिका-इजरायल संघर्ष के शुरुआती घंटों के दौरान ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के ऑफिस पर हुए हमले में वह बाल-बाल बच गए। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि वह टारगेट की गई इमारत के मलबे से बाहर निकले।

अरागची ने बताया कि वह अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय के अंदर मौजूद थे जब 28 फरवरी को संघर्ष के शुरुआती घंटों में उस पर हमला हुआ था। अरागची ने घटना के बारे में बताते हुए कहा, "जब उनकी शहादत हुई, मैं उसी कार्यालय में था जिस पर हमला हुआ था।" उन्होंने आगे कहा, "मेरी पहली सोच और पहली चिंता नेता की हालत को लेकर थी।"

विदेश मंत्री ने बताया कि हमले से हुई तबाही के बीच लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों पर ध्यान देते हुए वे दो दिन तक खामेनेई के हाल को लेकर अनिश्चित रहे। उन्होंने याद किया कि बार-बार सुरक्षित जगह पर जाने की सलाह दिए जाने के बावजूद, खामेनेई ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। अरागची ने कहा, "खामेनेई ने कहा कि मैं किसी शेल्टर या सुरक्षित जगह पर तब तक नहीं जाऊंगा, जब तक ईरान के हर नागरिक के पास भी सुरक्षित जगह न हो। मेरे लोगों के साथ जो होगा, वही मेरे साथ भी होगा।" युद्ध के दौरान खामेनेई के व्यवहार की तारीफ करते हुए अरागची ने कहा कि सीधी धमकियों का सामना करने के बावजूद खमेनेई निर्देश देते रहे और कामकाज पर नजर रखते रहे। ईरान के विदेश मंत्री ने संघर्ष बढ़ने से पहले क्षेत्रीय देशों को तेहरान की चेतावनियों का भी जिक्र किया। फारस की खाड़ी के देशों के दौरे के दौरान, उन्होंने कहा कि उन्होंने साफ कर दिया था कि ईरान के खिलाफ हमलों में अमेरिकी बेस का इस्तेमाल करने पर जवाबी कार्रवाई की जाएगी। अमेरिकी सुरक्षा कवच की आलोचना करते हुए अरागची ने कहा, "अगर ईरान के पड़ोसी देशों में ये अमेरिकी बेस न होते, तो वे ईरान की जवाबी कार्रवाई का शिकार नहीं बनते।" अरागची के अनुसार, क्षेत्रीय सरकारों ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए अपनी जमीन के इस्तेमाल का विरोध किया था, लेकिन वाशिंगटन ने इसकी परवाह किए बिना कार्रवाई जारी रखी।

# ऑस्ट्रेलिया में जब्त किए एक करोड़ से अधिक कीमत के कॉकरोच, एक व्यक्ति भी गिरफ्तार

मेलबॉर्न, 5 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति के पास से एक लाख के अधिक कॉकरोच जब्त किए गए। ये कॉकरोच रखना ऑस्ट्रेलिया में गैर-कानूनी है। आस्ट्रेलिया में विदेशी अकशेरुकी जीवों (बिना रीढ़ वाले जीवों) की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के क्लाइमेट चेंज, एनर्जी, एनवायरमेंट और वॉटर डिपार्टमेंट के मुताबिक, मई में न्यू साउथ वेल्स राज्य में बाथर्स्ट में एक कमर्शियल ब्रीडर से मेडागास्कर हिसिंग कॉकरोच और डुबिया कॉकरोच जब्त किए गए थे। इनकी कीमत दो लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 1 करोड़ 35 लाख रुपये बताई जा रही। मेडागास्कर हिसिंग प्रजाति दुनिया के सबसे बड़े कॉकरोच में से एक हैं, इनकी लंबाई 2 से 3 इंच होती है।

**किस काम में करते हैं उपयोग?**

ऑस्ट्रेलिया की उप-उष्णकटिबंधीय जलवायु के कारण वहां कॉकरोच खूब पनपते हैं और देश में इनकी सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। बाथर्स्ट में सांप पकड़ने वाली स्टेफनी लेसर ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प को बताया कि इन बड़ी विदेशी प्रजातियों को शायद सस्ते सरीसृप (रेप्टाइल) भोजन के तौर पर बेचा जा रहा था, क्योंकि इनके बड़े आकार की वजह से कम कीड़ों की जरूरत पड़ती थी। अधिकारियों ने पालतू जानवरों के मालिकों से अपील की कि वे अपनी छिपकलियों को खिलाने के लिए क्रिकेट या वुड रोच का इस्तेमाल करें। यह ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर पाए जाने वाले ऑस्ट्रेलियन कॉकरोच से काफी बड़ा होता है, आस्ट्रेलियन कॉकरोच की लंबाई 0.9 से 1.4 इंच के बीच होती है। ये ऑस्ट्रेलिया की उप-उष्णकटिबंधीय जलवायु के कारण वहां खूब पनपते हैं और यहां इनकी सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं।

**क्यों गैर-कानूनी हैं यह कॉकरोच?**

जानकारी दे दें कि ऑस्ट्रेलिया में मेडागास्कर हिसिंग और डुबिया कॉकरोच को इम्पोर्ट करना गैर-कानूनी है। विभाग की ओर से एक बयान में कहा गया कि इन्हें न तो रखा जा सकता है,न ही इनकी ब्रीडिंग की जा सकती है और न ही इन्हें बेचा जा सकता है, चाहे इन्हें किसी भी तरह से हासिल किया गया हो। ऑस्ट्रेलिया अपनी खेती और बागवानी के क्षेत्रों और स्थानीय वन्यजीवों को कीड़ों के हमले से बचाने के लिए अपनी सीमाओं पर सख्त बायोसिक्योरिटी कंट्रोल रखता है। जो लोग बिना बताए या गैर-कानूनी तरीके से जानवर, कीड़े या पौधों की चीजों को लाते हुए पकड़े जाते हैं, उन पर हजारों डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है।

बयान में आगे कहा गया है कि विदेशी कॉकरोच का पर्यावरण पर पड़ने वाले जोखिम का आकलन नहीं किया गया। ऑस्ट्रेलिया में इन कॉकरोच को इसलिए बैन किया गया कि ये यहां बीमारी फैला सकते हैं या स्थानीय वन्यजीवों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

**अब क्या होगा इन पकड़े गए कॉकरोचों का?**

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने आगे चेतावनी दी कि इन बिना रीढ़ वाले जीवों के साथ पकड़े जाने वाले व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक प्रवक्ता ने कहा कि बाथर्स्ट के ब्रीडर पर कोई आरोप नहीं लगाया गया। विभाग ने कहा कि जब्त किए गए कॉकरोचों को मार दिया जाएगा।

# कुवैत एयरपोर्ट पर हमले के आरोपों से ईरान का इनकार

## > पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की खराबी से हुआ नुकसान

कुवैत, 5 जून (एजेंसियां)। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में ईरान की भूमिका से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि तेहरान की सैन्य जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि एयरपोर्ट की ओर कोई ईरानी मिसाइल नहीं दागी गई थी। उन्होंने दावा किया कि एयरपोर्ट को हुआ नुकसान अमेरिकी निर्मित पैट्रियट रक्षा प्रणाली की विफलता के कारण हुआ, जिसके इंटरसेप्टर मिसाइल लक्ष्य भेदने में असफल रहने के बाद टर्मिनल क्षेत्र में गिर गए।

आईएएनएस को दिए एक साक्षात्कार में फतहाली ने कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी आवश्यक क्षमताओं का उपयोग करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुवैत और बहरीन द्वारा अपने क्षेत्र और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों के लिए करने देना अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी संबंधों का उल्लंघन है। राजदूत ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और विवादों के समाधान के लिए हमेशा कूटनीति और संवाद का समर्थन करता है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि 8 अप्रैल को घोषित युद्धविराम का अमेरिकी बलों ने कई बार उल्लंघन किया, जिसके जवाब में ईरान ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत कार्रवाई की।

**ट्रंप पर क्या बोले फतहाली?**

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान संबंधी सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाले प्रस्ताव पर फतहाली ने कहा कि यह अमेरिका का आंतरिक मामला है, लेकिन तनाव कम करने और क्षेत्रीय शांति बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कोई भी कदम सकारात्मक है। इस्राइल-लेबनान संघर्ष पर ईरान के रुख को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि लेबनान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थायी शांति के लिए लेबनान के खिलाफ युद्ध समाप्त होना आवश्यक है। वैश्विक समुदाय के लिए संदेश देते हुए फतहाली ने कहा कि ईरान का इतिहास शांति, सह-अस्तित्व और संवाद का रहा है।

## इबोला के कारण स्पेन में डीआर कांगो का प्री-वर्ल्ड कप मैत्री मैच रद्द, कांगो ने जताई आपत्ति

मैड्रिड, 5 जून (एजेंसियां)। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने स्पेन के अधिकारियों के मैत्री मैच रद्द करने के फैसले की आलोचना की। नौ जून को चिली के खिलाफ होने वाला प्री-वर्ल्ड कप मैत्री मैच अफ्रीकी देश में चल रहे इबोला प्रकोप के कारण रद्द कर दिया गया। यह मैच दक्षिणी स्पेन के ला लिनिया डे ला कॉन्सेप्सियन में खेला जाना था, लेकिन मंगलवार को शहर के मेयर जुआन फ्रैंको ने घोषणा की कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण मैच नहीं होगा। फ्रैंको ने कहा, मैंने नौ जून को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और चिली के बीच होने वाले मैच पर रोक लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

# मानवाधिकार उल्लंघनों के बीच पाक को जीएसपी-प्लस लाभ देने पर सवालों के घेरे में यूरोपीय संघ

वॉशिंगटन । मानवाधिकारों के कथित गंभीर उल्लंघनों के बावजूद पाकिस्तान को व्यापारिक रियायतें जारी रखने को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) की आलोचना तेज हो गई है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और विशेषज्ञों ने आरोप लगाया है कि 2014 से लागू विशेष व्यापारिक व्यवस्था के बावजूद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों पर अपेक्षित प्रगति करने में विफल रहा है। ब्रुसेल्स स्थित मानवाधिकार संगठन सीमाओं के बिना मानवाधिकार (एचआरडब्ल्यूएफ) ने पाकिस्तान को दिए गए जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रेफरेंसेज प्लस (जीएसपी-प्लस) दर्जे को ₹ईयू और पाकिस्तान के बीच खराब सौदा₹ बताया है।

संगठन का कहना है कि जब तक मानवाधिकारों के क्षेत्र में ठोस सुधार नहीं दिखता, तब तक इस सुविधा को निलंबित किया जाना चाहिए। तुर्की मूल की पत्रकार उज़्जे बुलुत ने अमेरिकी मीडिया मंच पीजे मीडिया में प्रकाशित लेख में लिखा है कि 2014 में समझौता लागू होने के बाद से पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों को लागू करने में सार्थक प्रगति दिखाने में नाकाम रहा है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव देश के ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय पर पड़ा है। लेख के अनुसार, पाकिस्तान की आबादी में ईसाइयों की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है, लेकिन उन्हें सामाजिक और संस्थागत स्तर पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। भीड़ हिंसा, ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग, आर्थिक भेदभाव, अपहरण, यौन हिंसा और जबरन धर्मांतरण जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं।

बुलुत ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद ईयू पाकिस्तान को बड़ी आर्थिक राहत प्रदान करता रहा है। पाकिस्तान को जीएसपी-प्लस योजना के तहत यूरोपीय बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक टैरिफ श्रेणियों पर शुल्क-मुक्त या रियायती पहुंच प्राप्त है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति का उल्लेख करते हुए लेख में लाहौर की 14 वर्षीय ईसाई किशोरी निशा बीबी के मामले का भी जिक्र किया गया है। परिवार और कानूनी प्रतिनिधियों के अनुसार, उसका कथित रूप से अपहरण कर जबरन इस्लाम धर्म स्वीकार कराया गया और विवाह कराया गया। पीड़िता के पिता अब्बास मसीह ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी एक मुस्लिम परिवार में घरेलू सहायक के रूप में काम करते समय लापता हो गई थी।

लेख में कहा गया है कि पाकिस्तान में कानूनी, धार्मिक और सांस्कृतिक परिस्थितियां लैंगिक असमानता को बढ़ावा देती हैं, जिसके कारण ईसाई लड़कियां अपहरण, जबरन धर्मांतरण और जबरन विवाह जैसी घटनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील रहती हैं।

बुलुत ने यह भी कहा कि मानवाधिकार, श्रमिक अधिकारों और सुशासन के क्षेत्रों में सुधार के वादों के बावजूद पाकिस्तान अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाया है, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा के मामले में। हालांकि, पाकिस्तान अब भी जीएसपी-प्लस योजना के तहत मिलने वाले व्यापारिक लाभों का बड़ा लाभार्थी बना हुआ है, जिसे लेकर यूरोपीय संघ की नीतियों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

# विकसित भारत की राह में आपदाएं बड़ी चुनौती : प्रो संतोष

नई दिल्ली, 4 जून। देश के जाने-माने आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रो संतोष कुमार ने कहा कि विकसित भारत की राह में आपदाएं सबसे बड़ी चुनौती हैं। पहले 10 साल में आपदा की एक घटना होती थी। अब एक साल में 10 से अधिक घटनाएं घटित हो रही हैं।

प्रो संतोष यहां ओखला स्थित एनबीसीसी सेंटर में आईआईटी धनबाद और आईआईएसएसएम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय 'दुर्घटनाओं की लागत बनाम संरक्षा-सुरक्षा निवेश' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपदाओं पर देश की जीडीपी का 3 प्रतिशत पैसे का नुकसान हो जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पैसे से स्कूल, अस्पताल, सिंचाई के साधन और सड़कें बनाई जा सकती थीं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा में एक रुपये खर्च करने पर आपदा में कम से कम सात रुपये बचते हैं। इसलिए सरकार को आपदा राहत पर नहीं बल्कि आपदा रोकने और नुकसान कम होने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह खर्च नहीं निवेश है। उन्होंने कहा कि आजकल हीटवेव, बादल फटना, भूकंप और जमीन धंसने की घटनाएं आम हो गयी हैं। जंगल कटने से पहाड़ दरकने लगे हैं। इससे जन-जीवन के अस्तित्व पर संकट हो गया है। प्रो संतोष ने कहा कि आपदाओं की सबसे ज्यादा मार समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। जबकि, हमारे संविधान में सभी को सम्मानजनक जीवन जीने का हक दिया गया है।

कार्यशाला में सीआईएल, एमसीसी, एसआईएस, बीसीसीएल, सीसीएल, अडाणी समूह, नैवेली लिग्नाइट, सीएमपीडीआई और आईआईएसएसएम समेत कई संस्थानों के लोग शामिल हैं। कार्यशाला को आईआईटी धनबाद के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्र, डीजीएमएस के उप महानिदेशक अजय सिंह, पूर्व निदेशक दिलीप सक्सेना और पार्थ सूर्यध्वज ने भी संबोधित किया। समन्वय और संचालन आईआईटी, धनबाद के प्रो सतीश कुमार सिन्हा ने किया।

## भारतीय मूल की वर्षा गोहिल ने 23 साल चली तलाक की कानूनी लड़ाई जीती, मिलेंगे 85 करोड़ रुपए

लंदन, 5 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतीय मूल की वर्षा गोहिल के अपने पूर्व पति के साथ 23 साल तक चले तलाक के मामले का आखिरकार निपटारा हो गया है। इसे ब्रिटेन के कानूनी इतिहास में सबसे लंबे चले कोर्ट केस में एक माना जा रहा है। कोर्ट ने भद्रेश गोहिल को वर्षा को 6.6 मिलियन पाउंड (करीब 84.77 करोड़ रुपए) देने का आदेश दिया है। इस केस में खासतौर से 28 मिलियन पाउंड की छिपाई गई संपत्ति की वजह से सालों तक मामला खिंचा। इस विवाद की शुरुआत साल 2002 में हुई थी, जब वर्षा ने अपने पति भद्रेश गोहिल से तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी दी। उन्होंने भद्रेश पर बेवफाई और गलत व्यवहार का आरोप लगाया था। उस समय उन्होंने भद्रेश से 270,000 पाउंड का फाइनेंशियल सेटलमेंट और परिवार की कार लेना स्वीकार किया था। ब्रिटिश कानून के तहत, फाइनेंशियल सेटलमेंट तय करते समय दोनों पक्षों को अपनी संपत्ति और आय का पूरा ब्योरा देना होता है। वर्षा को लगा कि भद्रेश ने तलाक की कार्यवाही के दौरान अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया है।

# 10 न्यूक्लियर बम बनाने लायक यूरेनियम? ईरान के परमाणु ठिकानों तक नहीं पहुंच पा रही यूएन एजेंसी, जताई गंभीर चिंता

वियना, 5 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सदस्य देशों के बीच प्रसारित एक गोपनीय रिपोर्ट में एजेंसी ने कहा है कि पिछले जून में हुए युद्ध से प्रभावित ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने में उसे अब तक सफलता नहीं मिली है।

**एजेंसी के पास किसकी जानकारी नहीं है?**

आईएईए के अनुसार, वह यह जानकारी देने की स्थिति में नहीं है कि ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम का वर्तमान भंडार कितना है, उसकी संरचना क्या है और उसे कहां रखा गया है। एजेंसी यह भी पुष्टि नहीं कर पा रही है कि ईरान ने यूरेनियम संवर्धन से जुड़ी सभी गतिविधियां रोकी हैं या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत सुरक्षा निगरानी संबंधी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में एजेंसी फिलहाल सक्षम नहीं है। आईएईए ने जोर देकर कहा कि ईरान के लिए अपनी संधि संबंधी जिम्मेदारियों को तत्काल और पूरी तरह लागू करना अनिवार्य और अत्यावश्यक है।

**एजेंसी ने केवल ईरान के बुशेहर क्षेत्र का दौरा किया**

फरवरी में जारी पिछली रिपोर्ट के बाद से आईएईए निरीक्षकों ने ईरान में केवल बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का ही दौरा किया है। यह निरीक्षण 1 से 3 जून के बीच किया गया था। बुशेहर में संचालित रिएक्टर रूस से प्राप्त 4.5 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम का उपयोग करता है, जो बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक निम्न स्तर का संवर्धन माना जाता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। बुधवार को ईरानी ड्रोन हमलों में कुवैत के मुख्य हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है।

इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हुए। घटना के बाद हवाई अड्डे का संचालन कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच जारी जवाबी कार्रवाइयों की श्रृंखला का हिस्सा माना जा रहा है, जिसने पहले से नाजुक संघर्षविराम पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास वर्तमान में 60 प्रतिशत तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम का भंडार है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्तर हथियार-ग्रेड 90 प्रतिशत संवर्धन से तकनीकी रूप से बहुत दूर नहीं है। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में चेतावनी दी थी कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को हथियारों में बदलने का निर्णय लेता है तो यह भंडार सैद्धांतिक रूप से लगभग 10 परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त हो सकता है।

# अर्जुन के सारथी थे कृष्ण, तो रावण से युद्ध के समय राम के रथ की किसने संभाली कमान?

रामायण और महाभारत, भारतीय संस्कृति के दो ऐसे महाकाव्य हैं जिनमें कई रोचक किस्से मिलते हैं। महाभारत में जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के सारथी बने तो वहीं रामायण में भी भगवान श्रीराम को युद्ध के दौरान एक दिव्य सारथी का साथ मिला था। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर रावण के साथ अंतिम युद्ध के समय भगवान राम के रथ की कमान किसने संभाली थी?

रामायण और महाभारत में युद्ध की ऐसी कई कहानियां हैं जो हमें अचंभित कर देती हैं। महाभारत के महायुद्ध से तो हम सब वाकिफ हैं, जहां कुरुक्षेत्र के मैदान में धर्म की स्थापना के लिए भगवान श्रीकृष्ण स्वयं अर्जुन के सारथी बने थे और उन्हें गीता का ज्ञान दिया था। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब त्रेतायुग में भगवान श्रीराम का लंकापति रावण से अंतिम और भीषण युद्ध हो रहा था, तब उनके रथ की कमान किसने संभाली थी? वाल्मीकि रामायण के अनुसार, उस समय देवराज इंद्र के सारथी मातलि श्रीराम के सारथी बने थे।

**देवराज इंद्र के सारथी मातलि बने थे श्रीराम के सारथी**

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, लंका युद्ध के आखिरी चरण में जब रावण अपने भव्य और शक्तिशाली रथ पर सवार होकर युद्धभूमि में पहुंचा, तब भगवान श्रीराम पैदल ही उसका सामना कर रहे थे। देवताओं ने यह सब देखा तो उन्हें चिंता हुई कि रथ पर सवार रावण के सामने श्रीराम को समान अवसर मिलना चाहिए। तब देवराज इंद्र ने अपना दिव्य रथ भगवान राम की सहायता के लिए भेजा। इस रथ के साथ उन्होंने अपने सारथी मातलि को भी भेजा, जो स्वर्गलोक में इंद्र के रथ का संचालन करते थे। जिसके बाद मातलि ने रामायण के पूरे युद्ध के दौरान रथ का संचालन किया था।

**कौन थे मातलि?**

मातलि को देवताओं के बीच एक कुशल और बुद्धिमान सारथी माना जाता है। वे देवराज इंद्र के सबसे भरोसेमंद सेवकों में गिने जाते थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, उन्हें युद्धनीति, रथ संचालन और युद्धभूमि की परिस्थितियों की गहरी समझ थी। इसी कारण इंद्र ने उन्हें श्रीराम की सहायता के लिए चुना।

**अंतिम युद्ध में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका**

रावण और श्रीराम के बीच हुआ अंतिम युद्ध बहुत भीषण था। दोनों ओर से दिव्य अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग किया जा रहा था। ऐसे कठिन समय में मातलि ने श्रीराम के रथ को कुशलता से संचालित किया और युद्ध की दिशा को समझते हुए उन्हें सही अवसर प्रदान किए। रामायण में वर्णन मिलता है कि जब युद्ध लंबा खिंचने लगा, तब मातलि ने भगवान राम को रावण के विनाश के लिए निर्णायक अस्त्र प्रयोग करने की सलाह भी दी। इसके बाद श्रीराम ने ब्रह्मास्त्र के प्रभाव से रावण का अंत कर दिया और धर्म की विजय हुई।

भगवान कृष्ण और मातलि में क्या अंतर था? महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण स्वयं अर्जुन के सारथी बने थे और उन्होंने केवल रथ ही नहीं चलाया, बल्कि अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का दिव्य ज्ञान भी दिया।

वहीं रामायण में मातलि भगवान राम के सारथी बने, जिन्हें देवराज इंद्र ने विशेष रूप से युद्ध में सहायता के लिए भेजा था। ये दोनों बाते बताती है कि धर्म की स्थापना के लिए भगवान सहायता की अलग- अलग रूपों में मिली थी। जहां एक और भगवान श्रीकृष्ण स्वयं सारथी बने, तो दूसरी ओर भगवान राम की सहायता के लिए देवताओं ने अपने श्रेष्ठ सारथी मातलि को भेजा।

# कुंडली में शनि कमजोर है तो शनिवार को पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करें

भारत में पीपल के पेड़ को सिर्फ एक वृक्ष नहीं बल्कि आध्यात्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। खासकर शनिवार के दिन पीपल की पूजा करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन पीपल के पेड़ में कई देवी-देवताओं का वास होता है और इसकी विधि-विधान से पूजा करने पर शनि दोष, राहु-केतु से जुड़ी परेशानियां और जीवन की कई बाधाएं कम हो सकती हैं। आज भी कई लोग हर शनिवार सुबह या शाम पीपल के पेड़ के पास दीपक जलाते हैं, जल अर्पित करते हैं और परिक्रमा लगाते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में इसे ग्रहों की अशुभ स्थिति को शांत करने का एक सरल उपाय माना गया है। माना जाता है कि नियमित रूप से पीपल की पूजा करने से न सिर्फ मानसिक शांति मिलती है बल्कि आर्थिक और पारिवारिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

**ज्योतिष में पीपल के पेड़ का महत्व**

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पीपल का संबंध मुख्य रूप से शनि देव से माना जाता है। कई ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि जिन लोगों की कुंडली में शनि कमजोर स्थिति में हो या शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या चल रही हो, उन्हें शनिवार को पीपल की पूजा जरूर करनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और कई देव शक्तियों का निवास माना जाता है। इसी वजह से इसकी पूजा को पुण्यदायी और शुभ फल देने वाला बताया गया है।

**शनिवार को पीपल की पूजा कैसे करें?**

शनिवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें और पीपल के पेड़ के पास जाएं। सबसे पहले वृक्ष की जड़ में जल अर्पित करें। इसके बाद कच्चा दूध और थोड़े से काले तिल भी चढ़ाए जा सकते हैं। शाम के समय सरसों के तेल का दीपक जलाना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। दीपक जलाने के बाद पीपल के पेड़ की सात या ग्यारह परिक्रमा करें। परिक्रमा करते समय शनि मंत्र या "ॐ शं शनैश्चराय नमः" का जाप करना लाभकारी माना जाता है।

**दीपक जलाने का ज्योतिषीय महत्व**

ज्योतिष के अनुसार सरसों के तेल का दीपक शनि ग्रह को शांत करने में मदद करता है। कहा जाता है कि जो लोग नियमित रूप से शनिवार को पीपल के नीचे दीपक जलाते हैं, उन्हें कार्यों में आने वाली रुकावटों से राहत मिल सकती है। कई लोग अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि लंबे समय से अटके काम, नौकरी में परेशानी या आर्थिक तनाव जैसी स्थितियों में उन्हें धीरे-धीरे सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

**किन लोगों को करनी चाहिए पीपल की पूजा?**

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार निम्न स्थितियों में पीपल की पूजा लाभकारी मानी जाती है शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही हो। बार-बार आर्थिक नुकसान हो रहा हो। नौकरी या कारोबार में बाधाएं आ रही हों। मानसिक तनाव और नकारात्मकता बनी रहती हो। राहु और केतु से जुड़े दोषों का प्रभाव हो। हालांकि किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपनाने से पहले अपनी कुंडली की सही जांच करवाना बेहतर माना जाता है।

**पूजा के दौरान इन बातों का रखें ध्यान**

पीपल की पूजा करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वृक्ष को नुकसान पहुंचाने वाली कोई गतिविधि न करें। पूजा पूरी श्रद्धा और सकारात्मक भावना से करें। शनिवार के दिन पीपल के नीचे दीपक जलाने के बाद वहां सफाई बनाए रखना भी जरूरी माना जाता है। कई धार्मिक मान्यताओं में यह भी कहा गया है कि पीपल के पेड़ की पूजा करते समय मन में किसी के प्रति द्वेष या नकारात्मक भावना नहीं रखनी चाहिए। इससे पूजा का शुभ प्रभाव और बढ़ सकता है।

**क्या मिल सकते हैं ज्योतिषीय लाभ?**

मान्यता है कि नियमित रूप से शनिवार को पीपल की पूजा करने से शनि देव की कृपा प्राप्त हो सकती है।

इससे आत्मविश्वास बढ़ने, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होने और जीवन में स्थिरता आने की संभावना मानी जाती है। साथ ही पारिवारिक सुख, धन संबंधी मामलों और करियर में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हालांकि ज्योतिषीय उपाय आस्था और विश्वास से जुड़े होते हैं। इनके परिणाम व्यक्ति की कुंडली, कर्म और परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं।

# नौकरी में आ रही हैं समस्याएं या काम बनते-बनते बिगड़ जाते हैं

## *तो पीली सरसों का ये उपाय बदल सकता है आपकी किस्मत*

कई बार किसी वजह से हमारे जीवन में टोक लग जाती है और हमारा हर जगह से नुकसान होने लगता है। इसका एक कारण बुरी नजर हो सकता है या किसी नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से भी ऐसा हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब आपके काम बनते-बनते बिगड़ने लगें और आप उनका सही कारण भी पता न कर पाएं तो समझें कि आपके ऊपर कोई नकारात्मक ऊर्जा हावी है। ऐसे में आपको कुछ आसान उपाय आजमाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आपको पीली सरसों से एक उपाय करना चाहिए जिससे कोई भी बुरी शक्ति दूर हो सके और आपके सभी काम बनने लगें। आइए सेलेब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी से जानें पीली सरसों का महाउपाय कैसे करना है और इसके लाभ क्या हो सकते हैं।

**किसे करें पीली सरसों का महाउपाय**

पीली सरसों का महाउपाय करने के लिए आपको सबसे पहले एक मुट्ठी पीली सरसों लेनी है। इसके लिए आप सुबह या शाम के समय शांत मन से बैठें और पीली सरसों को अपने हाथ में लेकर सिर से लेकर पैरों तक आठ बार घुमाएं। पीली सरसों को घुमाते समय मन ही मन अपनी समस्याओं को दूर करने की प्रार्थना करें।

पीली सरसों को आठ बार उतारने के बाद इस सरसों को घर के बाहर किसी स्थान पर या बहते हुए पानी में प्रवाहित कर दें। ध्यान रखें कि सरसों को फेंकने के बाद पीछे मुड़कर न देखें। ऐसा माना जाता है कि इससे व्यक्ति पर मौजूद कोई भी नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है।

आठ बार ही क्यों घुमाई जाती है पीली सरसों?

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार अंक 8 का संबंध कर्म और बाधाओं को समाप्त करने वाली ऊर्जा से होता है। इसी कारण से पीली सरसों को आठ बार सिर के ऊपर से उतारने की प्रथा है। यह प्रक्रिया व्यक्ति के आसपास मौजूद किसी भी नकारात्मक शक्ति को दूर हटाने का प्रतीक मानी जाती है। सरसों में ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो व्यक्ति या उसके आस-पास मौजूद किसी भी बुरी शक्ति को दूर करने में मदद कर सकते हैं। यही नहीं इससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है।

किन लोगों को करना चाहिए पीली सरसों का महाउपाय

ऐसे लोगों को यह उपाय जरूर करना चाहिए जिनके काम बार-बार बनते-बनते बिगड़ जाते हों।

अगर आपकी नौकरी में लगातार समस्याएं आ रही हों, तो यह उपाय जरूर करें।

अगर आपको बार-बार नौकरी के लिए इंटरव्यू में सफलता न मिल रही हो, तो आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए।

व्यापार में अचानक नुकसान होने लगा हो तब भी आपको पीली सरसों का महाउपाय आजमाना चाहिए।

# मितव्ययी धन का मूल्य देखता है तो कंजूस कीमत देखता है

मितव्ययी और कंजूस होने में फर्क है। यह वही अंतर है, जो एक समझदार और एक कृपण में होता है। मितव्ययी धन के पीछे के मूल्य को देखता है, कंजूस धन में केवल कीमत देखता है। मितव्ययी समझदारी से खर्च करता है, कंजूस सुअवसरों पर भी खर्च नहीं करता। अब एक कठिन समय सारी दुनिया देखेगी तो हमारा देश भी देखेगा। इस समय देशवासियों को मितव्ययी होना है, कंजूस नहीं बनना है। और मितव्ययी होने के कई स्वरूप हैं। जैसे, नॉइज़ बैरियर- यानी शोर से बचें-बचाएं। ग्रीन कॉरिडोर- पर्यावरण की रक्षा करें। ईवी का उपयोग करें ताकि बिजली की खपत कम हो। हमें कई स्तरों पर काम करना पड़ेगा।

अब मामला केवल धन से नहीं जुड़ा, जीवनशैली से जुड़ गया है। इस समय हर मनुष्य के दिमाग में कई विचार आ रहे होंगे। अब क्या होगा? कैसे निपटारा करेंगे? और हर विचार में तरंगें होती हैं। तो जैसे ही विचार अंदर आता है, तरंगें अपना काम करने लगती हैं। फिर ये तरंगें हमको कम्पित करती हैं। ये ही अशांति का कारण बन जाता है।

# कहीं आप भी तो नहीं करतीं मनी प्लांट से जुड़ी ये 3 गलतियां?

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को सिर्फ एक सजावटी पौधा नहीं माना जाता है बल्कि यह आपके घर की सुख-समृद्धि और धन को भी आकर्षित करने वाला पौधा माना होता है। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घर या ऑफिस में मनी प्लांट जरूर लगाते हैं। ऐसी मान्यता है कि सही दिशा और सही तरीके से लगाया गया मनी प्लांट घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखता है, लेकिन कई बार लोग अनजाने में मनी प्लांट से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो धन लाभ की जगह आर्थिक हानि और नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकती हैं। ऐसे ही वास्तु के अनुसार, यदि मनी प्लांट को गलत दिशा में रखा जाए या गलत तरीके से उगाया जाए, तो इसका असर घर की समृद्धि पर पड़ सकता है। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश जानते हैं मनी प्लांट से जुड़ी ऐसी 3 बड़ी गलतियों के बारे में, जिन्हें आपको तुरंत बदलना चाहिए।

**दक्षिण दिशा में मनी प्लांट रखना**

बहुत से लोग घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए मनी प्लांट को किसी भी दिशा में रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। खासतौर पर आपको मनी प्लांट को दक्षिण दिशा में रखने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा को अग्नि तत्व से जुड़ी माना जाता है और यह समृद्धि की ऊर्जा को कमजोर कर सकती है। यदि आप मनी प्लांट को दक्षिण दिशा में रखती हैं, तो घर में आर्थिक अस्थिरता, फिजूलखर्ची और धन हानि जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। वास्तु के अनुसार, मनी प्लांट को हमेशा पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इन दिशाओं में रखा गया मनी प्लांट घर में सकारात्मक ऊर्जा और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में सहायक होता है।

**धातु के गमले में मनी प्लांट लगाना**

आजकल लोग घर की सजावट के लिए मनी प्लांट लगाने के लिए मेटल पॉट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को धातु के गमले में लगाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि धातु के गमले पृथ्वी तत्व की ऊर्जा को बाधित करते हैं, जिससे धन और समृद्धि की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। यदि आप मनी प्लांट लगाना चाहती हैं, तो इसके लिए मिट्टी का गमला या कांच के पात्र का इस्तेमाल करना बेहतर होता है। मिट्टी के गमले में लगाया गया मनी प्लांट ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान देता है और घर में समृद्धि लाने में मदद करता है।

**पानी में मनी प्लांट उगाना**

कई लोग मनी प्लांट को पानी से भरी बोतल या ग्लास में उगाते हैं, इससे पौधा भी तेजी से बढ़ता है, लेकिन यदि वास्तु शास्त्र की मानें तो लंबे समय तक रुके हुए या गंदे पानी में मनी प्लांट रखना आर्थिक रुकावटों का कारण बन सकता है। ऐसी मान्यता है कि ठहरा हुआ पानी घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकता है और धन के प्रवाह को रोक सकता है। यदि आप पानी में मनी प्लांट लगा रही हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि पानी को रोज बदलते रहें। वैसे पानी में रखने के बजाय इसे मिट्टी में लगाना ज्यादा शुभ माना जाता है।

**मनी प्लांट से जुड़े वास्तु नियम**

मनी प्लांट की बेल को हमेशा ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। नीचे लटकती बेल घर की आर्थिक प्रगति में रुकावट का संकेत देती है।

अगर मनी प्लांट की पत्तियां सूख रही हैं, तो पौधे की सूखी या पीली पत्तियों को तुरंत हटा दें, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का संकेत है।

# क्या खुली बालकनी में मंदिर रखना सही है?

अक्सर घरों में जगह की कमी के कारण हम पूजा घर या मंदिर को बालकनी में स्थापित कर देते हैं, लेकिन क्या यह फैसला आध्यात्मिक और वास्तु रूप से सही है? भगवान, जिनकी कृपा से हमें यह जीवन और घर मिला है, उन्हें घर के बाहर रखना सोचने वाला विषय है। ऐसे में लोगों के मन में यही सवाल उठता है कि क्या मंदिर को बालकनी में रखा जा सकता है या नहीं। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि बालकनी में बालकनी में रखा कितना सही है और कितना गलत?

**खुली बालकनी में मंदिर रखना सही है?**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर घर की सबसे पवित्र जगह मानी जाती है। ऐसे में मंदिर को ब्रह्म स्थान के करीब होना चाहिए। जिस प्रभु ने हमें छत और सुख-सुविधाएं दी हैं, उन्हें घर की चारदीवारी से बाहर बालकनी में रखना एक तरह से उनका अनादर माना जाता है। मंदिर घर के अंदर होने से परिवार के सदस्यों का जुड़ाव और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर रहता है। बता दें कि खुली बालकनी में धूल, मिट्टी, पक्षियों की गंदगी और प्रदूषण का सीधा असर प्रभु की मूर्तियों पर पड़ता है। ऐसे में पूजा स्थल की पवित्रता को बनाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है।

**मंदिर को कहां रखना है ज्यादा सही?**

अगर आपके पास अलग से पूजा घर के लिए कमरा नहीं है, तो भी घर के अंदर खास जगहों पर मंदिर स्थापित कर सकती हैं।

ऐसे में आप वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का उत्तर-पूर्व कोने में रख सकते हैं ये बेहद शुभ होता है। यहां सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

जमीन पर जगह न हो, तो आप लकड़ी या संगमरमर का एक छोटा मंदिर दीवार पर टांग सकते हैं। यह दिखने में सुंदर लगता है।

यदि ईशान कोण में जगह न मिले, तो उत्तर या पूर्व दिशा की दीवार का चुनाव करें। बस यह ध्यान रखें कि मंदिर के ऊपर या नीचे शौचालय न हो और न ही यह बेडरूम की दीवार से सटा हो।

**बालकनी में मंदिर रखने का तरीका?**

मंदिर के चारों ओर कांच की फिटिंग करवाएं या लकड़ी के दरवाजे लगवाएं। इससे मूर्तियां धूल और बारिश से सुरक्षित रहेंगी। साथ ही, शाम के समय मंदिर पर पर्दा जरूर डालें। बालकनी को नियमित रूप से धोएं। वहां जूते-चप्पल न रखें। मंदिर के पास तुलसी का पौधा और ताजे फूल रखें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 6 जून - 2026

# कब सबक लेगा सिस्टम ?

हमारा प्रशासनिक और संस्थागत तंत्र शायद गलतियों से कोई सबक नहीं लेना चाहता। दो दिनों में दो बड़ी घटनाएं इस प्रश्न का उत्तर है कतापि 'नहीं'। दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में लगी आग के बाद सामने आई सुरक्षा संबंधी गंभीर लापरवाहियों पर चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि बिहार के मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, लगभग 25 लोग प्रभावित हुए हैं। सभी मृतक आईसीयू में भर्ती थे और अपनी जान बचाने के लिए पूरी तरह अस्पताल व्यवस्था पर निर्भर थे। ऐसे मरीजों का आग में जलकर मर जाना केवल दुर्घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है। अस्पताल में लोग जान बचाने की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। लेकिन जब मौत का कारण बीमारी नहीं बल्कि लापरवाही बन जाए तो मामला कितना गंभीर हो जाता है, इसे सोचने की भला किसे फिक्र है। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद उन्हें सही और समय पर जानकारी नहीं दी गई। यदि अस्पताल प्रशासन ने बेहतर आपदा प्रबंधन और सूचना व्यवस्था अपनाई होती तो इस अव्यवस्था से बचा जा सकता था। यह पहली बार नहीं है जब किसी अस्पताल में आग लगने से लोगों की जान गई हो। इसी वर्ष मार्च में ओडिशा के एक सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से 12 लोगों की मौत हुई थी। उस समय भी अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और प्रशासनिक जवाबदेही पर देशभर में चर्चा हुई थी। जांच के आदेश दिए गए और सुधार के वादे भी हुए। लेकिन कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया और व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगी। यही कारण है कि ऐसे हादसे बार-बार दोहराए जा रहे हैं लेकिन जिम्मेदारी किसी की तय नहीं होती। आईसीयू और एनआईसीयू अस्पतालों के सबसे संवेदनशील विभाग होते हैं। यहां वेंटिलेटर, मॉनिटर, इन्फ्यूजन पंप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चौबीसों घंटे चलते रहते हैं। ऐसे स्थानों पर सुरक्षा मानकों का पालन किसी औपचारिकता का विषय नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु का प्रश्न होता है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शॉर्ट सर्किट के कारण पहले एक मॉनिटर में आग लगी और फिर वह तेजी से फैल गई। यदि यह तथ्य सही साबित होता है, तो स्पष्ट है कि रखरखाव और सुरक्षा निरीक्षण में गंभीर चूक हुई। अस्पतालों में छोटी-सी तकनीकी खराबी या मानवीय लापरवाही भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। इन घटनाओं का असर केवल प्रभावित परिवारों तक सीमित नहीं रहता। भारत आज दुनिया में सस्ते और बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने वाले देशों में गिना जाता है। यही वजह है कि मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष देश का मेडिकल टूरिज्म उद्योग लगभग 8.7 अरब डॉलर का था और वर्ष 2030 तक इसके लगभग दोगुना होकर 16.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन यदि अस्पतालों में सुरक्षा को लेकर ऐसी घटनाएं सामने आती रहीं, तो इससे भारत की छवि और इस क्षेत्र की संभावनाओं को गहरा नुकसान पहुंच सकता है। मुजफ्फरपुर की घटना एक बार फिर चेतावनी है कि केवल जांच और बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। अस्पतालों में नियमित सुरक्षा ऑडिट, अग्निशमन प्रणाली की जांच, विद्युत उपकरणों का रखरखाव और आपदा प्रबंधन की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही, सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी जरूरी है।

# क्या मेरा जीवन इतना सस्ता है ?

आरके जैन

स्वास्थ्य व्यवस्था की असली परीक्षा अस्पतालों की इमारतों से नहीं, मरीज को समय पर मिलने वाले उपचार से होती है। दुर्भाग्य से, देश की चिकित्सा व्यवस्था के सर्वोच्च प्रतीकों में गिने जाने वाले एम्स भी अब लंबी प्रतीक्षा की समस्या से जूझ रहे हैं। एम्स भोपाल में गैर-इमरजेंसी (रूटीन) केस में कई मरीजों को सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जरूरी जांच के लिए तीन-चार माह इंतजार करना पड़े, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का संकेत है। बीमारी न प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करती है, न सरकारी गति का; वह हर दिन गंभीर होती जाती है। ऐसे में 120 दिन बाद जांच की तारीख मिलना एक चिंताजनक प्रश्न खड़ा करता है- इसका बोझ आखिर कौन उठाएगा, मरीज, उसका परिवार या उसका जीवन?

एम्स भोपाल की लंबी वेटिंग लिस्ट अब केवल एक अस्पताल की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पुरानी चुनौती का प्रतीक बन गई है। कम खर्च में बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों के लिए सस्ता इलाज भी तब बेमानी हो जाता है, जब जरूरी जांच ही महीनों बाद उपलब्ध हो। पेट के असहनीय दर्द, कैंसर की आशंका, मस्तिष्क रोग या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज यदि केवल व्यवस्थागत कमी के कारण चार माह प्रतीक्षा करने को विवश हों, तो यह स्वास्थ्य सेवा नहीं, संवेदनहीनता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बीमारी किसी वेटिंग लिस्ट का इंतजार नहीं करती; वह लगातार बढ़ती जाती है और कई बार उपचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है। विडंबना यह है कि इस व्यवस्था का सबसे बड़ा बोझ उसी वर्ग पर पड़ रहा है, जिसके नाम पर राजनीति सबसे अधिक होती है। आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति निजी अस्पताल में कुछ घंटों या दिनों में जांच करा लेता है, लेकिन मजदूर, किसान, छोटा व्यापारी और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह विकल्प अक्सर पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में उसके सामने दो ही रास्ते बचते हैं—कर्ज लेकर निजी जांच कराए या दर्द और आशंका के बीच सरकारी अस्पताल की लंबी प्रतीक्षा सहे। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी दर्पण है। स्वास्थ्य सुविधाएं आय से नहीं, आवश्यकता से तय होनी चाहिए, किंतु मौजूदा व्यवस्था में पैसे वालों को समय मिलता है और अभावग्रस्तों को इंतजार।

लंबी वेटिंग लिस्ट वर्षों से बढ़ती मांग और अपर्याप्त संसाधन विस्तार की कीमत है। मरीजों का बोझ बढ़ता रहा, लेकिन डॉक्टरों, विशेषज्ञों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या लगभग वहीं ठहरी रही। कई सुपर-स्पेशियलिटी विभाग सीमित मानव संसाधनों पर निर्भर हैं, जबकि रेडियो डायग्नोसिस जैसे अहम विभाग पर्याप्त स्टाफ के अभाव में अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे।

परिणाम सामने है-संसाधन मौजूद हैं, पर सेवाएं नहीं; मशीनें हैं, पर समय पर जांच नहीं। प्रश्न यह है कि जब बढ़ती जरूरतें वर्षों से दिखाई दे रही थीं, तब उनकी तैयारी क्यों नहीं की गई? आखिर किस स्तर की चूक ने देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों को भी प्रतीक्षा के संकट में धकेल दिया? जब राजनीति का केंद्र तात्कालिक लोकप्रियता बन जाए, तब अस्पतालों की जरूरतें अक्सर हाशिये पर चली जाती हैं। यही कारण है कि मुफ्त योजनाओं और लोकलुभावन घोषणाओं पर अरबों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन डॉक्टरों की भर्ती, नई मशीनों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए संसाधनों का अभाव बताया जाता है।

# क्या सिस्टम को तीर्थनगरी में भी त्रासदी का इंतजार है?

सुरेश गांधी

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी आग में 21 लोगों की मौत ने देश को झकझोर दिया है। लेकिन यह केवल एक होटल में लगी आग की कहानी नहीं है। यह उस व्यवस्था का आईना है जिसमें नियम बनाए जाते हैं, फाइलों में दर्ज होते हैं, निरीक्षण भी होते हैं, लेकिन जमीन पर सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। जांच में सामने आया कि जिस प्रतिष्ठान को छह कमरों के लिए अनुमति मिली थी, वहां 25 कमरे संचालित हो रहे थे। फायर एनओसी नहीं थी, आपातकालीन निकास नहीं था और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा था। सवाल यह है कि यह सब एक दिन में नहीं हुआ होगा। फिर जिम्मेदार एजेंसियों को यह सब दिखाई क्यों नहीं दिया? यह प्रश्न केवल दिल्ली का नहीं है। यह प्रश्न वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन और हरिद्वार जैसे उन धार्मिक नगरों का भी है जहां हर दिन लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। जहां होटल, धर्मशालाएं, होम-स्टे और पेइंग गेस्ट हाउस तेजी से बढ़ रहे हैं। जहां पर्यटन विकास की दौड़ तो तेज है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था उसी अनुपात में मजबूत हुई है या नहीं, इसका उत्तर किसी के पास नहीं है। बता दें, दिल्ली में 21 मौतें और बिहार के मुजफ्फरपुर में पांच लोगों की मौत कोई अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं। ये उस व्यवस्था की एक जैसी तस्वीरें हैं जहां विकास, कारोबार और मुनाफे की दौड़ में सुरक्षा अक्सर सबसे पीछे छूट जाती है। देश के महानगरों से लेकर तीर्थनगरियों तक, हजारों होटल, गेस्ट हाउस और पेइंग गेस्ट हाउस ऐसे इलाकों में संचालित हो रहे हैं जहां आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य बेहद कठिन हो सकता है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन हादसे के बाद कार्रवाई करेगा या फिर किसी वाराणसी, अयोध्या या प्रयागराज से ऐसी ही दुखद खबर आने का इंतजार करेगा?

**विकास की चमक के पीछे छिपा खतरा**

पिछले कुछ वर्षों में देश के धार्मिक पर्यटन का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर, प्रयागराज महाकुंभ और मथुरा-वृंदावन के विस्तार ने करोड़ों श्रद्धालुओं को आकर्षित किया है। यह बदलाव आर्थिक दृष्टि से स्वागतयोग्य है। स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है, होटल उद्योग बढ़ा है, व्यापार में तेजी आई है। लेकिन इसी विकास ने एक नया संकट भी पैदा किया है। कम समय में अधिक से अधिक पर्यटकों को ठहराने की होड़ ने अनेक शहरों में आवासीय भवनों को व्यावसायिक उपयोग में बदल दिया। पुराने मकान गेस्ट हाउस बन गए, घर होम-स्टे बन गए और पेइंग गेस्ट हाउसों की संख्या तेजी से बढ़ गई। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि मांग बढ़ रही थी। लेकिन क्या इसके साथ सुरक्षा मानकों की भी उतनी ही गंभीरता से समीक्षा हुई? यही वह प्रश्न है जो दिल्ली की त्रासदी के बाद सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

**काशी की गलियां और सुरक्षा की चुनौती**

वाराणसी की पहचान उसकी प्राचीनता, संस्कृति और गलियों से है। लेकिन यही गलियां किसी बड़े हादसे के समय सबसे बड़ी चुनौती भी बन सकती हैं। गोदौलिया, दशाश्वमेध, चौक, विश्वनाथ गली, सोनारपुरा, शिवाला और अस्सी जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में होटल, धर्मशालाएं और पेइंग गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई भवन दशकों पुराने हैं। अनेक स्थानों पर पहुंच मार्ग इतने संकरे हैं कि दमकल वाहन पहुंचना कठिन हो जाता है। यदि किसी बहुमंजिला भवन में रात के समय आग लग जाए तो बचाव कार्य कितना आसान होगा, इसकी कल्पना ही भयावह है। आज जरूरत यह पूछने की है कि कितने प्रतिष्ठानों का नियमित फायर ऑडिट होता है? कितनों में कार्यशील अग्निशमन यंत्र हैं? कितनों के पास वैकल्पिक निकास मार्ग है? और कितने भवन स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप हैं?

**अयोध्या की नई चुनौती**

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद पर्यटन और तीर्थाटन का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। हजारों नए कमरे तैयार किए गए हैं। नए होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउस खुले हैं। लेकिन विकास की यह रफ्तार अपने साथ नई जिम्मेदारियां भी लेकर आई है। यदि भवन निर्माण, अग्निशमन सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था और आपदा प्रबंधन पर कठोर निगरानी नहीं होगी तो भीड़ और निर्माण का यह दबाव किसी भी दिन संकट का कारण बन सकता है। दिल्ली की घटना ने यही चेतावनी दी है कि केवल भवन बना देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती।

**पेइंग गेस्ट हाउस मॉडल की समीक्षा जरूरी**

कॉमनवेल्थ गेम्स के समय शुरू हुई बेड एंड ब्रेकफास्ट नीति का उद्देश्य अच्छा था। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिला और स्थानीय लोगों को आय का स्रोत मिला। लेकिन जब निगरानी कमजोर होती है तो अच्छी नीतियां भी दुरुपयोग का शिकार हो जाती हैं। आज वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे शहरों में बड़ी संख्या में पेइंग गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं। यह व्यवस्था पर्यटन के लिए उपयोगी है, लेकिन इसकी नियमित जांच और सुरक्षा मूल्यांकन उतना ही आवश्यक है। यदि कोई भवन कागजों में छह कमरों का है और व्यवहार में बीस कमरों का संचालन कर रहा है तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि संभावित खतरे को आमंत्रण देना है।

**दिल्ली ही नहीं, मुंबई भी जला**

दिल्ली के मालवीय नगर में 21 लोगों की मौत के सदमे से देश अभी उबरा भी नहीं था कि मुंबई में भी होटल में लगी आग ने पांच लोगों की जान ले ली। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं बता रही हैं कि होटल, लॉज, गेस्ट हाउस और आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम होती जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अग्निकांडों के अधिकांश मामलों में फायर सेफ्टी, निकास मार्ग और क्षमता से अधिक उपयोग जैसी खामियां सामने आती हैं।

**हर हादसे के बाद वही कहानी**

देश का दुर्भाग्य यह है कि हर बड़े हादसे के बाद हमारी प्रतिक्रिया लगभग एक जैसी होती है। जांच समिति बनती है। एफआईआर दर्ज होती है। कुछ अधिकारियों का निलंबन होता है।

# पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजों के बाद अखिलेश परेशान

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद खास असर उत्तर प्रदेश की राजनीति और खासकर समाजवादी पार्टी पर पड़ा है। पहले उन्होंने राज्य में समाजवादी पार्टी ने चुनावी रणनीति और मैनेंजमेंट करने वाली कंपनी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के साथ अपनी डील रद्द कर दी । यह डील कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सलाह पर ही हुई थी। बंगाल में टीएमसी और ममता की हार के बाद अखिलेश ने आईपीएसी के साथ करार से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं।

अहम बात यह है कि तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिम बंगाल में टीएमसी के चुनावी मैनेंजमेंट का काम कर रही थी। इन दोनों ही राज्यों में दोनों पार्टियों को बुरी हार का सामना करना पड़ रहा है। दिलचस्प बात यह भी है कि दोनों राजनीतिक दलों के सुप्रीमो यानी एमके स्टालिन और ममता बनर्जी तक अपनी ही सीट से चुनाव हार गए हैं। दोनों राज्यों की हार के बीच अखिलेश यादव ने एहतियात बरतने के संकेत दिए हैं और आईपैक से करार खत्म कर लिया है।

दरअसल, आईपैक के सूत्रों ने बताया कि इस साल की शुरुआत में सपा के साथ तय हुआ समझौता अब रद्द हो चुका है। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब पिछले महीने ईडी ने बंगाल कोयला तस्करी मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के तहत आई-पैक के निदेशक विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया था।निदेशक के खिलाफ हुई इस कार्रवाई ने कंपनी के कामकाज पर संदेह पैदा कर दिया है। एक सूत्र ने कहा, "हमारे कार्यालयों पर ईसी की छापेमारी और हमारे निदेशक (विनेश चंदेल) की गिरफ्तारी ने इस समझौते को अधर में लटका दिया है।"ईडी के निशाने पर आने के चलते आईपैक के राजनीतिक क्लाइंट्स की टेंशन भी बढ़ गई और चुनावी अभियान चलाने की फर्म की क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। एक अन्य सूत्र ने व्यापक राजनीतिक संदर्भ की ओर इशारा करते हुए कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भी सपा को पुनर्विचार करने पर मजबूर किया है, जिसके चलते उसने कंपनी के साथ अपने रिश्ते तोड़ दिया।एक अन्य सूत्र ने बताया, "विधानसभा चुनावों में टीएमसी और डीएमके की हार ने सपा को व्याकुल कर दिया था। विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो गई थी, खासकर तब जब ममता बनर्जी अपनी ही सीट से भारी अंतर से हार गईं। यही अंतिम झटका था। कुछ इसी तरह एमके स्टालिन भी तमिलनाडु में टीवीके प्रत्याशी से बुरी तरह हारे थे।"

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आईपैक के क्लाइंस्ट का प्रदर्शन इतना खराब रहा है कि सपा को आईपैक की क्षमता पर शक होने लगा था। सूत्रों के अनुसार, यह कंसलटेंसी कंपनी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दोनों राज्यों में चुनावी रणनीतियों से जुड़ी रही है, जहां चुनावी परिणाम उन पार्टियों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे जिन्हें वह सलाह दे रही थी। ईडी की छापेमारी के बाद के हफ्तों में आईपैक ने चुनावों से कुछ सप्ताह पहले बंगाल में अपने संचालन को काफी हद तक कम कर दिया है।सूत्रों ने बताया कि राज्य में कई कार्यालय या तो अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए थे या उनमें कर्मचारियों की संख्या बहुत कम कर दी गई थी, और गैर-जरूरी प्रचार कार्य रोक दिए गए थे। कम सक्रियता के कारण टीएमसी और आईपैक के बीच दूरियां और बढ़ गईं। आईपैक के कई सूत्रों ने पुष्टि की कि ईडी की छापेमारी के बाद टीएमसी नेताओं के साथ उनके संबंध खराब हो गए। एक सूत्र ने बताया, "नेताओं को हमसे पूरी मदद की उम्मीद थी, खासकर चुनावों से पहले के दिनों में। हालांकि, जमीनी स्तर पर हमारी कम सक्रियता ने उन्हें बेहद नाराज कर दिया।"

बंगाल-तमिलनाडु चुनाव नतीजों और सपा द्वारा कैंसिल की गई डील के घटनाक्रम का कंपनी के संगठन पर भी पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने उत्तर प्रदेश में अपना कार्यालय बंद कर दिया है और लगभग 30-40 नियुक्त लोगों को काम पर न आने के लिए कहा गया है। जिससे सपा चुनाव प्रचार की तैयारियों का काम पूरी तरह रुक जाने का संकेत मिलता है।आईपैक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि कई कारकों ने इस समझौते के टूटने में योगदान दिया। अधिकारी ने कहा, "सपा के साथ समझौता करवाने में ममता बनर्जी ने अहम भूमिका निभाई थी लेकिन उत्तर प्रदेश परियोजना का नेतृत्व करने के लिए चुने जा रहे चंदेल की गिरफ्तारी ने योजना को खतरे में डाल दिया। साथ ही बीजेपी की ओर से भी समझौता रद्द करने का दबाव था।"

इस झटके के बावजूद समाजवादी पार्टी द्वारा पेशेवर चुनाव प्रचार समर्थन को पूरी तरह से छोड़ने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार आईपैक के पूर्व कर्मचारियों के नेतृत्व वाली एक अन्य फर्म 2027 के चुनावों से पहले पार्टी की सहायता करने की उम्मीद है। हालांकि, सपा के भीतर बाहरी सलाहकारों पर निर्भरता को लेकर बढ़ती बेचैनी दिखाई दे रही है।सपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि यह फैसला अपेक्षित था। उन्होंने कहा कि पिछले महीने ईडी द्वारा चंदेल की गिरफ्तारी के बाद आईपैक के साथ समझौता तोड़ना लाजमी था। इससे सपा नेताओं के बीच आईपैक के भविष्य के कार्यों को लेकर अनिश्चितता का माहौल बन गया था।"

पहले से परेशान अखिलेश को अगले साल विधानसभा के चुनाव के पहले राज्य के दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वोट बैंक में अपनी पकड़ बढ़ाने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने नई परेशानी शुरू कर दी है . चंद्रशेखर आजाद ने 4 जून 2026 से प्रदेश भर में यात्रा शुरु करदी हैं। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेताओं ने बताया है कि चंद्रशेखर आजाद इस यात्रा के जरिए राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों को कवर करने वाले हैं। वे इस बार सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर ASP के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ किशोर ने को बताया, "हम पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश) से शुरुआत करेंगे और हमारे नेता पूरे राज्य का दौरा करेंगे।"

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेताओं ने कहा कि पार्टी का चुनाव अभियान दलितों, मुसलमानों और अति पिछड़े वर्ग (ईबीसी) समूहों पर केंद्रित होगा। एएसपी इस बार के विधानसभा चुनाव में कम से कम 100 ईबीसी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की योजना बना रही है।

# उबलता प्रशांत महासागर : भारत में सुपर एल नीनो का बढ़ता खतरा!

अनिकेत सिंह

150 सालों बाद एल नीनो व्यापक स्वरूप ले रहा है। इसी के कारण भारत और अन्य कुछ देशों के मौसम में व्यापक परिवर्तन आया है। एक अनुमान के अनुसार 1877-78 में भयंकर गर्मी पड़ी थी। उस समय एल नीनो प्रभाव के कारण प्रशांत क्षेत्र में हाहाकार मच गया था। वर्तमान में 2026 में जो सुपर एल नीनो आकार लेगा, उसका प्रभाव 2027 तक दिखाई दे सकता है।

मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा कम होने तथा खिंच जाने की संभावना के कारण देश के 51 प्रतिशत कृषि उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है। वर्षा भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। कृषि मंत्रालय के अनुमान के अनुसार 51 प्रतिशत खेती और 40 प्रतिशत कृषि उत्पाद उद्योग वर्षा पर ही निर्भर हैं। देश की 47 प्रतिशत आबादी की आजीविका और रोजगार खेती से जुड़े हुए हैं। यदि वर्षा में कमी हुई तो ग्रामीण क्षेत्रों को नुकसान पहुंचेगा।

एल नीनो के संबंध में हाल ही में चीन के मौसम विभाग और विशेषज्ञों ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि प्रशांत महासागर उबल रहा है। इसकी सतह लगातार गर्म हो रही है और इसके परिणामस्वरूप विशाल एल नीनो बन रहा है, जो धीरे-धीरे भारत की ओर बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार एल नीनो अत्यंत विनाशकारी साबित होगा और दक्षिण एशिया को झकझोर देगा। उसमें भी सबसे अधिक प्रभाव भारत पर पड़ने की आशंका है।

भारत में गर्मी अधिक तीव्र होगी और मानसून लंबा खिंचेगा अथवा कम वर्षा होगी। अनेक क्षेत्रों में सूखा पड़ने की संभावना भी दिखाई दे रही है। भारत अपनी आवश्यकता का 70 प्रतिशत पानी दक्षिण-पश्चिम मानसून से प्राप्त करता है। इस वर्ष इस मानसून के कमजोर पड़ने अथवा अधूरा रहने की संभावना दिखाई दे रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस बार गर्मी जुलाई तक खिंच सकती है। दूसरी ओर जून में थोड़ी-बहुत वर्षा होने के बाद जुलाई के अंत या अगस्त में वर्षा आने जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। खेती और पानी का बड़ा संकट पैदा होने की चेतावनी दी गई है।

विशेषज्ञों ने बताया कि प्रशांत महासागर की सतह का तापमान बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। हर वर्ष इसके तापमान में वृद्धि या कमी होती रहती है। इस बार इसमें व्यापक वृद्धि हुई है। सितंबर तक इसके 2.5 डिग्री तक अधिक गर्म हो जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इन परिस्थितियों में सुपर एल नीनो के भारत पर आक्रमण करने के प्रबल संकेत मिल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भी देश में गर्मी ने हाहाकार मचा रखा है। देश के अनेक क्षेत्रों में तापमान 47 डिग्री तक पहुंच चुका है। इस समय वातावरण लगातार गर्म और शुष्क बना हुआ है तथा हवा का प्रवाह बहुत कम हो गया है। इसके अतिरिक्त आकाश में बादल भी नहीं हैं, जिसके कारण पूरे दिन गर्मी लगातार बढ़ रही है।

इस बार प्री-मानसून जलवायु में भी देरी होने के संकेत हैं और उसी के प्रभावस्वरूप गर्मी में वृद्धि हुई है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का 55 प्रतिशत भाग वर्तमान में हाई हीट रिस्क जोन में स्थित है।

देश के मौसम विभाग के अनुसार, इस बार गर्मी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण मेगा एल नीनो प्रभाव है। 150 वर्षों बाद एल नीनो व्यापक स्वरूप ले रहा है, जिसके कारण भारत और अन्य देशों के मौसम में व्यापक परिवर्तन आया है। एक अनुमान के अनुसार 1877-78 में भयंकर गर्मी पड़ी थी। उस समय एल नीनो प्रभाव के कारण प्रशांत क्षेत्र में भारी तबाही मची थी।

वर्तमान में प्रशांत महासागर का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसकी ऊपरी सतह लगातार गर्म हो रही है। इसके कारण इस बार एल नीनो विकराल रूप धारण कर सकता है। 2026 में जो मेगा एल नीनो अथवा सुपर एल नीनो आकार लेगा, उसका प्रभाव 2027 तक दिखाई दे सकता है।

चिंताजनक बात यह है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा लगातार हो रही वनों की कटाई के कारण अगले वर्ष वैश्विक तापमान में रिकार्ड स्तर की वृद्धि दर्ज होने की संभावना है।

आज से लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले उत्पन्न हुए एल नीनो ने दुनिया के एक बड़े हिस्से में मानो आकाश से आग बरसा दी थी। वर्ष 1877-78 में सुपर एल नीनो आया था। भीषण गर्मी, लू, शुष्क वातावरण और सूखे के कारण उस समय विश्व की लगभग 4 प्रतिशत आबादी की मृत्यु हो गई थी। विशेषज्ञों को चिंता है कि वर्तमान में भी वैसी ही परिस्थितियां बन रही हैं।

सामान्यतः जब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का पानी अत्यधिक गर्म हो जाता है, तब उससे वायु प्रवाह और तापमान स्तर में जो परिवर्तन होता है, उसे एल नीनो प्रभाव कहा जाता है। इससे गर्मी बढ़ती है, मानसून कमजोर पड़ता है और विश्वभर की वर्षा प्रणाली प्रभावित हो जाती है।

विशेष रूप से भारत, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेजन बेसिन में गर्मी और सूखे की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। उल्लेखनीय है कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की कठोर मार शहरों पर पड़ रही है। इसके कारण शहरी क्षेत्रों में गर्मी का स्तर बहुत बढ़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के शहर अब अर्बन हीट आइलैंड बनते जा रहे हैं।

मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर, भोपाल और अहमदाबाद जैसे शहरों में गर्मी लगातार बढ़ रही है।

# आप कतार में हैं

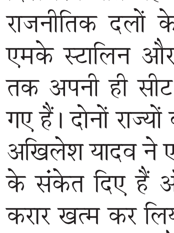

सुरेश कुमार मिश्रा

देखिए भैया, अगर आपको लगता है कि इस नश्वर संसार में संतोष की आखिरी किताब किसी हिमालय की कंदरा में बैठकर लिखी जाती है, तो आप कतई भ्रम में हैं। सब्र का असली लिटमस टेस्ट तो तब होता है, जब एक आम भारतीय नागरिक का इंटरनेट अंगूठा टेक हो जाता है और वह छाती कूटकर कस्टमर केयर को फोन लगाता है। यह दरअसल एकतरफा आशिकी का वह दर्दनाक मजमून है, जिसमें प्रेमी विरह की आग में सुलगता रहता है और प्रेमिका उधर से केवल रिकॉर्डेड घुंघरू बजाकर उसे लॉलीपॉप थमाती रहती है। हमारे मोहल्ले के बनवारी लाल जी का वाई-फाई पिछले तीन दिनों से ऐसा कोमा में गया कि वेंटिलेटर पर पड़ी लाश की तरह हिलने का नाम नहीं ले रहा था। उन्होंने अपनी बची खुची हिम्मत बटोरी, कलेजा पत्थर का किया और कंपनी के टोल फ्री नंबर पर खटका दबा दिया। उधर से एक ऐसी सुरीली मगर प्लास्टिक की आवाज आई, मानो कोई रोबोट जबरदस्ती रसगुल्ला चबा रहा हो, नमस्ते, हमारे सभी एग्जीक्यूटिव अभी दूसरे देवताओं, मेरा मतलब है ग्राहकों की सेवा में लीन हैं। आपकी कॉल हमारे लिए गंगाजल जैसी पवित्र और महत्वपूर्ण है। बनवारी जी का सीना चौड़ा हो गया, उन्हें लगा कि आज तो साक्षात विधाता ने उनकी महत्ता का सर्टिफिकेट दे दिया है। लेकिन अगले ही पल कान के पर्दे फाड़ता हुआ एक ऐसा फ्यूजन संगीत शुरू हुआ, जो न तो ढंग से मीर की गजल था और न ही रानू मंडल का आलाप। वह उस फटे हुए बांस की बांसुरी जैसी आवाज थी, जिसे सुनकर मदारी का सांप भी अपनी बीन छोड़कर गंगा जी में कूद जाए, पर बेचारा बंधुआ ग्राहक कान में फोन चिपकाए भजन सुनने को मजबूर था। बनवारी लाल जी ने ठंडी सांस खींचकर आसमान की तरफ देखा और बुदबुदाए, अरे भाई, यह संगीत नहीं है, यह तो मिडिल क्लास आदमी की लाचारी का बैकग्राउंड स्कोर है जो पीछे से बज रहा है दस मिनट बीत गए। अचानक घड़ी की सुई के साथ संगीत का गियर बदला और सितार के तार टूटने की आवाज आने लगी।

बनवारी जी के मुरझाए चेहरे पर थोड़ी रौनक लौटी कि अब शायद कोई हाड़ मांस का इंसान अवतरित होगा। पर उनकी उम्मीदों पर पानी फेरते हुए फिर वही मशीनी सुरीली आवाज चहकी, धैर्य का दामन थामे रखें, आप कतार में सातवें नंबर पर हैं। यह सुनते ही बनवारी लाल जी को अपनी एम.ए. की डिग्री पर घोर संदेह होने लगा। उन्हें लगा कि वे किसी टेलीकॉम कंपनी को नहीं, बल्कि मोक्ष का वीआईपी पास पाने के लिए चित्रगुप्त के ऑफिस की लाइन में लगे हैं, जहाँ सातवें नंबर का सीधा मतलब है अगले तीन जन्मों तक की लंबी प्रतीक्षा। पूरे आधे घंटे बीत गए, फोन गर्म होकर रोटी सेंकने वाले तवे जैसा खौल उठा था और बनवारी जी के सीधे कान का नक्शा बदलकर किसी हाथी के सूप जैसा हो गया था। जब उनके सब्र का बांध टूटने ही वाला था, तभी अचानक वह मनहूस संगीत रुका। एक ऐसी कर्कश और भारी आवाज गूंजी, मानो यमराज का भैंसा अचानक खांसने लगा हो, हेलो, मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ? बनवारी जी की आँखों में गंगा जमुना बह निकलीं, मानो भागीरथ को गंगा मिल गई हों। उन्होंने अपनी पूरी रामकथा एक ही सांस में सुना डाली, अरे बेटा, नेट की नब्ज डूब चुकी है, पोते का ऑनलाइन स्कूल छूटा जा रहा है और घर में महाभारत छिड़ी है, कुछ करो।

उधर से एक ठंडा, ठंडा सा पैरानॉर्मल जवाब आया, अत्यंत खेद है सर, आपका तीर गलत निशाने पर लगा है, यह शिकायत विभाग नहीं है। मैं आपकी कॉल परम ज्ञानी टेक्निकल टीम को ट्रांसफर कर रहा हूँ, कृपया गंगा किनारे बने रहें।

# केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

## सीएमआरएल की याचिका खारिज; ईडी की जांच जारी रहेगी

कोच्चि, 5 जून (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बड़ी राहत देते हुए कंपनी की जांच रद्द करने की मांग खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले के बाद ईडी अब मामले में अपनी जांच आगे बढ़ा सकेगी।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब ईडी निदेशक राहुल नवीन कोच्चि पहुंचे हैं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करने वाले हैं। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी. और न्यायमूर्ति केवी जयकुमार की खंडपीठ ने शुक्रवार को सीएमआरएल की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें कंपनी ने एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने पहले ही ईडी जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कंपनी की उस दलील को भी स्वीकार नहीं किया जिसमें कहा गया था कि ईडी को जांच शुरू करने के लिए पहले किसी अनुसूचित अपराध का पंजीकरण आवश्यक है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि आपराधिक अभियोजन के लिए अनुसूचित अपराध का पंजीकरण जरूरी हो सकता है, लेकिन संपत्ति कुर्क करने या धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच संबंधी अधिकारों के इस्तेमाल के लिए यह अनिवार्य शर्त नहीं है। कोर्ट ने ईडी द्वारा दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) को भी रद्द करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि ईसीआईआर कोई वैधानिक दस्तावेज नहीं है और इसकी अनुपस्थिति भी ईडी को नागरिक कार्रवाई शुरू करने से नहीं रोकती। सीएमआरएल पर वित्तीय अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और धन शोधन के आरोपों की जांच चल रही है। यह मामला राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील बन गया है, क्योंकि आरोप हैं कि कंपनी ने पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा थैक्कंडियिल से जुड़ी आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को अवैध भुगतान किए थे। इस मामले की जांच गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) भी कर रहा है। इससे पहले सीएमआरएल और उसके चार अधिकारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर ईडी की कार्यवाही समाप्त करने की मांग की थी। हालांकि एकल पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि एजेंसी द्वारा समन जारी किए जाने के तुरंत बाद दायर की गई चुनौती समय से पहले की गई है।

एकल पीठ ने अपने आदेश में एसएफआईओ की शिकायत का भी उल्लेख किया था, जिसमें कंपनी अधिनियम के तहत अपराधों का आरोप लगाया गया है। ये अपराध पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराधों की श्रेणी में आते हैं।इस फैसले के बाद ईडी ने पिनाराई विजयन और उनके परिवार के सदस्यों के आवासों पर भी तलाशी अभियान चलाया था, जिससे मामले का राजनीतिक महत्व और बढ़ गया था। अब हाईकोर्ट के ताजा फैसले और ईडी निदेशक राहुल नवीन की कोच्चि यात्रा के बाद मामले में जांच तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

## गुरदासपुर में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

### डेरा बाबा नानक में दो पिस्तौल और चार मैगजीन के साथ युवक को दबोचा

डेरा बाबा नानक, 5 जून (एजेंसियां)। पुलिस स्टेशन डेरा बाबा नानक और काउंटर इंटेलिजेंस पठानकोट टीम ने संयुक्त अभियान के दौरान दो तुर्की मेड पिस्तौल और चार मैगजीन के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की। इस संबंध में जानकारी देते हुए डेरा बाबा नानक पुलिस स्टेशन के एसएचओ अशोक कुमार ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस पठानकोट टीम की सूचना मिली थी कि कलानौर की ओर से डेरा बाबा नानक आ रहा एक अज्ञात व्यक्ति हथियारों की खेप ला रहा है।

घेराबंदी के दौरान गुजरां कादियान गांव के टी-पॉइंट के पास बारिश से बचने के लिए एक शेड के नीचे खड़े एक व्यक्ति की तलाशी ली गई जिसके हाथ में एक लिफाफा था। तलाशी में तुर्की निर्मित दो 30 बोर पिस्तौल और चार मैगज़ीन बरामद हुईं। एसएचओ अशोक कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान गुर सुखविंदर सिंह उर्फ सबा के रूप में हुई है।

## धधका इलेक्ट्रिक गाड़ियों का शोरूम, कई गाड़ियां जलकर खाक

इंदौर, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्कीम नंबर 136 स्थित एक बहुमंजिला इमारत के बेसमेंट में शुक्रवार सुबह भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। बेसमेंट में ई-व्हीकल शोरूम होने के कारण आग तेजी से फैल गई और कई ई-रिक्शा व अन्य इलेक्ट्रॉनिक वाहन जलकर खाक हो गए। आग से उठे घने धुएं और लपटों के चलते पास की इमारतों में रहने वाले लोग भी प्रभावित हुए। धुएं के कारण दम घुटने की स्थिति बन गई, जिसके चलते फायर ब्रिगेड ने दोनों इमारतों के बीच सीढ़ी लगाकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

ऊपरी मंजिलों पर फंसे छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 14 हजार लीटर पानी की मदद से लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और समय रहते की गई कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

## पत्नी के सुसाइड केस में दोषी पति बरी

### सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिर्फ 13 दिन बात न करना क्रूरता नहीं

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी के सुसाइड केस में दोषी करार व्यक्ति को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर पति कुछ दिन पत्नी से बात न करे तो इसे क्रूरता नहीं माना जाएगा और इस आधार पर पति को दोषी करार नहीं दे सकते हैं। निचली अदालत और मद्रास हाईकोर्ट ने पत्नी के सुसाइड की वजह पति का उससे बात न करना माना था और इसे क्रूरता बताते हुए पति को दोषी करार दिया। जस्टिस जे के महेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंद की बेंच ने व्यक्ति को बरी कर दिया है।

कोर्ट ने कहा कि ठोस प्रमाण के अभाव में सिर्फ पति का तेहर दिन तक पत्नी से बात न करना, बगैर पुख्ता सबूत के किसी भी तरह से इस मामले में तथ्यों के संदर्भ में क्रूरता की श्रेणी में नहीं आ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में ऐसा भी नहीं था कि अपीलकर्ता और मृतक के बीच कोई झगड़ा हुआ हो, जिसकी वजह से निचली अदालत ने उसको दोषी ठहरा दिया। कोर्ट ने कहा कि पति के खिलाफ क्रूरता के आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत ही नहीं हैं और हाईकोर्ट के फैसले में इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

कोर्ट ने कहा कि फैसला सुनाते समय यह देखना जरूरी है कि क्या यह वजह इतनी गंभीर है, जिसने पत्नी को सुसाइड करने के लिए मजबूर कर दिया या उसको कोई चोट आई या यह उसकी मानसिक स्थिति के लिए खतरनाक हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि मामूली झगड़े को आईपीसी की धारा 498ए के तहत आरोप लगाने के लिए क्रूरता नहीं माना जा सकता है। बेंच ने कहा कि यह अदालतों की जिम्मेदारी है कि वह तथ्यों, परिस्थितियों और आरोपी के कृत्यों का विश्लेषण करें और उसके प्रभाव का आकलन करें। निचली अदालत और हाईकोर्ट ने पति के पत्नी से बात न करने को सेक्शन 498ए के तहत क्रूरत माना था और पति को दोषी ठहरा दिया।

## अवैध हथियारों के साथ तस्वीरें मिलने पर दो युवक गिरफ्तार, मैगजीन और कारतूस बरामद

खरखौदा, 5 जून (एजेंसियां)। क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियारों से जुड़े मामले में दो युवकों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के दौरान दोनों युवकों के मोबाइल फोन में अवैध हथियारों के साथ खिंचवाई गई तस्वीरें मिलने के बाद कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार दोनों युवक किसी शिकायत के सिलसिले में चौकी पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान उनके मोबाइल फोन की जांच की गई, जिसमें हथियारों के साथ फोटो मिली। इसके बाद पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो एक युवक ने अपने घर में पिस्तौल की खाली मैगजीन रखे होने की जानकारी दी, जबकि दूसरे युवक ने अपनी दुकान में दो जिंदा कारतूस छिपाकर रखने की बात स्वीकार की।

पुलिस टीम आरोपितों को साथ लेकर संबंधित स्थानों पर पहुंची और एक घर से पिस्तौल की खाली मैगजीन तथा एक मेडिकल स्टोर से दो जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद कारतूसों पर केएफ 32 डब्ल्यूएल अंकित मिला। पुलिस ने दोनों मोबाइल फोन भी कब्जे में लेकर जब्त कर लिए।

## गिरफ्तार आरोपियों को रस्सी बांधकर घुमाने पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त, पुलिस के रवैये पर जताई नाराजगी

कोलकाता, 5 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गिरफ्तार आरोपियों को कमर में रस्सी बांधकर सड़कों पर घुमाने की घटनाओं पर शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस से तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। यह मामला उन घटनाओं के बाद अदालत पहुंचा, जिनमें गिरफ्तार आरोपियों को कमर में रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से ले जाए जाने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इन घटनाओं के खिलाफ एक याचिका कोलकाता हाईकोर्ट में दायर की गई थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता और न्यायमूर्ति स्मिता दास दे की अवकाशकालीन खंडपीठ के समक्ष शुक्रवार दोपहर हुई।

सुनवाई के बाद अदालत ने राज्य पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की। सुनवाई के दौरान पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी व्यक्ति पर चाहे किसी भी तरह का अपराध करने का आरोप क्यों न हो, गिरफ्तारी के बाद उसे इस प्रकार सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार करने और कानून के तहत कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है।

यदि अदालत में अपराध साबित हो जाता है तो कानून में मृत्युदंड तक का प्रावधान है, लेकिन गिरफ्तारी के नाम पर किसी आरोपी को सार्वजनिक रूप से बदनाम करना उचित नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि आरोपियों की कमर में रस्सी बांधने की जरूरत क्यों पड़ी। इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने बताया कि अधिकांश मामलों में आरोपियों को जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन) के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और उन्हें घटनास्थल पर ले जाकर घटनाक्रम को दोबारा प्रदर्शित करने (रीक्रिएट) के लिए ले जाया गया था। सरकार के इस तर्क पर अदालत ने सवाल उठाया कि क्या ऐसी स्थिति थी जिसमें आरोपियों के पुलिस हिरासत से फरार होने की आशंका थी। खंडपीठ ने कहा कि पुलिस का दायित्व है कि वह आरोपियों के भागने की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियां बरते, लेकिन इसके साथ ही आरोपियों की व्यक्तिगत गरिमा और सम्मान का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

## 13 साल की बच्ची से रेप के बाद 3 भाई-बहनों को कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट, 6 साल बाद मिली मौत की सजा

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भुसावल सत्र न्यायालय ने बोरखेड़ा (रावेर तालुका) में एक नाबालिग लड़की के बलात्कार और हत्या तथा उसके तीन भाई-बहनों की हत्या के मामले में आरोपी महेंद्र बरेला को दोहरी मौत की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। यह घटना 15 अक्टूबर 2020 को घटित हुई थी। आरोपी महेंद्र बरेला जो पीड़ित परिवार का करीबी दोस्त था। उसने माता-पिता की अनुपस्थिति में नाबालिग बच्चों का विश्वास जीता।

उसने सबसे बड़ी पीड़िता (13 वर्ष) का बलात्कार किया और जब उसने विरोध किया तो कुल्हाड़ी से उसकी, उसके दो छोटे भाइयों (8 और 9 वर्ष) और एक 4 वर्षीय बहन की हत्या कर दी। न्यायाधीश एसआर यादव ने इस अपराध को दुर्लभतम अपराध की श्रेणी में रखते हुए बलात्कार और हत्याओं के लिए अलग-अलग मौत की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा कि आज भुसावल कोर्ट ने आरोपी महेंद्र बरेला को डेथ पेनल्टी की सजा सुनाई है।

## अवैध हथियार-ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़, अफगानी नागरिक समेत छह गिरफ्तार पिस्तौल और ड्रग मनी बरामद

चंडीगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से चल रहे अवैध हथियारों, ड्रग्स और हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में चार आरोपियों और दो नाबालिगों को पकड़ा गया है। साथ ही 1.035 किलोग्राम हेरोइन, पांच आधुनिक पिस्तौल, दो कारतूस और ड्रग्स से कमाए गए पांच लाख रुपये बरामद किए गए हैं।

शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी विदेश में बैठे अपने साथियों के साथ मिलकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अवैध हथियार और नशीले पदार्थ मंगवाते थे और विदेश में बैठे अपने आकाओं के कहने पर उन्हें आगे बांटते थे। गिरफ्तार आरोपियों में से एक अफगान नागरिक है। अमृतसर के कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

## कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कल यानि शनिवार (6 जून) को दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है और इसमें जल्द सुनवाई की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने इस मामले पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि याचिका पर तय समय के मुताबिक ही सुनवाई होगी। बता दें कि हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में मांग की गई है कि आंदोलन के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की तय गाइडलाइंस का पालन किया जाए। कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ ये याचिका सेव इंडिया फाउंडेशन नाम के संगठन की ओर से दायर की गई है। बता दें कि कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके अमेरिका से भारत के लिए रवाना हो चुके हैं और वो 6 जून की सुबह दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली के जंतर मंतर पर दीपके बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि इस विरोध प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से अभी तक इजाजत नहीं ली गई है। अमेरिका से अपने देश रवाना होने को लेकर अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत के लिए निकल गया हूं। मैं अपना भविष्य संविधान के हाथों में छोड़ता हूं। जय भीम। अभिजीत दीपके अमेरिका से कौनसी फ्लाइट से दिल्ली आ रहे हैं और कितने बजे दिल्ली में लैंड करेंगे, इसकी जानकारी अभी साफ नहीं है।

## दफ्तर में घुसा और एक्स गर्लफ्रेंड को चाकू से गोद डाला, खुद का भी गला रेता, मोहाली का खौफनाक वीडियो

मोहाली, 5 जून (एजेंसियां)। फेज-11 स्थित एसआरपी यूएस लॉजिस्टिक्स कंपनी में वीरवार शाम हड़कंप मच गया जब एकतरफा प्यार में पागल एक युवक ने अपनी सहकर्मी 29 वर्षीय युवती पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपित ने खुद को भी चाकू मार लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद हत्या का केस दर्ज कर लिया है। मोहाली के फेज-11 स्थित एसआरपी लॉजिस्टिक्स कंपनी में वीरवार शाम करीब सवा छह बजे हुई इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मृतका की पहचान 29 वर्षीय डिंपल के रूप में हुई है, जबकि मामले में नामजद आरोपित हरजिंदर सिंह मूल रूप से पटियाला का रहने वाला बताया जा रहा है। वह और डिंपल एक ही कंपनी में कार्यरत थे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपित डिंपल से एकतरफा प्यार करता था। वीरवार शाम कार्यालय में काम खत्म होने के दौरान आरोपित ने डिंपल को रोककर उससे बात करने की कोशिश की।

## केदारनाथ धाम में वायरल वीडियो पर पुलिस का स्पष्टीकरण, मामले के जांच के आदेश

रुद्रप्रयाग, 5 जून (एजेंसियां)। श्री केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले पर अपना पक्ष स्पष्ट किया है। पुलिस के अनुसार वीडियो में दिखाई दे रहे सुरक्षाकर्मी उस समय भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे, जब कुछ श्रद्धालु निर्धारित प्रवेश मार्ग के बजाय निकासी गेट से मंदिर परिसर में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात कर्मियों द्वारा श्रद्धालुओं को कई बार समझाया गया, लेकिन भीड़ में शामिल कुछ लोग निकासी गेट से आगे बढ़ने पर अड़े रहे। इससे बाहर निकल रहे श्रद्धालुओं का मार्ग बाधित होने लगा और निकासी गेट के दोनों ओर भीड़ बढ़ने की आशंका पैदा हो गई। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की भगदड़ या अप्रिय घटना की संभावना को देखते हुए पुलिस कर्मियों ने सुरक्षा के मद्देनजर भीड़ को पीछे हटाया। हालांकि, घटना के दौरान बनी परिस्थितियों और पुलिस कर्मियों की कार्यशैली की निष्पक्ष जांच के लिए मामला पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी को सौंप दिया गया है। साथ ही संबंधित पुलिस कर्मी को तत्काल प्रभाव से उक्त ड्यूटी प्वाइंट से हटा दिया गया है।

## नशे के सौदागरों पर श्रीनगर पुलिस का बड़ा वार, 4 करोड़ से ज्यादा की कोठी, जमीन और लग्जरी गाड़ियां जब्त

श्रीनगर, 5 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान को आगे बढ़ाते हुए श्रीनगर पुलिस ने ड्रग तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों की 4 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। यह कार्रवाई एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत थाना लाल बाजार और थाना खानयार द्वारा अलग-अलग मामलों में की गई।

पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार, थाना लाल बाजार ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए सिख बाग, लाल बाजार निवासी आदिल अहमद धोबी पुत्र सुनावल्लाह धोबी के स्वामित्व वाले 9 मरला भूमि पर निर्मित दो मंजिला आवासीय मकान को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत कुर्क किया।

यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 05/2026, धारा 8/22, 29 एनडीपीएस एक्ट के संबंध में की गई। इसके अलावा आरोपी से संबंधित स्विफ्ट डिजायर कार (जेके01यू-0980) को भी जब्त किया गया।

# 'छात्रों का भरोसा लौटाना जरूरी'

## नीट-यूजी मामले में दिग्विजय सिंह का पीएम को पत्र, कहा- श्वेत पत्र करें जारी

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है वह पिछले आठ वर्षों में एनटीए की ओर से आयोजित परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक या अनियमितताओं की घटनाओं कार्रवाई करे।

इसके साथ ही दस्तावेजीकरण करते हुए एक श्वेत पत्र जारी करे। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि ऐसे समय में, जब लाखों छात्र भारी दबाव में हैं, तब व्यवस्था में उनका विश्वास मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है, 'मैं आपसे एक बहुत ही जरूरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, जो पिछले कुछ हफ्तों में कई छात्रों ने मुझसे साझा की है। ऐसे समय में जब नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द हो गई है। इससे लाखों छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है।

उनके तनाव का मुख्य कारण यह है कि पिछले प्रश्नपत्रों के लीक होने मामले की जांच कैसे की गई है। इस बारे में स्पष्टता का अभाव है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि फिलहाल प्रश्नपत्र लीक से संबंधित मामलों पर सीबीआई, केंद्र और राज्य सरकारों की अन्य जांच एजेंसियों द्वारा उन पर की जा रही कार्रवाई का कोई समेकित सार्वजनिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सिंह ने बताया कि आधिकारिक जानकारी के अभाव में कई रिपोर्टें और अफवाहें सामने आई हैं जिन्होंने उनकी जगह ले ली है। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए, मुझे बार-बार यह शिकायत मिली है कि हजारीबाग में हुएनीट-यूजी 2024 के पेपर लीक मामले का मुख्य आरोपी संजीव कुमार उर्फ मुखिया कथित तौर पर जमानत पर बाहर है। इसी तरह, सीबीआई ने कथित तौर पर एक क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि 2024 की यूजीसी- नीट परीक्षा में कोई अनियमितता नहीं हुई थी, जिसे राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने उस समय रद्द कर दिया था।'

सिंह ने बताया कि जब दिल्ली की एक अदालत ने सीबीआई से अपनी क्लोजर रिपोर्ट के लिए लिखित स्पष्टीकरण मांगा, तो सीबीआई ने और समय मांगा। सिंह ने कहा कि सीबीआई द्वारा स्पष्टीकरण देने में देरी से भारत के छात्रों के बीच भी नकारात्मक संदेश गया है। उन्होंने आगे कहा,' भारत के छात्रों को न्याय दिलाने के लिए प्रशासन की क्षमता और तत्परता में नए सिरे से विश्वास जगाने के लिए मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत सरकार एक श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें पिछले आठ वर्षों में एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में हुई पेपर लीक और/या अनियमितताओं की घटनाओं की सूची दर्ज हो'

## मणिपुर के कांगपोकपी में हिंसा, महिला समेत 3 की हत्या; दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

इंफाल, 5 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के एक गांव में सशस्त्र हमलावरों ने एक महिला सहित तीन लोग को मार गिराया। यह घटना शुक्रवार की सुबह की है। एक अधिकारी ने बताया कि जिले के सैतु-गाम्फाजोल उपमंडल के लोइबोल खुल्लेन गांव में तड़के करीब 4 बजे हुए हमले के दौरान आग लगने से कम से कम सात घर जलकर खाक हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच कई मिनट तक चली गोलीबारी में तीनों की मौत हो गई, जिसके चलते ग्रामीण पास के वन क्षेत्रों में शरण लेने के लिए भाग गए।

मृतकों की पहचान लेटखोंगम हाओकिप, टिनमेरी हाओकिप और जंगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है। राज्य में कुकी जनजातियों की सर्वोच्च संस्था, कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने इस हमले की निंदा की है। इसके साथ ही दोषियों को पकड़ने के लिए जांच की मांग की है। उसने एक बयान में कहा कि केआईएम निहत्थे नागरिकों के खिलाफ हिंसा के इस बर्बर कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा करता है। निर्दोष व्यक्तियों की जानबूझकर हत्या करना, घरों और आजीविका को नष्ट करना मानवीय गरिमा और मौलिक मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।'

## कैफे में युवक की चाकू मारकर हत्या

इंदौर, 5 जून (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात विदुर नगर के 60 फीट रोड स्थित एक कैफे पर हुई, जहां चार बदमाशों ने पहले युवक के दोस्तों के साथ मारपीट की और फिर मुख्य आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान क्रिश पुत्र मुकेश श्रीवास्तव निवासी विदुर नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में अंकित पाल, अनिकेत पाल, गौरव काला और शिवा उर्फ शिवम पाल को आरोपी बनाया है।

पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच के बाद आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। चारों को हिरासत में ले लिया गया है। इनमें से गौरव पर चार और अंकित पर दो अपराध पहले से दर्ज हैं।

# 'मां बहन' तो आप सबकी है, एक भावुक नोट शेयर कर तृप्ति डिमरी ने की फैंस से अपील

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपनी ब्लैक कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को अपने करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक बताया है। उन्होंने अपनी सह-कलाकारों माधुरी दीक्षित नेने और धारणा दुर्गा के लिए एक भावुक नोट भी साझा किया। साथ ही कहा कहा कि यह एक अभिनेता के रूप में उनके लिए सीखने और नए प्रयोग करने का बेहतरीन अवसर रहा। तृप्ति डिमरी ने फिल्म की शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें सेट के पीछे के पल और माधुरी, धारणा और निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ बिताए गए मजेदार पलों की झलक भी शामिल थी। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक बेहद खास जगह बनाए रखेगी। हर दिन कुछ नया लेकर आता था। ढेर सारी हंसी, अचानक बने खूबसूरत पल और ऐसी यादें, जिन्होंने सेट पर बिताए हर दिन को सचमुच संजोकर रखने लायक बना दिया।

तृप्ति डिमरी ने लिखा कि यह उनके लिए एक शानदार प्रयोग था, जिसने उन्हें एक अभिनेता के रूप में नए अनुभव दिए और नई चीजें खोजने में मदद की।

तृप्ति ने लिखा, "सुरेश त्रिवेणी एक बेहतरीन निर्देशक हैं, जो पूरी स्पष्टता और विज़न के साथ काम को आगे बढ़ाते हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।"

तृप्ति डिमरी ने लिखा, "माधुरी दीक्षित के साथ काम करना बहुत खुशी की बात थी, वे बेहद ग्रेसफुल, गर्मजोशी से भरी और एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।"

लेखक पूजा तोलानी के बारे में उन्होंने कहा कि वे हमेशा उनके साथ रहीं और अभिनय को बेहतर बनाने में मदद की।

अपनी को-स्टार धारणा दुर्गा के बारे में तृप्ति ने लिखा कि ऑनस्क्रीन लड़ाई के बावजूद ऑफस्क्रीन उनके बीच बहुत प्यार और गर्मजोशी थी।

उन्होंने लिखा कि अब 'मां बहन' आखिरकार आप सबकी है। उम्मीद है आप इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हमने इसे बनाते समय किया।"

'मां बहन' को सुरेश त्रिवेणी ने निर्देशित किया है और यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा और रवि किशन अहम भूमिकाओं में हैं। इनके साथ गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी शामिल हैं।

फिल्म की कहानी रेखा नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से ही अपनी जिंदगी संभाल रही होती है, लेकिन अचानक उसकी रसोई में एक लाश मिलने से उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। अपनी दो बेटियों जया (जिम्मेदार बेटी) और सुषमा (बिंदास बेटी) के साथ मिलकर वह इस मुश्किल स्थिति से निकलने की कोशिश करती है और पड़ोसियों से सच्चाई छिपाने के लिए हरसंभव प्रयास करती है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर भूमि पेडनेकर का संदेश

## पृथ्वी सिर्फ़ रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी विरासत है

विश्व पर्यावरण दिवस पर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में वह नदी किनारे बैठकर चेहरा धोती हुई दिख रही है। वहीं तस्वीर में वह एक पेड़ को गले लगाती नजर आ रही हैं। इसके अलावा कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस प्राकृतिक वातावरण के बीच समय बिताती दिखाई दे रही हैं। भूमि ने कैप्शन में लिखा, "मैंने जीवन से यह सीखा है कि धरती हमसे बहुत ज्यादा कुछ नहीं मांगती, बल्कि केवल थोड़ी सी दयालुता और सम्मान चाहती है। नदियां हमारी प्यास बुझाती हैं, लेकिन कभी अपनी तारीफ की उम्मीद नहीं करतीं। जंगल हमें जीवन के लिए जरूरी सांसें देते हैं, लेकिन कभी इसके बदले में पहचान या सम्मान नहीं मांगते। पहाड़ सदियों से मजबूती के साथ खड़े रहते हैं और बिना किसी शिकायत के प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं।" भूमि पेडनेकर ने कहा, "हर सुबह का सूर्योदय हमें एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाता है कि इंसान प्रकृति का हिस्सा है, जबकि अक्सर लोग यह सोचने लगते हैं कि प्रकृति

केवल उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए है। अब यह सोच बदलने की जरूरत है। केवल पर्यावरण के प्रति जागरूक होना ही काफी नहीं है, बल्कि अब वास्तविक कदम उठाने का समय आ गया है।"

अभिनेत्री ने कहा, "लोगों को प्रकृति से लेने की आदत छोड़कर उसे कुछ लौटाने की भी कोशिश करनी चाहिए। सुविधा और स्वार्थ के बजाय जिम्मेदारी और जागरूकता को अपनाएं। अगर हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव भी करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।"

अपने पोस्ट के आखिर में भूमि पेडनेकर ने धरती को मानवता की सबसे बड़ी विरासत बताया। उन्होंने कहा, "पृथ्वी केवल वह जगह नहीं है जहां हम रहते हैं, बल्कि यह हमारा सबसे पुराना घर है। यह हमारी सबसे बड़ी विरासत है।

आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरती को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहिए। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण की रक्षा करें और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली आदतों को कम करें।"

# 'मैं डरकर चुप नहीं रहूँगी': अपने पति और ससुर से मिले कानूनी नोटिस पर सेलिना जेटली का करारा जवाब

सेलिनी जेटली पिछले कुछ महीनों से पति पीटर हाग संग तलाक के साथ-साथ बच्चों की कस्टडी का केस लड़ रही हैं। हाल ही सेलिना को उनके पति और ससुर ने दो कानूनी नोटिस भेजे थे और मानहानि के केस की बात की थी। इस पर अब सेलिना ने रिएक्ट किया है और दोनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सेलिना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखा है, जिसमें कहा है कि वह चुप नहीं बैठेंगी। उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। सेलिना जेटली ने कई इंटरव्यूज और सोशल मीडिया पोस्ट में ससुराल, पति और बच्चों को लेकर काफी बातें बताई थीं। इन्हें लेकर सेलिना को उनके पति और ससुर ने कानूनी नोटिस भेजे थे, और साथ ही सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की।

सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट लिखा है, जिसमें खुलासा किया कि उन्हें दो नए कानूनी नोटिस मिले हैं, एक पति पीटर हाग से और दूसरा ससुर वोल्फगैंग हाग से। इसके साथ ही, उन्होंने सेलिना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की धमकी दी है। अब, सेलिना ने हर आरोप का डटकर जवाब दिया है।

### सेलिना जेटली का पति और ससुर पर पलटवार

सेलिना जेटली ने लिखा, 'मेरे विचार से, ये नोटिस पुलिस शिकायतों, लुकआउट नोटिस, हिंसा के आरोपों, अधिकारियों के सामने पेश किए गए डॉक्यूमेंटल सबूतों और कोर्ट के सामने लंबित मामलों से ध्यान हटाने का एक प्रयास हैं। अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में बात करना और कानून का सहारा लेना मानहानि नहीं है। कई सालों तक, हमारे परिवार से जुड़ी पब्लिसिटी को खुले दिल से अपनाया गया, जिसमें पीटर का मैगजीन कवर पर आना, इंटरव्यूज और हमारे बच्चों और मेरे बारे में लिखे गए आर्टिकल्स शामिल थे, लेकिन अब यह उनके हितों के हिसाब से नहीं है, तो गलत हो गई।'

### 'मुझसे मेरे बच्चों की मां का दर्जा छीनने की कोशिश की जा रही'

सेलिना ने आगे लिखा है, 'इसलिए यह विडंबना ही है कि जब मैंने अपने अनुभवों, कानूनी लड़ाइयों, एक मां के रूप में अपनी चिंताओं और न्याय की खोज के बारे में बोलना शुरू किया, तो मुझे जवाबों की बजाय कानूनी नोटिस मिले। लगातार कोशिशें की जा रही हैं कि मुझसे मेरे बच्चों की मां का दर्जा छीन लिया जाए। मुझे डर है कि मेरे बच्चों को मेरी जानकारी और सहमति के बिना ऑस्ट्रिया और भारत की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है। एक मां होने के नाते यह मेरा अधिकार और जिम्मेदारी है कि मैं अपनी चिंताओं को सार्वजनिक रूप से उठाऊं और अपने बच्चों के हितों की रक्षा करूं।'

### कई साल से झेल रहीं दबाव और धमकियां

सेलिना जेटली ने फिर पोस्ट में बताया कि कैसे कई सालों से उन पर दबाव डाला जा रहा था, धमकियां दी जा रही थीं, जिन्हें वह झेल रही थीं। उन्होंने लिखा, 'ऑस्ट्रिया के एक दूर स्थित गांव में रहते हुए, खासकर एक ऐसी महिला होने के नाते, जिसने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है, मुझे लंबे समय से दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। मुझसे मेरे अधिकार छीनने की कोशिश की गई।' सेलिना का कहना है कि उन्हें चुप कराने, डराने और दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।

### पीटर हाग और उनके पिता ने सेलिना पर लगाए ये आरोप

वहीं, पीटर हाग और उनके पिता ने सेलिना जेटली को जो नोटिस भेजा था, उसमें बच्चों की भलाई और प्राइवेसी को लेकर चिंता जताई थी। साथ ही नोटिस में आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार के खिलाफ ऐसे सार्वजनिक बयान, इंटरव्यू, सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया में प्रकाशित खबरें चल रही हैं, जो मानहानि वाले हैं और उनकी पुष्टि भी नहीं है।

### सेलिना जेटली से सार्वजनिक माफी की मांग

सेलिना के पति और ससुर ने इस तरह के कंटेंट को तुरंत ही सभी सार्वजनिक जगहों से हटाने की मांग की थी और साथ ही कहा था कि सेलिना सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, नहीं तो वो उनके खिलाफ एक्शन लेने को मजबूर हो जाएंगे।

# एआई इंसानों की मदद कर सकता है, लेकिन उनकी जगह नहीं ले सकता: सुभाष घई

बॉलीवुड के सीनियर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने एक बार फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर अपने विचार शेयर किए। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एआई लोगों के कई काम आसान कर देगा, लेकिन असली सफलता उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो अपनी क्रिएटिविटी और इमोशनल इंटेलिजेंस को जीवित रखेंगे। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "एआई भविष्य में लोगों के अधिकतर मानसिक और बौद्धिक कार्यों को संभाल सकता है, लेकिन वह इंसान के भीतर मौजूद मानवीय गुणों की जगह नहीं ले सकता। भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपने भीतर की क्रिएटिविटी को लगातार मजबूत करते रहेंगे। म्यूजिक, पोएट्री, पेंटिंग, कम्युनिकेशन, कोलेबोरेशन और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे गुण इंसानों को मशीनों से अलग बनाते हैं।" सुभाष घई ने आगे कहा, "एआई से केवल जानकारी हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस जानकारी को भावनाओं और रचनात्मकता के साथ जोड़ना भी जरूरी है। जब कोई व्यक्ति कला, साहित्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा रहता है, तभी वह समाज के लिए बेहतर योगदान दे सकता है और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित कर सकता है।"

बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब सुभाष घई ने एआई को लेकर अपनी राय रखी हो। वह इस विषय पर अपने विचार साझा करते रहते हैं। उनका मानना है कि एआई एक ताकतवर टेक्नोलॉजी है, लेकिन इसे इंसान की रचनात्मकता का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। कहानियां, भावनाएं और कल्पनाएं इंसानी दिमाग से जन्म लेती हैं, और इन्हें पूरी तरह किसी मशीन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

सुभाष घई ने एक पोस्ट के जरिए कहा था कि समय के साथ पीढ़ियां बदलती हैं, टेक्नोलॉजी बदलती है और लोगों के सोचने का नजरिया भी बदलता रहता है। हालांकि, इन सभी बदलावों के बीच एक चीज स्थायी रहती है, और वह है इंसान की रचनात्मक सोच। एआई इंसानी बुद्धिमत्ता की ही देन है और उसका उद्देश्य इंसान की मदद करना है।

# 'जान्हवी कपूर को भद्दा-अश्लील दिखाया'

## राम चरण के फैंस ने फिल्म में निकाली सबसे बड़ी कमी

राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' को रिलीज हुए आधा दिन भी नहीं हुआ है, लेकिन इसकी आलोचनाओं को नजरअंदाज करना मुश्किल है। आलोचना फिल्म की कहानी या निर्देशन पर नहीं, बल्कि लीड एक्ट्रेस जाह्नवी के किरदार के बेहद कमजोर प्रेंजेटेशन को लेकर हो रही है। फिल्म में उनके रोल का कोई खास मतलब नहीम है। लोगों का मानना तो ये भी है कि वो केवल मर्दों को इंप्रेस करने के लिए बार-बार स्क्रीन पर आ रही हैं।

फिल्म 'पेद्दी' में जाह्नवी कपूर के लगातार ऐसे प्रेजेंटेशन और यौन शोषण पर सेंसरशिप बोर्ड की चुप्पी को लेकर फैंस ने बार-बार चिंता जताई है। कई लोगों का मानना है कि अगर बोर्ड 'ऑब्सेशन' जैसी फिल्मों में हिंसा और खून-खराबे पर तुरंत कार्रवाई करता है, तो उसे पर्दे पर महिलाओं के चित्रण की सुरक्षा के लिए भी उतनी ही तेजी से कदम उठाने चाहिए। दर्शकों ने बताया कि राम चरण का किरदार न केवल जाह्नवी की तारीफ करता है, बल्कि खुलेआम और बेशर्मी से उन पर बुरी नजर रखता है। फिल्म में जाह्नवी के किरदार का कोई उद्देश्य न होने के कारण, लोगों ने इस घोर लापरवाही के लिए एक्टर और डायरेक्टर बुची बाबू सना दोनों की आलोचना की है।

### जान्हवी कपूर को 'पेद्दी' में अश्लील दिखाया!

सोशल मीडिया पर फैंस ने अपना गुस्सा खुलकर जाहिर किया है, और कई लोगों ने फिल्म में जाह्नवी कपूर की कड़ी आलोचना की है। एक फैन ने लिखा- चुनाव प्रचार के दौरान एक गुंडा जाह्नवी कपूर को सरेआम निर्वस्त्र करके उन्हें शर्मिंदा करता है।

दिब्येंदु हंसने लगते हैं, जैसे मजे ले रहे हों। राम चरण हर समय उन पर बुरी नजर रखता है और उसे गांव का हीरो कहा जाता है। वह उन गुंडों की जमकर पिटाई करता है। घटिया स्तर का यौन शोषण, हीरोपंती का बेहद खराब चित्रण।

### राम चरण की तारीफ वाला सीन

एक ने लिखा, 'पेद्दी के एक सीन में राम चरण जाह्नवी कपूर की तारीफ करते हैं। वह उनकी आंखों के बारे में बताते हैं, फिर सीन को काटकर उन पर जूम किया जाता है। वह उनके होंठों पर बात करते हैं, फिर सीन कटकर उनकी कमर दिखाई जाती है। एडिटर से मेरा सवाल है, क्या आप वाकई इतने नासमझ हैं कि आपको आंखें और होंठ नहीं पता?'

### जान्हवी को लेकर टनका फैंस का माथा

आक्रोश यहीं नहीं रुका। एक ने कहा, 'हीरोइन एक किरदार की हकदार थी। इसके बजाय उसे अश्लील, अपमानजनक और दिखावे वाले सीन्स दिए गए जिसे एक रोल का नाम दिया गया। यह बोल्ड नहीं है... ग्लैमरस नहीं है... बस घटिया और शर्मनाक लेखन है... दर्शकों में मौजूद हर महिला के लिए पूरी तरह से शर्मनाक है।'

### हीरोइनों का शोषण बंद होना चाहिए

इसी को दोहराते हुए एक यूजर ने लिखा, 'अब समय आ गया है कि फिल्मों में हीरोइनों का यौन शोषण बंद किया जाए। सचमुच एक सीन है जहां हीरो उसके चेहरे पर बात करता है लेकिन वे उसकी कमर और छाती दिखाते हैं। यह क्या बकवास है?' एक यूजर ने सेंसर बोर्ड पर भी निशाना साधते हुए लिखा, 'पहले पार्ट में जान्हवी के सीन पूरी तरह से अश्लील और भद्दे हैं।'

### 'पेद्दी' की कहानी और कास्ट

फिल्म 'पेद्दी' में राम चरण ने एक ऐसे ग्रामीण आदमी का रोल किया है, जिसे एक स्पोर्ट्स मैन और नेता दोनों के रूप में सम्मान दिया जाता है। फिल्म की कहानी ग्रामीण परिवेश में रची गई है और इसमें क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे खेलों को लिया गया है। जाह्नवी कपूर, बोमन ईरानी, शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु ने भी खास रोल किए हैं। बुची बाबू सना ने फिल्म का निर्देशन किया है और वेंकट सतीश किलारू और ईशान सक्सेना इसके सह-निर्माता हैं।

# अपनी शादी की 38वीं सालगिरह पर जैकी और आयशा श्रॉफ ने शादी की तस्वीर शेयर की

हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार जैकी श्रॉफ और उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ 5 जून को अपनी शादी की 38वीं सालगिरह मना रहे हैं। एक-दूसरे के प्यार में डूबे इस कपल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक-दूसरे को बधाई दी और अपने खास दिन को सेलिब्रेट किया। आयशा ने कई पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें दशकों से चले आ रहे उनके साथ के सफर की झलक दिख रही है। डेटिंग के दिनों से लेकर शादी के दिन तक, आयशा ने एक पोस्ट में इन सभी पलों को शेयर किया। तस्वीरें साझा करते हुए आयशा ने लिखा, मेरी जिंदगी के मजबूत सहारे (रॉक) को सालगिरह मुबारक! और साथ में हार्ट और फ्लावर इमोजी भी लगाए। जैकी ने भी कई हार्ट इमोजी के साथ इस पोस्ट का जवाब दिया। इन तस्वीरों से इतने सालों में दोनों के बीच के प्यार भरे रिश्ते की झलक मिलती है।

कुछ तस्वीरों में जैकी और आयशा जवानी के दिनों में एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखे, जबकि कुछ में उनकी पारंपरिक शादी की रस्मों के पल कैद थे। इसमें परिवार की तस्वीरें भी शामिल थीं, जिनमें उनके बच्चे एक्टर टाइगर श्रॉफ और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ भी नजर आए। जैकी और आयशा की लव स्टोरी की बात करें तो यह 80 के दशक की है। प्यार करने वाले पति जैकी ने कई बार बताया है कि टीनएज में आयशा को पहली बार देखते ही उन्हें उनसे प्यार हो गया था। बता दें कि 1987 में शादी करने से पहले इस कपल ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट किया था। आयशा और जैकी के दो बच्चे हैं। जैकी के बेटे टाइगर श्रॉफ ने बॉलीवुड के बड़े एक्शन स्टार्स में अपनी जगह बनाई है। जबकि कृष्णा श्रॉफ एक फिटनेस एंटरप्रेन्योर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी हैं। जैकी श्रॉफ के करियर की बात करें तो उनको 1983 में सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' से बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'राम लखन', 'परिंदा', 'गर्दिश', 'रंगीला', 'मिशन कश्मीर', 'देवदास' जैसी फिल्मों और हिंदी व रीजनल सिनेमा के कई प्रोजेक्ट्स में यादगार परफॉर्मेंस दीं। जैकी श्रॉफ को हाल ही में रिलीज हुई फ़िल्म 'द ग्रेट इंडियन सुपरहीरो' में देखा गया था, जो 29 मई को रिलीज हुई और दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

## खरगे के राजनीतिक सलाहकार प्रणव कांग्रेस प्रत्याशी बने

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राजनीतिक सलाहकार प्रणव झा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांग्रेस आलाकमान की बातचीत के बाद गुरुवार देर रात उनके नाम की घोषणा की गई।

पार्टी ने कुल सात उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। इनमें कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खरगे, पवन खेड़ा व मंसूरी अली खान, मध्यप्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज दांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा के नाम शामिल हैं।

प्रणव झा 2017 से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव हैं। 1991 में छात्र राजनीति शुरू करने वाले प्रणव बाद में युवा कांग्रेस से जुड़े। वे पार्टी के मीडिया सह प्रभारी भी रह चुके हैं। प्रणव मूल रूप से बिहार के कहलगांव के अनादिपुर गांव के हैं। उनके पिता बोकारो में कार्यरत थे। इसलिए उनकी पढ़ाई-लिखाई बोकारो से हुई। इसी बीच गुरुवार को पलामू के रवि यादव ने पहला पर्चा खरीदा है।

महागठबंधन के पास कुल 56 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट पर जीत के लिए 28 विधायकों की जरूरत है। कांग्रेस के पास 16 और झामुमो के पास 34 विधायक हैं। ऐसे में प्रथम वरीयता के 28 वोट के बाद झामुमो के छह वोट बचेंगे। वहीं, राजद के चार और माले के दो विधायक हैं। यानी कुल मिलाकर 28 वोट होते हैं। अगर सभी एकजुट रहे तो कांग्रेस की जीत भी पक्की हो जाएगी। लेकिन अगर क्रॉस वोटिंग हुई तो मामला फंस सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अब तक पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित करने के बाद झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा-मैं अपने बयान पर कायम हूं। यह चुनाव निर्विरोध होगा। वैसे प्रत्याशी को लेकर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ही कुछ बता सकते हैं।

भाजपा को क्रॉस वोटिंग का भरोसा भाजपा के पास कुल 21 विधायक हैं। सहयोगी दल आजसू, जदयू और लोजपा के एक-एक वोट को मिलाकर इनकी संख्या 24 होती है। जबकि जादुई आंकड़ा 28 तक पहुंचने में लिए उसे और चार वोट की जरूरत है। ऐसे में भाजपा इन चार वोटों के जुगाड़ में है। अगर क्रॉस वोटिंग हुई तो भाजपा को जीत मिल सकती है। ऐसे में वह महागठबंधन की कमजोर कड़ी को तोड़कर अपने पक्ष में करने का जुगत भिड़ाएगी।

## पलामू में मालगाड़ी बेपटरी, 16 वैगन पलटे

### 15 घंटे बाद रिवर्सल लाइन चालू, अप लाइन अब भी बाधित; राजधानी समेत 10 ट्रेनें डायवर्ट

पलामू, 5 जून (एजेंसियां)। पलामू में गुरुवार दोपहर कोयला लदी एक मालगाड़ी बेपटरी होने से बंद रेल परिचालन को शुक्रवार सुबह रिवर्सल लाइन से रेल की आवाजाही फिर से शुरू हो गई। हालांकि, कोयला बिखरा होने के कारण अप लाइन अभी भी बाधित है, जिसे बहाल करने का काम जारी है। हादसे में रेलवे ट्रैक को भी काफी नुकसान पहुंचा है। इस हादसे के कारण राजधानी एक्सप्रेस सहित 10 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। इसके अतिरिक्त, दो ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यह हादसा पूर्व मध्य रेलवे के सोननगर-बरवाडीह रेलखंड पर राजहरा रेलवे स्टेशन के पास हुआ था। घटना में कोयला लदे 16 वैगन पटरी से उतर गए और कुछ पलट गए, जिससे कोयला ट्रैक पर बिखर गया। इस हादसे के कारण रिवर्सल लाइन और अप लाइन बाधित हो गई थी। रेलवे ने शाम से पूरी रात तक करीब 15 घंटे तक बचाव अभियान चलाया। बरवाडीह और अन्य स्थानों से क्रेन व अन्य उपकरण मंगाए गए। घटना के बाद से ही रेलवे के स्थानीय अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। रात में धनबाद से डीआरएम भी पहुंचे और उन्होंने राहत कार्यों का जायजा लिया। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ और इंजीनियरिंग विभाग की टीम भी मौके पर है और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, यह मालगाड़ी 118 वैगन में कोयला लेकर खलारी से एनटीपीसी दादरी जा रही थी। राजहरा रेलवे स्टेशन के पास अचानक तकनीकी खराबी के कारण मालगाड़ी के बीच के वैगन पलट गए। मालगाड़ी के चालक और अन्य स्टाफ को कोई चोट नहीं आई है।

## बेरोजगार थे तो किन्नर बन गए, कमाई 60 हजार रुपए महीना

### यूपी-बिहार के युवक गैंग बनाकर एमपी में ट्रेनों में वसूली कर रहे; कटनी से इटारसी तक नेटवर्क

जबलपुर, 5 जून (एजेंसियां)। बेरोजगारी युवाओं को ऐसे रास्तों पर धकेल रही है, जिसकी कल्पना भी मुश्किल है। जबलपुर रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों से पैसे वसूलने वाले किन्नरों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रेलवे सुरक्षा बल की कार्रवाई में सामने आया है कि कई किन्नर असल में युवक हैं, जो सिर्फ आसान कमाई और आर्थिक तंगी के कारण किन्नर का रूप धारण कर घूम रहे हैं।

आरपीएफ ने 6 महीनों में करीब 120 से ज्यादा लोगों को पकड़ा, जिनमें से 60% (60 से अधिक) युवक निकले।

ट्रेनों में यात्रियों से जबरन वसूली की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आरपीएफ ने 3 जून को स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने तीन संदिग्ध किन्नरों को हिरासत में लिया। जब इनसे कड़ाई से पूछताछ की गई तो सच सामने आ गया। ये तीनों महिलाएं या किन्नर नहीं, बल्कि अच्छे-खासे युवक हैं जो वेशभूषा बदलकर यात्रियों को ठग रहे थे।

पकड़े गए आरोपियों में कानपुर का रहने वाला आशीष (बदला हुआ नाम- आशी), महेश (माही) और पिंचू (तरन्नुम) शामिल हैं। ये तीनों जबलपुर के गायत्री नगर में किराए से कमरा लेकर एक साथ रहते हैं। घर से ये आम लड़कों की तरह पैंट-शर्ट पहनकर निकलते हैं। रेलवे स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले ये किसी सुरक्षित जगह पर साड़ी या सूट पहनते हैं। मांग में सिंदूर लगाते हैं। भारी मेकअप करते हैं और पूरी तरह किन्नर का रूप ले लेते हैं। इनकी आवाज और चलने-बोलने का तरीका इतना सटीक होता है कि आम यात्री तो क्या, पुलिस भी धोखा खा जाए।

पकड़े गए आरोपी आशीष ने बताया कि नौकरी के लिए वह कई शहरों में भटका, लेकिन जब काम नहीं मिला तो उसने सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर यह रास्ता चुना। यात्रियों के डर और संकोच का फायदा उठाकर ये लोग प्रति पैसेंजर 10 से 100 रुपए तक वसूलते हैं। इससे इनकी रोजाना की कमाई 1,500 से 2,000 हो जाती है। यदि कोई यात्री कहता है कि उसके पास खुले पैसे या कैश नहीं है तो ये तुरंत जेब से मोबाइल निकालकर ऑनलाइन पेमेंट के लिए QR कोड सामने अड़ा देते हैं।

## आरएसएस को आतंकवादी संगठन कहने पर कांग्रेस नेता गिरफ्तार

### फेसबुक पर लिखा- देशभक्ति के नाम पर साम्प्रदायिक दंगे फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकते हैं

सारंगपुर, 5 जून (एजेंसियां)। मप्र के सारंगपुर पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में डिगवाड़ के रहने वाले कांग्रेस नेता और आईटी सेल जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह चंदेल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को हिंदू समाज और संघ कार्यकर्ताओं के विरोध जताने और ज्ञापन सौंपने से पहले ही कर दी गई। यह पूरा मामला फेसबुक पर की गई एक पोस्ट से जुड़ा है। आरोप है कि रघुवीर सिंह चंदेल ने फेसबुक पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि अगर आपके घर का कोई सदस्य आरएसएस की शाखा में नमस्ते वत्सले वगैरह का जाप कर रहा है तो समझिए कि वो आतंकवादी बनने की ट्रेनिंग ले रहा है; ऐसा एक आरएसएस के पूर्व प्रचारक का कहना है, उसका कहना है कि उसने मोहन भागवत के कहने पर कई बम विस्फोट किए। अभी भी वक्त है जागो और इन अंग्रेजों के एजेंटों को पहचानो ये देशभक्ति के नाम पर केवल साम्प्रदायिक दंगे फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकते हैं शुक्रवार को हिंदू समाज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कार्यकर्ता सारंगपुर थाने पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि इस टिप्पणी से संघ कार्यकर्ताओं के साथ-साथ हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

## गिरिडीह में डेढ़ क्विंटल मछली समेत जलीय जीवों की मौत

### जलीय सूर्य मंदिर तालाब पर संकट, प्रदूषण और अनदेखी पर ग्रामीणों में आक्रोश

गिरिडीह, 5 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड अंतर्गत जगन्नाथडीह मिर्जागंज स्थित प्रसिद्ध जलीय सूर्य मंदिर परिसर के तालाब में बड़ी संख्या में जलीय जीवों की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब तक लगभग डेढ़ से दो क्विंटल मछलियां मृत पाई गई हैं। इसके अतिरिक्त, तालाब में कछुए, मेंढक और सांप भी मरे हुए मिले हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि तालाब में किसी शरारती तत्व द्वारा जहर या कोई रासायनिक पदार्थ डाला गया है, या फिर अत्यधिक प्रदूषण के कारण पानी जहरीला हो गया है, जिससे जलीय जीवों की लगातार मौत हो रही है। स्थानीय ग्रामीण सुमित रंजन दराद और विक्रम शर्मा ने बताया कि मछलियों और अन्य जीवों के मरने की सूचना मिलते ही उन्होंने मंदिर समिति के सदस्यों को मौके पर बुलाया। ग्रामीणों के अनुसार, मंदिर समिति के अध्यक्ष ने भी घटना पर अनभिज्ञता जताई और कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मछलियां क्यों मर रही हैं, इसकी स्पष्ट जानकारी उन्हें भी नहीं है। हालांकि, उन्होंने मछलियों के साथ-साथ सांप, कछुए और अन्य जलीय जीवों के मरने की बात स्वीकार की। ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर के चारों ओर स्थित तालाब में गंदगी का अंबार लगा हुआ है और पानी भी काफी दूषित हो चुका है। ग्रामीणों का मानना है कि संभवतः किसी ने तालाब में कोई केमिकल या नशीला पदार्थ डाला है। ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि यह एक धार्मिक और आस्था का केंद्र है, इसलिए यहां मछली पालन के लिए टेंडर नहीं दिया जाना चाहिए। कुछ ग्रामीणों ने किसी रंजिश के कारण तालाब में जहर डाले जाने की आशंका भी जताई है।

ग्रामीणों ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि तालाब के चारों ओर घाट बने हुए हैं, जहां आसपास के लोग प्रतिदिन स्नान करते हैं। यदि पानी जहरीला हो गया है, तो इससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

## कोटा में संविदाकर्मी बाबू के लिए ले रहा था रिश्वत

### एसीबी ने कैंटीन में ट्रैप किया, फाइल में तकनीकी आपत्ति लगाकर मांगी थी घूस, दोनों गिरफ्तार

कोटा, 5 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की टीम ने कोटा विकास प्राधिकरण में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने संविदाकर्मी कपिल राज खींची को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है। संविदाकर्मी कपिल ऑफिस के बाबू जुगल किशोर मीणा के लिए रिश्वत ले रहा था। जानकारी के अनुसार, मकान का नामांतरण करने की एवज में दोनों आरोपियों ने परिवादी से रिश्वत मांगी थी। पहले कार्रवाई के दौरान संविदाकर्मी कैंटीन में पकड़ा गया, जबकि भाग रहे बाबू को एसीबी की टीम ने रास्ते में ही दबोच लिया। यह कार्रवाई एसीबी के एडिशनल एसपी (कोटा) विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में की गई। एसीबी के डीएसपी अनीश अहमद ने बताया- आरके पुरम क्षेत्र में एक मकान का नामांतरण करने की एवज में दोनों आरोपियों ने परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। 20 हजार रुपए पहले ही लिए जा चुके थे, जबकि शेष राशि में से 15 हजार रुपये लेते समय एसीबी टीम ने कार्रवाई कर दोनों को पकड़ लिया।

## जॉइनिंग लेटर लेने जा रही बेटी की मौत

### जयपुर में बस से उतरते ही गाड़ी ने कुचला मोबाइल और बैग लोग चुरा ले गए

जोधपुर, 5 जून (एजेंसियां)। जब बेटी से मेरी बात हुई थी, तब वह बस में बैठी थी। बस से उतरने से पहले उसने कहा था- आज मुझे जॉइनिंग लेटर मिलने वाला है। इसके बाद प्राइवेट कंपनी में जॉब मिल जाएगी। उसके फोन रखते ही 10 सेकेंड में एक अनजान नंबर से कॉल आया और फोन करने वाले ने कहा-नेहा का एक्सीडेंट हो गया है। यह कहना है कि जोधपुर की रहने वाली नेहा उपाध्याय (26) की मां सुनैना का।

नेहा को दो दिन पहले जयपुर में बस से उतरते समय एक गाड़ी ने कुचल दिया। था। हादसा मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में बंबाला पुलिया के पास हुआ था।

नेहा जोधपुर के गायत्री नगर, पाल रोड की रहने वाली थी। उसके पिता किशन गोपाल उपाध्याय (52) जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में एमआरआई और सिटी स्कैन डिपार्टमेंट में काम करते हैं। जबकि मां फाइनेंस कंसल्टेंसी का काम देखती हैं, जिसे नेहा आगे बढ़ाना चाहती थी। नेहा तीन महीने से जयपुर से डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स कर रही थी। वह मानसरोवर में रजत पथ पर एक पीजी में रहती थी। नेहा की मां सुनेना उपाध्याय (50) ने बताया कि हादसे से 10 सेकेंड पहले ही उनकी बेटी से बात हुई थी। नेहा के पिता किशन गोपाल ने बताया- यह हिट एंड रन का मामला है। हादसे में बेटी के सिर में चोट लगी थी, काफी खून बह गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। नेहा का गुरुवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

## शादी के 37वें दिन कमलेश बिंद एनकाउंटर में ढेर

### गाजीपुर में पत्नी बोली- मेहंदी भी नहीं छूटी, जंगल ले जाकर पुलिस ने गोली मारी

गाजीपुर, 5 जून (एजेंसियां)। गाजीपुर में बुधवार रात होटल कारोबारी विनीत राय की हत्या के आरोपी कमलेश बिंद को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। उसकी 37 दिन पहले शादी हुई थी। बिहार के मोहनिया से दुल्हन मनीषा को बड़े धूमधाम से विदा कराकर घर लाया था। मनीषा नर्सिंग की छात्रा है।

मनीषा को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। दैनिक भास्कर से मनीषा ने कहा, मेरे पति निर्दोष थे। पुलिस उन्हें रामपुर से जबरन उठाकर लाई थी। 30 मई को मुझे और मेरी प्रधान जेठानी को पुलिस ने थाने में बिठाए रखा। मेरी आंखों के सामने थाने में पुलिस ने मेरे पति को बुरी तरह पीटा। इसके बाद जंगल ले जाकर उनका एनकाउंटर कर दिया। 29 मई की रात गाजीपुर में 4 बदमाशों ने होटल कारोबारी आलोक राय के बेटे विनीत राय की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विनीत के पिता आलोक राय ने कटरा गैंग के सरगना शंकर पांडेय, सोनू यादव, कमलेश बिंद और मोनू त्रिपाठी पर केस दर्ज कराया था। कमलेश पर एक लाख इनाम था। शंकर पर भी एक लाख और बाकी दो पर 50-50 हजार रुपए का इनाम है। तीनों फरार हैं। कमलेश बिंद गाजीपुर में गोड़ा, सोहिलापुर का रहने वाला था। 19 अप्रैल को गांव में तिलक चढ़ी थी। 8 दिन बाद 27 अप्रैल को शादी हुई थी। वह बिहार के मोहनिया बारात लेकर गया था। दुल्हन मनीषा नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। कमलेश की भाभी गोड़ा गांव की ग्राम प्रधान है। उसका बड़ा भाई संजय चौधरी है। कमलेश बिंद के बड़े भाई संजय कुमार बिंद ने बताया, मेरे भाई पर 29/30 मई की रात विनीत राय की हत्या का झूठा आरोप लगाकर नामजद एफआईआर दर्ज की गई थी। जबकि जिस समय विनीत राय को मारा गया, उस समय कमलेश गांव में ही था। फर्जी एफआईआर के डर से कमलेश रामपुर चला गया था। 2 जून को मेरे भाई और गांव के दो लड़कों को पुलिस रामपुर से जबरन उठा लाई। अगले दिन 3 जून को ही उसका फर्जी एनकाउंटर कर दिया। मेरा भाई निर्दोष था।

## महाकाल भस्म आरती के लिए 2500-2500 रुपए वसूले

### प्रशासक के औचक निरीक्षण में हुआ खुलासा तीन लोगों के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

उज्जैन, 5 जून (एजेंसियां)। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती की अनुमति दिलाने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का मामला सामने आया है। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के औचक निरीक्षण के दौरान तीन ऐसे मामले उजागर हुए, जिनमें प्रत्येक श्रद्धालु से 2500 रुपए लिए गए थे। यह खुलासा शुक्रवार तड़के हुआ, जब प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आरती में शामिल होने आए श्रद्धालुओं से उनकी अनुमति और व्यवस्थाओं के संबंध में पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान, प्रशासक ने नीलकंठ द्वार और मानसरोवर मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की अनुमति की जांच की। गेट क्रमांक-1 से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं से भी बातचीत की गई। इसी दौरान तीन श्रद्धालुओं ने शिकायत की कि उनसे भस्म आरती की अनुमति के लिए प्रति व्यक्ति 2500 रुपए वसूले गए थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, भस्म आरती की प्रोटोकॉल अनुमति किसी 'हिन्दू संगठन' के नाम पर कराई गई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि 2500 रुपए की राशि किसके पास गई।

## ईसाई समाज बोला- गाय बने राष्ट्रीय पशु

### हिंदू परिवार को 50 गाय देने का सुझाव, बीजेपी बोली- मां मानने के लिए सरकारी घोषणा का इंतजार क्यों

रायपुर, 5 जून (एजेंसियां)। रायपुर में छत्तीसगढ़ संयुक्त ईसाई समाज ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। समाज ने हर हिंदू परिवार को 50 गायों के संरक्षण की जिम्मेदारी देने का सुझाव भी रखा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गाय के नाम पर राजनीति होती है, लेकिन संरक्षण के लिए ठोस व्यवस्था नहीं है। इस मामले पर भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी। गाय को गौमाता का दर्जा देने की मांग पहले भी उठ चुकी है। इस पर BJP ने कहा मां मानने के लिए सरकारी घोषणा का इंतजार क्यों।

बता दें कि इससे पहले छत्तीसगढ़ में कई धर्मगुरुओं और कथावाचकों ने भी गौ माता को राष्ट्र पशु का दर्जा देने की मांग सरकार से की हैं। पिछले दिनों सुंदर नगर में रहने वाले युवक ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अपने हाथ की उंगली काट ली थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। संयुक्त ईसाई समाज छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष प्रभाकर ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन आज बड़ी संख्या में गायें सड़कों पर लावारिस घूम रही हैं। इससे सड़क हादसे बढ़ रहे हैं और कई बार गायों की भी मौत हो जाती है।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर गाय को राष्ट्रीय पशु या राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाता है, तो उसके संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी तय होगी। उनका मानना है कि इससे गौवंश की स्थिति बेहतर होगी और सड़कों पर लावारिस पशुओं की समस्या कम करने में मदद मिलेगी।

## पतंजलि और इंडोनेशिया के हिंदू विवि के बीच ऐतिहासिक समझौता

हरिद्वार, 5 जून (एजेंसियां)। सनातन संस्कृति, योग और आधुनिक शिक्षा के वैश्विक विस्तार में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। पतंजलि योगपीठ और इंडोनेशिया के एकमात्र हिंदू विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी हिंदू नेगरी के बीच इंडोनेशिया में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान के सेतु का निर्माण करेगी, बल्कि बाली की धरती पर सनातन और योग के वैभव को पुनर्जीवित करने में मील का पत्थर साबित होगी। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण की अगुवाई में हुआ यह समझौता वैश्विक स्तर पर संस्कृति आधारित विकास का एक अनूठा मॉडल पेश करता है।

इस समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए 'स्ट्रेट सेशन' (सीधे सत्र) के साथ-साथ अनुसंधान और योग प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन पर सहमति बनी है। प्रोफेसर डॉ. गुस्ती न्गुराह सुदियाना और प्रोफेसर माडे पूर्नामा की अगुवाई में प्रबंध समिति ने आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि की टीम का भावपूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय परंपरा के एकमात्र विधायक बाली के एमएलए डॉ सोमवीर भी मौजूद रहें।

बाली प्रांत के विधानसभा अध्यक्ष देवा माडे महायज्ञ ने पतंजलि के साथ मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में काम करने की आचार्य बालकृष्ण की मौजूदगी में इच्छा जताई।

आचार्य बालकृष्ण ने बाली द्वीप की संस्कृति, सभ्यता और पर्यावरण का गहन अध्ययन किया। उन्होंने विशेष रूप से देखा कि प्रकृति को बिना नुकसान पहुँचाए सजावट और विकास कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'इको-फ्रेंडली डवलपमेंट मॉडल' की तर्ज पर वे उत्तराखंड के पौड़ी जनपद अंतर्गत धन्वंतरि धाम माला गांव को भी विकसित करेंगे।

## कोडरमा विधायक के वाहन चालक की हत्या का खुलासा

### जमीन विवाद में हुआ था मर्डर, 70 वर्षीय महिला समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा, 5 जून (एजेंसियां)। कोडरमा पुलिस ने विधायक डॉक्टर नीरा यादव के निजी वाहन चालक राजकुमार यादव की 3 जून की रात हुई हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है। इस मामले में हत्या के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए कुदाल, चपड़ा और अन्य हथियार भी बरामद कर लिए हैं। बताया गया कि 3 जून की रात जमीन विवाद को लेकर राजकुमार यादव पर हमला किया गया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी।

मामले का खुलासा करते हुए एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि घटना के बाद मृतक की पत्नी श्वेता देवी के आवेदन पर 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गई। इस दौरान घटना की सुबह ही मामले में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि राजकुमार यादव की हत्या 8 साल से चले आ रहे जमीन विवाद के कारण हुई है। इस घटना में कुल 12 लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। कोडरमा थाना प्रभारी पर लापरवाही के आरोपों के सवाल पर एसपी ने बताया कि डीएसपी स्तर पर जांच की जा रही है। यदि किसी भी पुलिसकर्मी की लापरवाही पाई जाती है, तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि घटना को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी लगातार सवाल उठ रहे थे और विधायक डॉ. नीरा यादव ने कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान पर विवाद की सूचना दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया था।

गिरफ्तार अभियुक्तों में 40 वर्षीय गोपाल यादव पिता भीखन यादव, 70 वर्षीय भीखन यादव पिता स्व. अकल महतो, 75 वर्षीय गुलबी देवी पति भीखन यादव, 25 वर्षीय विजय यादव पिता राजू यादव तथा 19 वर्षीय सचिन यादव पिता गोपाल यादव के नाम शामिल हैं। एसपी ने बताया कि इन सबों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की गई है।

## रेलवे में पदस्थ सेक्शन इंजीनियर गिरफ्तार

### जबलपुर सीबीआई टीम ने एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

जबलपुर, 5 जून (एजेंसियां)। जबलपुर सीबीआई की टीम ने गुरुवार देर रात सागर में बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे के एक सेक्शन इंजीनियर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान नारायण सिंह बुंदेला के रूप में हुई है। कार्रवाई के बाद सीबीआई टीम आरोपी को अपने साथ जबलपुर ले आई, जहां शुक्रवार को उसे सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने पूछताछ के लिए कोर्ट से पांच दिन की रिमांड मांगी है।

जानकारी के मुताबिक सागर रेलखंड में गिट्टी सप्लाई करने वाले एक ठेकेदार ने काम पूरा होने के बाद विभाग में जमा अपनी सिक्योरिटी राशि वापस मांगी थी। आरोप है कि राशि लौटाने के एवज में सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला ने एक लाख रुपए रिश्वत की मांग की। जब ठेकेदार ने रिश्वत देने से इनकार किया तो अधिकारी ने सिक्योरिटी राशि लौटाने से मना कर दिया।

इसके बाद ठेकेदार ने मामले की शिकायत जबलपुर स्थित सीबीआई एसपी कार्यालय में की। शिकायत की प्रारंभिक जांच और पुष्टि के बाद सीबीआई ने आरोपी अधिकारी पर निगरानी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सेक्शन इंजीनियर ने रिश्वत की रकम लेने के लिए ठेकेदार को गुरुवार रात सागर के पैराडाइज होटल में बुलाया था। सीबीआई की टीम पहले से ही सादी वर्दी में होटल के आसपास तैनात थी। जैसे ही ठेकेदार ने आरोपी अधिकारी को एक लाख रुपए सौंपे, टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

# आरबीआई गवर्नर को भरोसा : अर्थव्यवस्था मजबूत

## चुनौतियों को अवसर में बदलेंगे, प्लास्टिक नोटों पर क्या योजना?

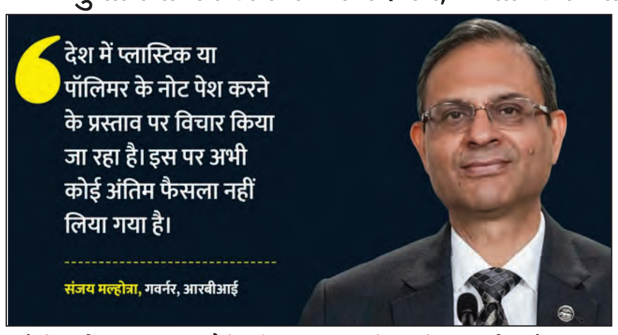


नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को भले ही स्थिर रखा हो, लेकिन वैश्विक चुनौतियों और बढ़ती महंगाई के बीच देश की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बड़ा और आश्वस्त करने वाला संदेश दिया है। शुक्रवार को मुंबई में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ किया कि भारत की आर्थिक स्थिति बेहद 'मजबूत' है और केंद्रीय बैंक मौजूदा चुनौतियों को भविष्य के लिए खुद को और मजबूत करने के अवसर में बदलने को लेकर आश्वस्त है।

**ब्याज दरें स्थिर, लेकिन महंगाई पर पैनी नजर**

आरबीआई ने ब्याज दरों में यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने वित्तीय वर्ष 2027 (एफवाई27) के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद यह आंकड़ा 5.1 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, गवर्नर मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि आरबीआई का चार प्रतिशत महंगाई का लक्ष्य अभी भी बरकरार है और इसे टाला नहीं गया है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि आरबीआई केवल तभी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करेगा जब महंगाई लगातार बनी रहेगी और व्यापक रूप ले लेगी।

**विदेशी पूंजी प्रवाह और 'बैलेंस ऑफ पेमेंट' पर उम्मीद**

अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए आरबीआई और सरकार द्वारा उठाए गए नए नीतिगत कदमों से देश में अधिक विदेशी पूंजी प्रवाह की उम्मीद है।

गवर्नर ने कहा कि इन उपायों के माध्यम से पूंजी प्रवाह के लिए कोई विशेष लक्ष्य तय नहीं किया गया है, लेकिन इसका उद्देश्य पूंजी निवेश को बढ़ाना है। वहीं, आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बताया कि हाल की पहलों के दम पर इस साल 'भुगतान संतुलन' के काफी स्वस्थ रहने की उम्मीद है। गवर्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि पूंजी की निकासी को रोकने के लिए फिलहाल किसी भी उपाय पर विचार नहीं किया जा रहा है।

**अल नीनो और मानसून का डर बनी सबसे बड़ी चिंता**

आरबीआई के सामने इस समय कुछ प्रमुख चुनौतियां भी हैं। गवर्नर मल्होत्रा के अनुसार, वर्तमान में आरबीआई की सबसे बड़ी चिंता 'सप्लाई शॉक्स' (आपूर्ति में बाधाओं) की लंबी अवधि और कीमतों पर इसका सीधा प्रभाव है। इसके अलावा, संभावित रूप से कमजोर मानसून और अल नीनो की स्थिति के कारण महंगाई पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को लेकर भी केंद्रीय बैंक सतर्क है।

**क्या भारत में आएंगे पॉलीमर (प्लास्टिक) करेंसी नोट?**

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक दिलचस्प जानकारी यह भी सामने आई कि देश में पॉलीमर (प्लास्टिक) करेंसी नोट पेश करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है।

हालांकि, गवर्नर ने साफ किया कि यह प्रस्ताव अभी अपने शुरुआती चरण में है और इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। आरबीआई गवर्नर का बयान बताता है कि कि केंद्रीय बैंक महंगाई और कमजोर मानसून जैसे बाहरी झटकों को लेकर सतर्क है, लेकिन अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देने और मजबूत भुगतान संतुलन की उम्मीद यह दर्शाती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अपनी विकास यात्रा जारी रखने के लिए तैयार है।

# चौथी तिमाही में 7.8% रही जीडीपी वृद्धि दर

## पूरे वित्त वर्ष में 7 .7% की शानदार बढ़त

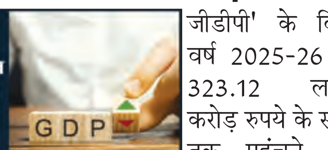


नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी तेज रफ्तार साबित करते हुए शानदार विकास दर दर्ज की है। सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए ताजा आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था की मजबूत तस्वीर पेश की है, जिसके मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत रही है। इस दमदार तिमाही प्रदर्शन के दम पर पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की समग्र आर्थिक विकास दर 7.7 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को ये अहम आर्थिक आंकड़े जारी किए गए। इन आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था ने 7.7 प्रतिशत की दर से विस्तार किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की विकास दर के मुकाबले काफी बेहतर है। यह गति स्पष्ट करती है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है, जिससे विकास को लगातार समर्थन मिल रहा है। सरकारी अनुमानों के आधार पर रियल जीडीपी यानी 'स्थिर कीमतों पर जीडीपी' के वित्त वर्ष 2025-26 में 323.12 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2024-25 के 299.89 लाख करोड़ रुपये के पहले संशोधित अनुमान के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि को दर्शाता है। स्थिर कीमतों पर यह मजबूती दिखाती है कि अर्थव्यवस्था का बुनियादी ढांचा विस्तार ले रहा है। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, नॉमिनल जीडीपी (वर्तमान कीमतों पर) के मोर्चे पर भी अर्थव्यवस्था ने अपनी रफ्तार कायम रखी है।

वित्त वर्ष 2025-26 में नॉमिनल जीडीपी के 346.36 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है, जबकि इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा 318.07 लाख करोड़ रुपये पर दर्ज किया गया था। यह स्पष्ट रूप से 8.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर को रेखांकित करता है।

# चांदी एक दिन में 6,138, सोना 1,896 सस्ता

## 1 किलो चांदी 2 .55 लाख, 10ग्राम सोना 1 .54 लाख का हुआ

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 5 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,138 रुपए घटकर 2.55 लाख रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 2.61 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,896 रुपए घटकर 1.54 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 4 जून को यह 1.66 लाख पर था। सोना ऑल टाइम हाई से 127 दिन में 21,931 रुपए और चांदी 1,30,983 रुपए सस्ती हुई है। 29 जनवरी को सोना 1.76 लाख/10 ग्राम और चांदी 3.86 लाख/किलो थी।

**ऑल टाइम हाई से 1.31 लाख रुपए गिरी चांदी**

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 21,931 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 127 दिन में चांदी 1.31 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

# महाशक्ति बनने की ओर भारत

## 2060 तक ग्लोबल जीडीपी में चीन को पछाड़ देगा देश, वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। वैश्विक अर्थव्यवस्था के पटल पर आने वाले दशक बड़े ऐतिहासिक बदलावों के गवाह बनने वाले हैं। भारत अपनी तेज आर्थिक और जनसांख्यिकीय रफ्तार के दम पर साल 2060 तक क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के मामले में चीन को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (पीएसई) से जुड़ी शोध संस्था 'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' (डब्ल्यूआईलैब) की एक ताजा रिपोर्ट में यह अहम अनुमान लगाया गया है। यह रिपोर्ट इस बात की ओर इशारा करती है कि 21वीं सदी के उत्तरार्ध में बीजिंग के आर्थिक दबदबे में तेज गिरावट आएगी और दुनिया एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ेगी।

**चीन की जनसांख्यिकीय चुनौती और भारत का उदय**

**'ग्लोबल जस्टिस रिपोर्ट: ए प्लान फॉर इक्वैलिटी एंड प्रोस्पेरिटी विद प्लैनेटरी बाउंड्रीज'** नामक इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में पीपीपी के लिहाज से वैश्विक जीडीपी में चीन की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है, जो अमेरिका से करीब एक-तिहाई अधिक है। रिपोर्ट का अनुमान है कि साल 2035 तक चीन का यह आंकड़ा अमेरिका के मुकाबले दोगुना हो जाएगा। हालांकि, चीन की सबसे बड़ी और दीर्घकालिक चुनौती उसकी तेजी से घटती आबादी है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 1945 में दुनिया की कुल आबादी में चीन की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी, जो 2025 में घटकर लगभग 17 प्रतिशत रह गई है और 2100 तक इसके 8 प्रतिशत से भी कम होने की आशंका है।

इसी बड़े जनसांख्यिकीय पतन के कारण 21वीं सदी के दूसरे भाग में वैश्विक जीडीपी में चीन की हिस्सेदारी पहले स्थिर होगी और फिर उसमें गिरावट आने लगेगी। ठीक इसी दौरान, यानी 2060 के आसपास, भारत अपनी जनसांख्यिकीय मजबूती के साथ वैश्विक जीडीपी हिस्सेदारी में चीन से आगे निकल जाएगा।

**नहीं लौटेगा अमेरिका या यूरोप जैसा एकाधिकार**

रिपोर्ट में यह साफ किया गया है कि चीन के तेजी से हुए आर्थिक विस्तार के बावजूद दुनिया पर किसी एक देश का पूरा एकाधिकार अब संभव नहीं है। इस बात की संभावना बेहद कम है कि चीन कभी भी उस तरह की पूर्ण आर्थिक शक्ति या हेजेमनी प्राप्त कर सकेगा, जैसी 1950 के आसपास अमेरिका के पास थी, जब वैश्विक जीडीपी में उसकी 35 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसी तरह, 1900 से 1910 के बीच यूरोप का भी करीब 40 से 45 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दबदबा था। इसके विपरीत, 19वीं और 20वीं सदी के उलट 21वीं सदी की दुनिया पूरी तरह से बहुध्रुवीय होने जा रही है। भविष्य के इस सुनहरे अनुमान के बीच भारत के नीति-निर्माताओं के लिए कुछ चिंताएं भी हैं। रिपोर्ट स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि भारत में चीन की तुलना में कहीं अधिक आर्थिक असमानता है।

# शहंशाह-ए-दौलत का नया ताज पहनेंगे एलन मस्क

## स्पेसएक्स का आईपीओ बना देगा दुनिया का पहला ट्रिलियनियर

नई दिल्ली,5 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क शहंशाह-ए-दौलत का नया ताज पहनने के करीब हैं। उनकी रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स इस महीने अमेरिकी शेयर बाजार में कदम रखने की तैयारी कर रही है। कंपनी का इरादा इस आईपीओ के जरिए 75 अरब डॉलर जुटाने का है, जो वैश्विक शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा डेब्यू होगा। स्पेसएक्स के आईपीओ के सफल होने पर एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनियर बन सकते हैं। यानी वह 1 लाख करोड़ डॉलर या करीब 95 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन जाएंगे। यह रकम दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स की नेटवर्थ के मुकाबले तीन गुने से भी ज्यादा होगी।

**स्पेसएक्स आईपीओ की खास बातें**

स्पेसएक्स (स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉर्प) की ओर दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार कंपनी अपने 55.56 करोड़ शेयर 135 डॉलर प्रति शेयर की कीमत पर बेचेगी। यह आईपीओ साल 2019 में तेल कंपनी सऊदी अरामको की ओर से जुटाए गए 26 अरब डॉलर के रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ देगा। इस लिस्टिंग के बाद स्पेसएक्स की कुल मार्केट वैल्यूएशन 1.77 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।

**मस्क कैसे बनेंगे ट्रिलियनियर?**

आईपीओ के बाद भी कंपनी पर एलोन मस्क का पूरा नियंत्रण रहेगा। मस्क के पास कंपनी के 5.22 अरब क्लास बी शेयर हैं। क्लास बी के एक शेयर पर 10 वोट देने का अधिकार मिलता है। इस वजह से कंपनी में मस्क की कुल वोटिंग हिस्सेदारी 82.4% होगी।वर्तमान में ब्लूमबर्ग के अनुसार मस्क की नेटवर्थ 726 अरब डॉलर है। स्पेसएक्स के 1.77 ट्रिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर पहुंचते ही मस्क की संपत्ति में करीब 300 अरब डॉलर का इजाफा होगा, जो उन्हें सीधे ट्रिलियनियर क्लब में शामिल कर देगा।

# टाटा ग्रुप में नया विवाद, 37 साल पहले शेयरों के ट्रांसफर में गड़बड़ी के आरोप, चैरिटी कमिश्नर के पास पहुंचा मामला

नई दिल्ली,5 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप में एक नया विवाद पैदा हो गया है। यह मामला टाटा ट्रस्ट्स से जुड़ा है। महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर के पास एक नई शिकायत दर्ज कराई गई है। इसमें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों की 8 जून को होने वाली अहम बैठक से पहले दखल देने की मांग की गई है।

कियत में आरोप लगाया गया है कि करीब चार दशक पहले नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट से टाटा संस लिमिटेड के 833 शेयरों के ट्रांसफर में गड़बड़ी हुई थी। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह याचिका सुरेश तुलसीराम पाटिलखेड़े की ओर से वकील कात्यायनी अग्रवाल ने दाखिल की है। इसमें चैरिटी कमिश्नर से अनुरोध किया कि जनवरी 1989 में दिवंगत नवल एच. टाटा को शेयरों के ट्रांसफर की जांच की जाए और पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएं। टाटा ट्रस्ट्स ने टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

**क्या है मामला?**

उल्लेखनीय है कि चैरिटी कमिश्नर ने 15 मई के अपने आदेश में इसी याचिकाकर्ता की शिकायत पर संज्ञान लिया था। उस आदेश में टाटा ट्रस्ट्स को बैठक करने या फैसले लेने से रोक दिया गया था। चैरिटी कमिश्नर ने कहा कि इस बात की जांच चल रही है कि क्या टाटा के ट्रस्ट महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट के नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। एसडीटीटी के ट्रस्टियों की बैठक 8 जून के लिए तय है। ताजा मामले में 4 जून को की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शेयरों का ट्रांसफर 18 जनवरी 1989 को हुआ था। नवल टाटा ने इससे एक हफ्ते पहले ही नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से इस्तीफा दे दिया था। शिकायत में कहा गया है कि इस ट्रांसफर के लिए कोई वैध डॉक्यूमेंट नहीं था और यह पब्लिक ट्रस्ट से जुड़े नियमों के मुताबिक नहीं था।

**हितों का टकराव**

शिकायत में नोएल टाटा से जुड़े हितों के टकराव पर भी चिंता जताई गई है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के तौर पर नोएल टाटा के 8 जून को एसडीटीटी की बैठक की अध्यक्षता करने की उम्मीद है। शिकायतकर्ता का तर्क है कि नोएल टाटा उन उत्तराधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें नवल टाटा की मृत्यु के बाद शेयर मिले थे, इसलिए उन्हें इस मामले से जुड़ी चर्चाओं में शामिल नहीं होना चाहिए।

# उतार-चढ़ाव के बाद फिसला बाजार

## सेंसेक्स 116 अंक टूटा, निफ्टी 23400 से नीचे

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के फैले के दिन बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। शुरुआती कारोबार में मजबूती के बावजूद बाजार में निवेशकों के बीच भ्रम की स्थिति दिखी, जिससे उतार-चढ़ाव को बढ़ावा मिला। आखिरकार प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए।

30 शेयरों वाला सेंसेक्स 116.67 (-0.15%) अंकों की गिरावट के साथ 74,243.34 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 38 शेयरों का निफ्टी 49.85 (-0.21%) अंक टूटकर 23,366.70 के स्तर पर बंद हुआ।

आरबीआई के नीतिगत फैसले के एलानों के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 79 पैसे बढ़कर 94.95 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विप्रो और हिंडाल्को लगभग तीन-तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

5.25% पर स्थिर रहा रेपो रेट, महंगाई बढ़ने की चिंता ने बढ़ाया तनाव

शेयर बाजार में इस उतार-चढ़ाव और असमंजस की मुख्य वजह शुक्रवार को आए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले रहे। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ऐलान किया कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से प्रमुख नीतिगत दर (रेपो रेट) को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने और 'तटस्थ' रुख अपनाने का निर्णय लिया है।

दरें स्थिर रहने के बावजूद बाजार की धारणा पर उस समय दबाव पड़ा, जब केंद्रीय बैंक ने वैश्विक अनिश्चितताओं और उच्च ऊर्जा कीमतों का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए खुदरा महंगाई (सीपीआई) का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। गवर्नर मल्होत्रा ने आश्वस्त किया कि भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति मजबूत है, लेकिन आपूर्ति में बाधाओं और संभावित अल नीनो (अल नीनो) के कारण महंगाई पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर केंद्रीय बैंक पूरी तरह से सतर्क है।

# 21000 करोड़ का ऑर्डर मिलते ही बीएचईएल के शेयर ने मारी छलांग,एक साल में दे चुका है 50% रिटर्न

नई दिल्ली,5 जून (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी भेल यानी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के शेयरों में शुक्रवार को 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। स्टॉक में यह तेजी कंपनी को मिले एक बड़े ऑर्डर के बाद आई।

कंपनी को मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड (एमयूएनपीएल) से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 3x800 मेगावाट की मेजा सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना (स्टेज-2) स्थापित करने के लिए 21,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। यह कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) पैकेज से संबंधित है। इसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग जैसे सभी कार्य शामिल हैं।

**70 महीनों में पूरा करना है प्रोजेक्ट**

बीएचईएल ने बताया कि यह ऑर्डर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से मिला है। परियोजना को अवार्ड की अधिसूचना की तारीख से 70 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है, यानी लगभग छह वर्षों में इसका निर्माण कार्य पूरा होगा। एमयूएनपीएल, एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) का संयुक्त उपक्रम है। बीएचईएल ने स्पष्ट किया कि यह ऑर्डर संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन (रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन) की श्रेणी में नहीं आता है।

**पहले भी मिला है बड़ा ऑर्डर**

यह सौदा ऐसे समय आया है जब बीएचईएल को 3 जून को नाइजीरिया की एक कंपनी से 2,000 से 2,500 करोड़ रुपये का एक और बड़ा ऑर्डर मिला था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 2 जून को नाइजीरिया की डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह ऑर्डर नाइजीरिया के डांगोटे इंडस्ट्रीज फ्री जोन में स्थित पेट्रोलियम रिफाइनरी और पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र के लिए आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेजों के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति तथा स्थापना एवं कमीशनिंग की निगरानी से जुड़ा है। कंपनी के अनुसार, इस अनुबंध को समझौते की प्रभावी तिथि या कार्य प्रारंभ होने की तारीख से 26 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

बीएचईएल का शेयर कल यानी गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स पर 389.85 रुपये पर बंद हुआ था। शुक्रवार को यह फ्लैट खुला। दिन के कारोबार के दौरान इसमें 2.64% की तेजी आई और यह 400.15 रुपये तक पहुंच गया। अंत में यह 0.73% चढ़कर 387 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर पिछले 1 महीने में 3 प्रतिशत, 6 महीने में 39 प्रतिशत और 1 साल में करीब 50 फीसदी चढ़ चुका है।

# दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य | वृष | मे |
| चंद्र | मकर | मे |
| मंगल | मेष | मे |
| बुध | मिथुन | मे |
| गुरु | कर्क | मे |
| शुक्र | मिथुन | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| वृष---- | 04-22 बजे |
| मिथुन--- | 06-22 बजे |
| कर्क---- | 08-34 बजे |
| सिंह---- | 10-47 बजे |
| कन्या--- | 12-53 बजे |
| तुला---- | 14-58 बजे |
| वृश्चिक-- | 17-09 बजे |
| धनु---- | 19-21 बजे |
| मकर--- | 21-28 बजे |
| कुंभ--- | 23-18 बजे |
| मीन--- | 00-57 बजे |
| मेष---- | 02-33 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18-44
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शनिवार 06 June 2026
तिथि - षष्ठी 02-41 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - श्रवण 06-03 तक उप धनिष्ठा
योग. - ऐन्द्र 10-04 तक उप वैधृति
करण - गर 14-05 तक उप वणिज

**विशेष:** सर्वार्थ सिद्धि योग 06-04 से
पंचक 19-05 से

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल**
08-59 से
10-37 तक

**पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710**

| दिन का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| काल | 05-44 - 07-20 | अशुभ |
| शुभ | 07-20 - 08-59 | शुभ |
| रोग।। | 08-59 - 10-37 | अशुभ |
| उत्पात | 10-37 - 12-15 | अशुभ |
| चंचल | 12-15 - 13-53 | शुभ |
| लाभ | 13-53 - 15-31 | शुभ |
| अमृत | 15-31 - 17-09 | शुभ |
| काल | 17-09 - 18-44 | अशुभ |

| रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| लाभ | 18-44 - 20-09 | शुभ |
| उत्पात | 20-09 - 21-31 | अशुभ |
| शुभ | 21-31 - 22-53 | शुभ |
| अमृत | 22-53_ - 00-15 | शुभ |
| चंचल | 00-15 - 01-37 | शुभ |
| रोग | 01-37 - 02-59 | अशुभ |
| काल | 02-59 - 04-20 | अशुभ |
| लाभ | 04-20 - 05-44 | शुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें ।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा ।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

**पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710**

# विधायक भाटी बोले-मजदूर का हत्यारा है तानाशाह

## भाजपा विधायक पर भड़के पिता, कहा- मेरे लड़के को मार दिया, अब क्या करोगे

बाड़मेर, 5 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर के गिरल में माइंस के खिलाफ चल रहे धरने के दौरान एक मजदूर की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना के बाद शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया- मजदूर पिछले दो महीने से धरने पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। प्रशासन के निरंकुश और तानाशाही रवैये के कारण ही आज यह मौत हुई है और गरीब मजदूर जैसाराम की हत्या प्रशासन ने की है। मजदूर जैसाराम की मौत की सूचना पर चौहटन भाजपा विधायक आदूराम मेघवाल भी हॉस्पिटल पहुंचे। आंसू पोंछते हुए जैसाराम के बुजुर्ग पिता देदाराम ने कहा-मेरे लड़के को मार दिया, अब क्या करोगे। पहले कहां गए थे, अब इकट्ठे हुए हो। 2 माह से गर्मी में बैठे हैं, एक दिन वहां

जाकर बैठो। खूब रोए लेकिन कोई नहीं आया। बात सुन लेते तो लड़का क्यों मरता। अफसर जेब भर रहे हैं। वहीं, धरनार्थियों ने कहा- आप आज यहां आए हो, मजदूर की मौत होने के बाद भी प्रशासन नहीं आया। धरना स्थल पर माइंस के दो मैनेजर हैं, वे भी नहीं आए। हम मजदूर हैं इसलिए कोई सुन नहीं रहा है। आज जैसाराम की मौत हुई है, कल हम मर जाएंगे। धरना स्थल पर गर्मी की वजह से कई मजदूर बीमार हुए, जिनका इलाज करवाया गया। गिरल गांव में बीते 2 महीने से मजदूर अपनी मांगों को लेकर माइंस के आगे धरने पर बैठे हैं। इसी दौरान गुरुवार रात को धरना स्थल पर बैठे मजदूर जैसाराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जैसाराम को पहले भाडखा हॉस्पिटल लेकर गए, वहां से बाड़मेर लेकर आए। इस दौरान एंबुलेंस और किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिली, बड़ी मुश्किल से भाडखा तक लेकर आए। बाड़मेर अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। एडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत का कहना है कि मॉर्च्युरी स्थल पर टीम पहुंची है और जांच करवा रहे हैं कि मौत कैसे हुई है, इसके बाद ही वता पाएंगे। घटना के बाद शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, परिजन व ग्रामीण हॉस्पिटल पहुंचे और धरने पर बैठ गए हैं। एडीएम राजेंद्र सिंह चांदावत व तहसीलदार धरना स्थल पर पहुंचे हैं। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक माह से मैं भी धरना स्थल पर बैठा हूं, जैसाराम भी लंबे समय से धरना स्थल पर बैठा था। प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है, निरंकुश और तानाशाही रवैये के कारण आज उनकी मौत हुई है और गरीब मजदूर जैसाराम की हत्या प्रशासन ने की है, इनके दो बच्चे हैं।

# टूरिस्ट स्पॉट पर प्लास्टिक बोतल बैन, जुर्माना लगेगा

## यूज करते मिलने पर 1 हजार रुपए देने होंगे, काउंटर पर कांच की बोतल मिलेंगी

उदयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के ग्रीन जोन सज्जनगढ़ के अंदर अब प्लास्टिक की बोतल नहीं चलेंगी। अगर कोई व्यक्ति लेकर चला गया तो जुर्माना देना होगा। अंदर ही पानी की कांच की बोतल मिलेगी। इसके लिए प्रति बोतल 50 रुपए देने होंगे। जाते वक्त आप बोतल को जमा करा देंगे तो प्रति बोतल 10 रुपए काटकर आपको 40 रुपए वापस दे देंगे। इसा मकसद है कि इस इलाके को प्लास्टिक मुक्त किया जा सके। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर उदयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल सज्जनगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, मानसून पैलेस और सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क को प्लास्टिक बोतल मुक्त क्षेत्र घोषित करने के साथ ही इस नई पहल को शुरू किया गया है।

मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सेदू राम यादव ने बताया- सज्जनगढ़ प्लास्टिक मुक्त रखने

के लिए प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। वता दें कि अभयारण्य क्षेत्र में प्लास्टिक की पानी की बोतल का उपयोग पाए जाने पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

एसीएफ सुरभि शर्मा ने बताया- सज्जनगढ़ उदयपुर के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। पर्यटकों जो खाली प्लास्टिक की बोतलें फेंकते हैं, वो पर्यावरण और प्राकृतिक सुंदरता के लिए चुनौती बन रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने बताया- पर्यटकों को सज्जनगढ़ टिकट विंडो के पास कांच की बोतल में 500 एमएल पानी 50 रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। खाली बोतल वापस जमा कराने पर 40 रुपए लौटाए जाएंगे। इस पहल से सिंगल यूज प्लास्टिक की खपत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है, साथ ही पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। बॉयोलॉजिकल पार्क में इस समय गर्मी की सीजन में प्रति दिन 500 से 750 टूरिस्ट आते है जबकि सीजन के समय यह संख्या करीब 1000 से 1500 हो जाती है। 'नीर अमृत' के संस्थापक भूपेन्द्र सिंह ने स्वागत करते किया। उन्होंने बताया कि अतिथियों ने सज्जनगढ़ सेंचुरी क्षेत्र में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान वनपाल अजीत सिंह राणावत भी मौजूद रहे।

सज्जनगढ़ में वन विभाग की वाइल्ड लाइफ विंग ने 'नीर अमृत' संस्था के सहयोग से इसकी शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सेदू राम यादव, उप वन संरक्षक (वन्यजीव) यादवेन्द्र सिंह चूंडावत, सहायक वन संरक्षक सुरभि शर्मा, क्षेत्रीय वन अधिकारी विनोद कुमार तंवर, सियाराम मीणा, प्रभुलाल मीणा, ग्रीन पीपल सोसायटी के राहुल भटनागर और रिटायर्ड डीएफओ सुहैल मजबूर ने इसका शुभारंभ किया।

# 7 लाख का कर्ज उतारने के लिए युवक बना तस्कर

**अचार के डिब्बे में छुपाकर ले जा रहा था अफीम, आरोपी गिरफ्तार**

चित्तौड़गढ़, 5 जून (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में 7 लाख रुपए का कर्ज चुकाने के लिए एक युवक नशा तस्कर बन गया। अचार के डिब्बे में 1.215 किलो अफीम छुपाकर सप्लाई देने जा रहे तस्कर को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपी हर बार माल पहुंचाने के बदले करीब 5 हजार रुपए लेता था। मामले में अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को अफीम कौन उपलब्ध करवा रहा था और इसकी सप्लाई कहां की जानी थी।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि बस्सी थाना क्षेत्र के नगरी आम रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति बैठा हुआ है, जिसके पास अवैध मादक पदार्थ हो सकता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएनटीएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां बताए गए हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति दिखाई दिया, जिसे टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। इसके बाद कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाया गया। स्थानीय पुलिस के पहुंचने के बाद संदिग्ध व्यक्ति की

तलाशी ली गई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अफीम को अचार के डिब्बे में छुपाकर ले जा रहा था। उसने डिब्बे के नीचे एक थैली में अफीम रखी थी और उसके ऊपर अचार भर दिया था, ताकि किसी को शक न हो। हालांकि सटीक सूचना के चलते उसका यह तरीका काम नहीं आया। तलाशी के दौरान पुलिस ने अचार के डिब्बे से कुल 1.215 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राधेश्याम पुत्र बंशीलाल सालवी (30) निवासी आवलहेड़ा, थाना बस्सी के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उस पर करीब 7 लाख रुपए का कर्ज हो गया था। आर्थिक तंगी के चलते वह तस्करों के संपर्क में आया और अफीम सप्लाई करने का काम करने लगा। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह नशे का आदी है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि एक बार माल पहुंचाने के बदले उसे करीब 5 हजार रुपए दिए जाते थे। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि वह कब से इस अवैध कारोबार में शामिल था और उसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

# नीरज डांगी ने राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन भरा

## डांगी की जीत लगभग तय, कांग्रेस दूसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस उम्मीदवार नीरज डांगी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। नीरज डांगी ने विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने नामांकन दाखिल किया। नीरज डांगी के नामांकन के वक्त नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के कई विधायक मौजूद थे। नामांकन के वक्त सचिन पायलट मौजूद नहीं थे। नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार उम्मीदवार बनाया है। नीरज डांगी की जीत तय मानी जा रही है। दरअसल, मौजूदा संख्या बल के हिसाब से बीजेपी को दो और कांग्रेस को एक सीट मिल रही है। एक सीट पर जीत के लिए 51 विधायक चाहिए। कांग्रेस के 67 विधायक हैं, इसलिए एक ही सीट पर जीत के समीकरण हैं।

बीजेपी के दो राज्यसभा सीटें जीतने के ही समीकरण हैं। तीसरी सीट के लिए बीजेपी को 35 दूसरे दलों के विधायकों के वोट चाहिए। आरएलडी बीजेपी के साथ है, बीजेपी अगर आठ निर्दलीयों, 2 बसपा, 4 बीटीपी के वोट भी लेने में कामयाब रहती है तो भी तीसरे उम्मीदवार के लिए 20 विधायकों के वोट कम पड़ेंगे। नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। डांगी को दूसरी बार मौका देकर कांग्रेस ने परंपरागत दलित वोट बैंक को साधने का प्रयास किया है। डांगी को लगातार दूसरी बार मौका देने के पीछे कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरण साधने के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। नीरज डांगी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के नजदीक रहे हैं, लेकिन राज्यसभा में जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी उनकी नजदीकी बढ़ी है। बताया जाता है कि खड़गे ने ही नीरज डांगी की पैरवी की जिस वजह से उन्हें लगातार दूसरा मौका मिला है।

# होटल में लगी भीषण आग, ग्राउंड फ्लोर जला

## तीसरी मंजिल पर सो रहे दो लोग फंसे, स्टाफ ने सुरक्षित बाहर निकाला

पाली, 5 जून (एजेंसियां)। पाली में नया बस स्टैंड के सामने गली में स्थित तीन मंजिला होटल में गुरुवार रात करीब डेढ़ बजे अचानक आग लग गई। ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़की, जिसके बाद धुआं तेजी से दूसरी और तीसरी मंजिल तक पहुंच गया। लाइट जाने से कुछ लोग खुद बाहर निकल गए, वहीं थर्ड फ्लोर पर दो लोग गहरी नींद में थे। आग की लपटों के बीच से दोनों को स्टाफ ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। लेकिन आग से फर्नीचर, एसी, बेड सहित पूरा सामान जल गया। दूसरी मंजिल पर कमरों के गेट जल गए।

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायरमैन विजयराज पन्नू ने बताया - रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली थी, जिसके बाद एक दमकल मौके पर भेजी गई और स्थिति गंभीर होने पर दूसरी दमकल भी बुलाई गई। करीब साढ़े तीन बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। होटल में आग लगते ही स्टाफ अलर्ट हो गया और अंदर सो रहे लोगों को जगाया गया। लाइट गुल होने के बाद कुछ लोग खुद भी बाहर निकल आए। समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

आग की चपेट में आने से होटल का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह जल गया। यहां रखा फर्नीचर, एसी, बेड सहित पूरा सामान नष्ट हो गया। वहीं दूसरे फ्लोर के कुछ कमरों के दरवाजे भी जल गए। समय रहते आग पर काबू पाने से दूसरे और तीसरे फ्लोर को नुकसान से बचा लिया गया।

# दिल्ली कांग्रेस में बढ़ा झुंझुनूं की बहू का कद

## आकांक्षा ओला को कांग्रेस ने दी बड़ी जिम्मेदारी

झुंझुनूं, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में बीते समय से लेकर मौजूदा समय यानि लगातार कई दशकों तक व्यापक प्रभाव रखने वाले ओला परिवार की सियासी विरासत अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की राजनीति में भी और मजबूत होती नजर आ रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री, झुंझुनूं से 5 बार सांसद और 8 बार विधायक रहे तथा पदमश्री सम्मानित स्व. शीशराम ओला की पौत्रवधू और राजस्थान में झुंझुनूं सीट से मौजूदा कांग्रेस सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला की पुत्रवधू आकांक्षा ओला को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक साथ दो नई जिम्मेदारी सौंपते हुए क्रमशः प्रदेश कांग्रेस महासचिव और नई दिल्ली जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किया है।

दिल्ली कांग्रेस के महासचिव

(संगठन) अनिल भारद्वाज की ओर से जारी नियुक्ति सूची में आकांक्षा ओला का नाम शामिल होने के बाद राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान के झुंझुनूं जिले तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। आकांक्षा ने स्वयं भी सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी नियुक्ति की जानकारी साझा करते हुए पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

आकांक्षा ओला मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं, लेकिन उनका ससुराल झुंझुनूं जिले के चिड़ावा क्षेत्र के निकट स्थित अरड़ावता गांव में ओला परिवार है। यही वजह है कि उनकी नई नियुक्ति को दिल्ली और राजस्थान की राजनीति के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि आकांक्षा को राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता कंवर करण सिंह दिल्ली की मॉडल टाउन विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित सरकार में मुख्य सचेतक की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। वहीं ससुराल पक्ष की बात करें तो यह परिवार राजस्थान कांग्रेस की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक विरासतों में गिना जाता है।

# खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा पर हमला

**कैंपर से गाड़ी को दो बार मारी टक्कर, एमएलए ने 25 किमी पीछा कर दो युवकों को पकड़ा**

नागौर, 5 जून (एजेंसियां)। खींवसर (नागौर) विधायक रेवंतराम डांगा पर गुरुवार रात कैंपर सवार कुछ लोगों ने हमला कर दिया। बीजेपी विधायक जयपुर से खींवसर लौट रहे थे।

रात करीब 10:30 बजे नावां उपखंड के गोविंदी टोल नाके के पास नागौर रोड पर हमलावरों ने कैंपर गाड़ी से उनकी फॉर्च्यूनर को दो बार टक्कर मारी। इससे एमएलए की गाड़ी साइड से डैमेज हो गई। विधायक ने करीब 25 किलोमीटर तक पीछा कर कैंपर को एस्कॉर्ट कर रही स्कॉर्पियो में सवार दो युवकों को पकड़ लिया। फिर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। लेकिन इस बीच कैंपर सवार चकमा देकर फरार हो गए। विधायक रेवंतराम डांगा ने बताया- मैं रात को जयपुर से खींवसर लौट रहा था। गोविंदी टोल नाके के पास एक कैंपर ने मेरी फॉर्च्यूनर को साइड से टक्कर मारी। ड्राइवर ने सतर्कता दिखाते हुए गाड़ी को सड़क से नीचे उतार लिया। इसके बाद कैंपर सवारों ने फिर से गाड़ी को टक्कर मारी।

घटना के दौरान हमलावरों की गाड़ी के साथ एक स्कॉर्पियो भी चल रही थी, जो उनको एस्कॉर्ट कर रही थी। आरोपी वाहन लेकर नावां की तरफ भाग निकले। विधायक डांगा ने करीब 25 किलोमीटर तक उनका पीछा किया। इस दौरान उन्होंने हमलावरों को एस्कॉर्ट कर रही स्कॉर्पियो को पकड़ लिया।

# चित्तौड़गढ़ में झाड़ियों में मिली युवती की नग्न लाश

**पत्थर से कुचला चेहरा, पास से चिप्स-पानी की बोतल बरामद**

चित्तौड़गढ़, 5 जून (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में 3-4 दिन पुराना युवती का शव झाड़ियों में मिला है। युवती के चेहरे को पत्थर से कुचला गया है। पत्थर भी उसके चेहरे पर ही रखा हुआ मिला। बॉडी पर कपड़े नहीं थे और टी-शर्ट से उसका मुंह ढका हुआ था।

शव के पास से पानी की बोतल, चिप्स का पैकेट और नमकीन की थैली भी बरामद हुई है। सफाई के दौरान बदबू आने पर मजदूरों को शक हुआ।

इसके बाद आसपास तलाश करने पर उन्हें झाड़ियों में शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस हत्या के साथ दुष्कर्म के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है।

# डोडा पोस्त तस्करी से बनाई संपत्ति, नागौर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर की 1.13 करोड़ की संपत्ति की फ्रीज

नागौर, 5 जून (एजेंसियां)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में चलाए जा रहे नशा मुक्त नागौर अभियान के तहत नागौर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। पुलिस थाना खींवसर के हिस्ट्रीशीटर और डोडा पोस्त तस्कर भोपालराम विश्नोई की अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी भोपालराम विश्नोई द्वारा नशे के कारोबार से अर्जित धन से खरीदी गई दो आलीशान कोठियां, एक निर्माणाधीन दुकान कॉम्प्लेक्स, बीकानेर के नाल हाईवे पर स्थित बेशकीमती जमीन तथा चार वाहनों को फ्रीज करवाया गया है। इन संपत्तियों की बाजार कीमत

लगभग 1 करोड़ 13 लाख 45 हजार रुपये आंकी गई है।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने तस्करी से कमाए धन से खरीदी गई संपत्तियां अपने पिता खम्माराम, भाई गोपालराम, भाई की पत्नी सुशीला तथा सालों रामस्वरूप और सुभाष के नाम करवा रखी थीं। राजस्व एवं आयकर विभाग से प्राप्त रिकॉर्ड की जांच में इन संपत्तियों के वैध आय स्रोत का कोई दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस के अनुसार भोपालराम विश्नोई के खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित कुल 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में है। वर्ष 2020 से वह बड़े पैमाने पर डोडा पोस्त की तस्करी में सक्रिय रहा है। थानाधिकारी खींवसर की प्रभावी पैरवी के बाद संपत्तियों को फ्रीज करने संबंधी आदेश को दिल्ली स्थित सक्षम प्राधिकारी द्वारा भी पुष्टि प्रदान कर दी गई है।

कार्रवाई का नेतृत्व कर रही आईपीएस प्रोबेशनर अदिति उपाध्याय ने कहा कि नशे के कारोबार से बनाई हुई अवैध संपत्ति पर प्रहार करना तस्करों की आर्थिक कमर तोड़ने की दिशा में सबसे प्रभावी कदम है। नागौर पुलिस नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

# सवारियों से भरी बस और ट्रेलर में भिड़ंत, 14 घायल

**ड्राइवर बोला-टायर फटने से ट्रेलर बेकाबू हुआ, डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ पहुंचा**

पाली, 5 जून (एजेंसियां)। पाली जिले के सुमेरपुर सदर थाना क्षेत्र में हाईवे पर नेतरा के पास गुरुवार रात सवारियों से भरी एक निजी बस को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में बस ड्राइवर, कंडक्टर समेत 14 यात्री घायल हो गए। घायलों को सुमेरपुर हॉस्पिटल लाया गया, जहां से गंभीर घायलों को इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर रात में ही यातायात सुचारू कर दिया। निजी बस मुंबई से दिल्ली जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हुआ।

सुमेरपुर सीओ जितेन्द्रसिंह ने बताया - रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि नेशनल हाईवे पर नेतरा पुलिया के पास यात्री बस और ट्रोले की टक्कर हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया गया। मौके पर जांच में सामने आया कि मोरबी (गुजरात) से टाइल्स भरकर दिल्ली जा रहा ट्रोला हाईवे क्रॉस करते समय रॉंग साइड में आ गया। इसी दौरान यह ट्रोला जोधपुर की ओर से आ रही ट्रेवल्स बस से सीधे टकरा गया, जिससे भीषण हादसा हो गया।

इस टक्कर में बस ड्राइवर और कंडेक्टर को चोटें आईं, जबकि बस में सवार 14 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत सुमेरपुर हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर आगे रेफर किया गया।

# युवक के शव को कुत्तों ने नोंचा, फाड़ डाला पेट

अलवर, 5 जून (एजेंसियां)। अलवर जिले में कचरे के ढेर में युवक का शव पड़ा मिला। शव को कुत्तों ने बुरी तरह नोंच डाला। कुत्तों ने पेट फाड़कर आंतें बाहर निकाल दी। घटना खेड़ली थाना क्षेत्र में सौखर गांव की शुक्रवार सुबह 6 बजे की है। युवक के परिजन ने हत्या की आशंका जताई है।

खेड़ली एसएचओ विजय कुमार चंदेल ने बताया- सुबह करीब 6 बजे गांव का एक व्यक्ति पीतमपुरा रोड स्थित नए बिजली घर की ओर गया था। इस दौरान उसने बिजली घर के पास कचरे

के ढेर में युवक का शव पड़ा देखा। वहां मौजूद कुत्ते शव को नोंच रहे थे।

कुत्ते पहले ही आंतें निकालकर ले गए थे। यह देखकर उसने तुरंत गांव के अन्य लोगों को सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना पर खेड़ली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को खेड़ली उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। पुलिस ने मृतक की पहचान अशोक पुत्र मोहर सिंह सैनी (45) निवासी सौंखर के रूप में की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने FSL टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया। पुलिस सभी एंगल को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि परिस्थितियां संदिग्ध होने के कारण हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की बात कही है।

# दो साल में पूरा होगा पालमुरू-रंगारेड्डी परियोजना का काम : सीएम

महबूबनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार पालमुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को अगले दो वर्षों में पूरा करेगी। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि लंबित भूमि अधिग्रहण कार्यों में सरकार का सहयोग करें ताकि परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा सके। शुक्रवार को महबूबनगर जिले के भूतपुर मंडल स्थित करिवेना जलाशय में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि दस वर्षों के दौरान परियोजना को पूरा करने के बजाय केवल पंप और लिफ्ट संबंधी कार्यों पर धन खर्च किया गया, जबकि किसानों को इसका लाभ नहीं मिल सका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पालमुरू-रंगारेड्डी परियोजना में 90 टीएमसी पानी उपलब्ध कराने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार ने इस परियोजना पर 27 हजार करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन एक भी एकड़ भूमि को सिंचाई का पानी नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि यदि पालमुरू-रंगारेड्डी परियोजना को जूराला, भीमा, नेट्टमपाडु, कोयलसागर और कलवाकुर्थी जैसी योजनाओं के साथ पूरा किया गया होता तो महबूबनगर जिले में 26 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिल सकती थी। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने भूमि अधिग्रहण की भी अनदेखी की और केवल ठेकेदारों के भुगतान पर ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं से संबंधित लगभग 4,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण अभी भी लंबित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले 30 महीनों में सिंचाई क्षेत्र से जुड़े ऋणों और परियोजनाओं पर बड़ी राशि खर्च की है। इनमें से करीब 8,000 करोड़ रुपये पालमुरू परियोजना पर लगाए गए हैं।

उन्होंने बीआरएस नेताओं के उस दावे पर भी सवाल उठाया जिसमें कहा गया था कि परियोजना का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आधे से भी कम बजट खर्च हुआ है तो 90 प्रतिशत काम पूरा होने का दावा समझ से परे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वित्तीय चुनौतियों के बावजूद पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ परियोजनाओं को पूरा करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि पालमुरू क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने बीआरएस नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि जनता उनके कार्यकाल को भूली नहीं है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि परियोजना पूरी होने के बाद क्षेत्र के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा।

## मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा भेजने के फैसले का स्वागत

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी ने कांग्रेस नेतृत्व द्वारा मीनाक्षी नटराजन को मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए नामित किए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। शुक्रवार को जारी बयान में चिन्ना रेड्डी ने मीनाक्षी नटराजन को ईमानदारी, सादगी और समर्पण की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि नटराजन ने महात्मा गांधी और विनोबा भावे के आदर्शों का अनुसरण करते हुए अपना जीवन कांग्रेस पार्टी की सेवा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि मीनाक्षी नटराजन ने संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनकी कार्यशैली तथा संगठनात्मक क्षमता हमेशा प्रेरणादायक रही है।

चिन्ना रेड्डी ने कांग्रेस संसदीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उनकी सेवाओं और योगदान को उचित सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि यह नामांकन कांग्रेस की उस परंपरा को दर्शाता है, जिसमें मेहनत, निष्ठा और समर्पण के आधार पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी जाती हैं।

# 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च कर सिंचाई क्षेत्र को पहुंचाया नुकसान : उत्तम

महबूबनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार पर सिंचाई क्षेत्र में भारी धनराशि खर्च करने के बावजूद किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं पहुंचाने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ पालमुरू क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं के दो दिवसीय निरीक्षण दौरे के समापन पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का उद्देश्य लंबित सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से पूरा करना और वर्षों से चली आ रही बाधाओं को दूर करना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया कि पालमुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए पानी का स्रोत जूराला से श्रीशैलम स्थानांतरित करना पिछली सरकार की बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा कि इस फैसले से महबूबनगर क्षेत्र के हित प्रभावित हुए और भारी खर्च के बावजूद एक भी एकड़ भूमि को सुनिश्चित सिंचाई सुविधा नहीं मिल सकी।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इस परियोजना पर लगभग 27 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया, लेकिन इससे किसानों को कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिला। मंत्री ने कहा कि बीआरएस के दस वर्ष के शासनकाल में कई महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं अधूरी रहीं। उन्होंने कलवाकुर्थी, नेट्टमपाडु, भीमा, कोयलसागर, एसएलबीसी सुरंग और सीतारामा परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं पर भारी खर्च हुआ, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। कालेश्वरम परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इसका निर्माण और संचालन भी पिछली सरकार के कार्यकाल में हुआ तथा बाद में इसमें संरचनात्मक समस्याएं सामने आईं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार ने सिंचाई क्षेत्र पर करीब 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन उसके अनुपात में लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में विपक्ष को सिंचाई प्रबंधन पर सरकार को उपदेश देने का नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार कृष्णा नदी के जल में तेलंगाना के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक प्रभावी ढंग से संघर्ष कर रही है। राज्य का पक्ष कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड, जल विवाद न्यायाधिकरण और उच्चतम न्यायालय में मजबूती से रखा जा रहा है। मंत्री ने कहा कि दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद तेलंगाना ने कृष्णा नदी के जल का पहले की तुलना में अधिक उपयोग किया है। इससे कृषि क्षेत्र का विस्तार हुआ है तथा धान उत्पादन और खरीद में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि चालू यासंगी सीजन में राज्य में 71.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है, जो एक रिकॉर्ड है। उनके अनुसार, तेलंगाना देश का सबसे बड़ा धान उत्पादक और खरीद करने वाला राज्य बन चुका है।

मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा से अधिक धान खरीदने के लिए राज्य सरकार अतिरिक्त खर्च वहन कर रही है ताकि किसानों की उपज का पूरा लाभ उन्हें मिल सके। उन्होंने बताया कि पालमुरू क्षेत्र की सभी प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सरकार व्यापक कार्ययोजना तैयार कर रही है और निरीक्षण दौरे का मुख्य उद्देश्य इसी दिशा में आगे बढ़ना है।

## स्कूल बसों की फिटनेस जांच तेज

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में 12 जून से स्कूलों के दोबारा खुलने से पहले परिवहन विभाग ने स्कूल बसों की अनिवार्य फिटनेस जांच की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में वाहन अभी भी फिटनेस प्रमाणपत्र से वंचित हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्यभर में स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों के कुल 25,987 परिवहन वाहनों को फिटनेस जांच के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें से 18,471 वाहनों ने जांच पूरी कर फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है, जो कुल का लगभग 71 प्रतिशत है। वहीं 7,516 वाहन अभी भी प्रमाणपत्र प्राप्त करने से वंचित हैं।

अकेले हैदराबाद में स्थिति अधिक चिंताजनक बताई जा रही है, जहां ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में चलने वाली लगभग 13,400 स्कूल बसों में से केवल आधे से थोड़ा अधिक वाहनों की ही फिटनेस जांच पूरी हो सकी है। स्कूल शिक्षा और परिवहन विभाग ने निजी स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिया है कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत से पहले सभी वाहनों के पास वैध फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेज होने चाहिए। इसके साथ ही बसों में क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाने, केवल प्रशिक्षित और लाइसेंसधारी चालकों की नियुक्ति करने तथा अग्निशामक यंत्र, प्राथमिक उपचार किट और आपातकालीन निकास जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना फिटनेस प्रमाणपत्र या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## टीजी पीजीईसीईटी 2026 परिणाम : महिलाओं ने पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पोस्ट ग्रेजुएट इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पीजीईसीईटी) 2026 के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए, जिनमें महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। परिणामों के अनुसार, 13,468 महिलाओं ने 94.31 प्रतिशत की उत्तीर्णता दर हासिल की, जबकि 10,169 पुरुषों में 91.02 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। परीक्षा के परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रो.वी. बालकिस्ता रेड्डी, जेएनटीयू-हैदराबाद के कुलपति प्रो.टी. किशन कुमार रेड्डी और परीक्षा संयोजक डॉ.के. वेंकटेश्वर राव ने परिणामों की घोषणा की।

शाखावार टॉपर्स में आर्किटेक्चर एवं योजना में मोहम्मद साद अली, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मारेड्डी चैतन्य ग्रीष्मा, जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग में नल्ला अभिनंद, जैव प्रौद्योगिकी में विंजरवथ अनुशा, सिविल इंजीनियरिंग में अनुमतला मनोज, रासायनिक इंजीनियरिंग में मल्का रोहित, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में अबरार अहमद और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में टेट्टू कंडला मनीषा सरयू शामिल हैं। इसके अलावा अन्य शाखाओं के टॉपर्स भी घोषित किए गए, जिनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, यंत्र अभियांत्रिकी, पर्यावरण प्रबंधन, खाद्य प्रौद्योगिकी, भू-इंजीनियरिंग, यांत्रिक इंजीनियरिंग, खनन इंजीनियरिंग, धातुकर्म, नैनो प्रौद्योगिकी, फार्मेसी और वस्त्र प्रौद्योगिकी के छात्र शामिल हैं।

## रिश्वत मामले में सर्वेक्षक और दो सहयोगी गिरफ्तार

करीमनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को सैदापुर मंडल के सर्वेक्षक वाई कुमारस्वामी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। मामले में उसके दो निजी सहयोगियों तेगला राजेश और वंगा विहिथ रेड्डी को भी गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, सर्वेक्षक ने अम्मनगुर्थी गांव में भूमि का सर्वेक्षण करने के लिए शिकायतकर्ता से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जांच में पता चला कि 5 हजार रुपये पहले ही ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से लिए जा चुके थे, जबकि 10 हजार रुपये नकद रूप में एक अन्य सहयोगी के जरिए वसूले गए थे। शेष 10 हजार रुपये शुक्रवार को तेजाला राजेश के माध्यम से लिए गए, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। रिश्वत की रकम राजेश के कब्जे से बरामद कर ली गई। एसीबी ने बताया कि आरोपियों ने निजी लाभ के लिए अपने सरकारी पद का दुरूपयोग किया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें करीमनगर स्थित विशेष न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामलों) की अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

## सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

कोत्तागुडेम, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के डुम्मुगुडेम मंडल के चिन्ना बांदिरेवु गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। इस घटना से उनके गांव और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान चुंचू संतोष (20) और चुंचू चरण साई (17) के रूप में हुई है। दोनों भाई गुरुवार देर शाम भद्राचलम में कॉलेज प्रवेश से संबंधित कार्य पूरा करने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल की सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर भद्राचलम के उप पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार और पुलिस निरीक्षक वेंकटप्पैया मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। मृतक चेरला मंडल के गोम्पेल्ली गांव के निवासी थे। दोनों युवकों की असामयिक मौत से गांव में शोक का माहौल है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान द्वारा आज 'विश्व पर्यावरण दिवस 2026' के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वॉकथॉन (जागरूकता मार्च) का आयोजन किया गया। आयोजन संस्थान के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ.जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वॉकथॉन की शुरूआत आज शाम 4:30 बजे मुख्य द्वार से हुई।

वॉकथॉन के माध्यम से टीम ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं टीबी मुक्त भारत अभियान में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी दर्ज करने की अपील की। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि पृथ्वी और पर्यावरण का स्वास्थ्य सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में भी प्रकृति और मानव के इसी अटूट संबंध को रेखांकित किया गया है। आज के समय में पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है। संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों डॉ. गोविंद रेड्डी, डॉ.वी. श्रीदेवी, डॉ. साकेत राम, डॉ. अशफाक अहमद, डॉ. संतोष माने एवं डॉ. बिस्व रंजन दास सहित सभी स्टाफ ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करायी।

# सच्चे भाव से किया गया सत्संग जीवन बदल देता है

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विशा मोड गौभूजा समाज वाड़ी में चल रहे परम पावन पुरुषोत्तम मास अधिकमास के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रोताओं को व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी जी श्रीमाली ने बताया कि जीव मात्र को भगवत भक्ति सदा करते रहना चाहिए। भगवान की भक्ति ही भव से बेड़ापार लगाती है, भगवान की भक्ति से जीव के अंदर आत्मबल बढ़ता है और परमात्मा की कृपा से सारे संकटों से बचा सकता है। परमात्मा की भक्ति ही उसके जीवन को सफल धन्य और सार्थक बनाती है।

बिनु सत्संग विवेक न होई राम कृपा बिन सुलभ न सोहि जीव मात्र को चाहिए कि सत्संग सदैव करते रहें, अच्छे लोगों का संग करते रहें और यह ठाकुर जी की कृपा से ही संभव है। लेकिन सदैव अपनी सोच में रखें और हमेशा उसी प्रकार से अग्रसर रहे। सत्संग से जीवन की शैली में परिवर्तन आता है अर्थात अच्छे लोगों का संग ऐसे लोगों का संग जिसके आचार-विचार व्यवहार और सत्संग द्वारा जीव को वह नर से नारायण के चरणों में प्रीति बढ़ाने में लिए सक्षम है। सच्चे भाव से किया गया सत्संग जीवन बदल देता है कहा जाता है कि बिना सत्संग विवेक नहीं होता, अच्छे लोगों के साथ बैठने पर अच्छी बातें ज्ञान प्राप्त होती है।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम'

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मोदी सरकार की 12 साल पूरे होने पर आयोजित समारोहों के अंतर्गत, विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष कार्यक्रम 'एक पेड़ मां के नाम' का आयोजन भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय नामपल्ली के पास किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा तेलंगाना राज्य के उपाध्यक्ष संजय घनते, राज्य सचिव विजय लक्ष्मी, भाजपा के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र यादव, भाजपा गनफॉन्ड्री डिवीजन के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार तुलशन आदि ने भाग लिया।

# एनएमडीसी ने मनाया पर्यावरण दिवस

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी ने अपने मुख्यालय और देश भर में स्थित अपनी परियोजनाओं में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाया।

समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ जो हरित भविष्य के निर्माण के लिए एक साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन), कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक), अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त), और सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने पर्यावरण की शपथ दिलवाते हुए कर्मचारियों को प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और सुस्थिर प्रथाओं को बढ़ावा देने में योगदान करने के लिए प्रेरित किया।

## कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान फल विक्रेता ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुडिमलकपुर क्षेत्र में बढ़ते कर्ज, व्यापार में नुकसान और साहूकारों के कथित उत्पीड़न से परेशान एक 33 वर्षीय फल विक्रेता ने आत्महत्या कर ली। उपचार के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, भोजगुट्टा निवासी के. नरेश ने विभिन्न स्रोतों से कर्ज लिया था और उस पर भारी ब्याज का दबाव था। व्यापार में लगातार नुकसान और आर्थिक संकट के कारण उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव बढ़ गया था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था।

बताया गया है कि 27 मई को परिवार के अन्य सदस्यों की अनुपस्थिति में नरेश ने अपने घर पर कथित तौर पर कोई अज्ञात कीटनाशक पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत के आधार पर गुडिमलकपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इस बीच गुडिमलकपुर के पूर्व पार्षद बंगारी प्रकाश ने पुलिस थाने पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कर्ज पर अत्यधिक ब्याज वसूलने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिवार ने भी अधिकारियों से मामले में न्याय दिलाने की अपील की है।

# सूरत के वराछा को-ऑपरेटिव बैंक के शीर्ष अधिकारियों ने महेश बैंक का दौरा किया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूरत स्थित 'वराछा को-ऑपरेटिव बैंक' का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल चेयरमैन नरेंद्र भाई कुकड़िया के नेतृत्व में दौरा किया। उनके साथ विट्ठल धनानी, सीईओ, परेश केलावाला, एजीएम, आईटी और अंकित डोबरिया (मैनेजर-एडमिन) शामिल थे, ने बंजारा हिल्स स्थित बैंक के हेड ऑफिस का आधिकारिक दौरा किया।

महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, अन्य डायरेक्टर्स सीए अल्का झँवर, दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झँवर, कैलाश मंत्री, कविता तोषनीवाल, पवन कुमार लोहिया, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुमेश कुमार बंग, जनरल मैनेजर्स जी. श्रीनिवास राव और कमल किशोर राठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों बैंकों द्वारा अपनाए गए बेहतरीन तौर-तरीकों को साझा करना था। बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने बैठक में मौजूद सभी डायरेक्टर्स और वरिष्ठ अधिकारियों का परिचय कराया और प्रतिनिधिमंडल के सामने बैंक की शुरूआत और विकास के बारे में एक संक्षिप्त प्रेजेंटेशन दिया। प्रबंध निदेशक एवं सीइओ (इंचार्ज) जी. श्रीनिवास राव ने पिछले 6 महीनों के दौरान महेश बैंक के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।

चेयरमैन नरेंद्र भाई कुकड़िया ने अपने बैंक और उसकी वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी दी। गोविंद नारायण राठी ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को स्मृति-चिह्न, शॉल और पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया। अपनी समापन टिप्पणी में, दौरा करने वाले बैंक के चेयरमैन ने वरिष्ठ अधिकारियों को भी उनके बैंक का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है।

महेश बैंक 4 राज्यों (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान) में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ काम कर रहा है। बैंक विकास के रास्ते पर है, 31.05.2026 तक इसका बिज़नेस मिक्स 3035.70 करोड़ था और वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके 4100 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

## सीपीआई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, मामला दर्ज

कोत्तागुडेम, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पालोंचा क्षेत्र में गुरुवार देर रात उस समय तनाव फैल गया जब कोथागुडेम नगर निगम के 35वें डिवीजन के सीतारामपटनम में सीपीआई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। सूत्रों के अनुसार, विवाद की शुरूआत उस समय हुई जब कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर स्थानीय सीपीआई पार्षद के घर पर हमला किया और उनके पति के साथ मारपीट की। बताया जा रहा है कि यह विवाद जुआघर संचालन से जुड़े आरोपों और दोनों गुटों के बीच चल रहे भूमि विवाद से जुड़ा हुआ है। घटना के बाद दोनों पक्षों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पालोंचा पुलिस थाने पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब पुलिस स्टेशन परिसर में भी दोनों गुटों के बीच कहासुनी और झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में कथित जुए के अड्डे की सूचना पुलिस को दी थी, जिसके बाद पुलिस ने कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद से दोनों गुटों के बीच तनाव बढ़ता चला गया। बताया गया कि इसी विवाद के चलते पहले भी दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप और टकराव की स्थिति बनी रही।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. EPCCECONIII VSKP2026002, दिनांक : 31.05.2026

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में वैगन वर्कशॉप, वाडलापुडी, विशाखापट्टनम में POH उत्पादन को 300 से बढ़ाकर 600 वैगन तक करने के लिए वाडलापुडी वैगन वर्कशॉप का संवर्धन (Augmentation)।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 366,75,32,398.20, EMD : ₹ 7,33,50,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 10.07.2026 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते है।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-III)/ विशाखापट्टनम

PR-79/CJ/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय टीम में बदलाव की तैयारी

# श्रेयस का टी-20 कप्तान बनना लगभग तय

> कौन होगा उपकप्तान? वैभव को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय टी20 टीम में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है और अब ये लगभग तय है कि सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर टी20 टीम के कप्तान होंगे।

आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे तथा जापान में होने वाले एशिया खेलों की टीम के चयन के लिए शनिवार को अजीत अगरकर की अगुआई वाली राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक होगी। भारत को 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 खेलने हैं, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाने हैं।

**सूर्यकुमार के लिए टीम में जगह बनाना हुआ मुश्किल**

एशियाई खेलों का आयोजन इस साल सितंबर-अक्तूबर में जापान में होना है। इसके लिए, टीम की घोषणा इसलिए जल्दी हो रही है क्योंकि आयोजकों ने डेडलाइन पहले की रखी है। यह माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 टीम के नए उपकप्तान होंगे, जबकि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी सीनियर टीम में पहली बार जगह मिल सकती है। सूर्यकुमार यादव से सिर्फ कप्तानी ही नहीं छिनेगी, बल्कि वह टीम से बाहर किए जा सकते हैं। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने इस साल टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव किया था, लेकिन पिछले कई महीनों से वह फॉर्म में नहीं हैं।

**श्रेयस का पलड़ा भारी क्यों?**

दूसरी तरफ, 31 साल के श्रेयस टी20 विश्व कप का हिस्सा नहीं थे, लेकिन अब माना जा रहा है कि वह नंबर चार स्थान पर जगह लेंगे। आईपीएल में कप्तान के तौर पर श्रेयस का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया है। 2024 में उनकी ही कप्तानी में केकेआर ने खिताब अपने नाम किया था। तीन अलग-अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक पहुंचाने वाले श्रेयस एकमात्र कप्तान हैं जिससे उनकी लीडरशीप को लेकर भरोसा बढ़ा है। इतना नहीं, कप्तान की जिम्मेदारी के बावजूद श्रेयस की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा और इस साल आईपीएल में उन्होंने दमदार बल्लेबाजी की।

**दो अलग टीमों का होगा एलान**

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ब्रिटेन दौर और एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीम का एलान करेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज होने के बावजूद एशियाई खेलों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनेगा। एशियाई खेलों में तिलक वर्मा टीम के कप्तान हो सकते हैं और वैभव सूर्यवंशी भी इस टी20 टीम का हिस्सा हो सकते हैं।

**नए चेहरों को मौका, क्या भुवनेश्वर की होगी वापसी?**

इस दौरे के लिए कुछ नए चेहरों को भी मौका मिल सकता है जिसमें तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और लेफ्ट आर्म स्पिनर हर्ष दुबे शामिल हैं जिन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे टीम में जगह मिली थी। चयनकर्ता मोहम्मद शमी से तो आगे बढ़ चुके हैं, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी हो पाती है या नहीं।

भुवनेश्वर ने इस आईपीएल सीजन में 36 साल की उम्र में दमदार प्रदर्शनकिया था और 28 विकेट अपने नाम किए थे। भुवनेश्वर सपाट पिच पर काफी कारगर साबित होते हैं और इंग्लैंड की परिस्थितियों में टीम के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

# प्रज्ञानंद ने विश्व शतरंज चैंपियन में गुकेश को हराया

> खिताब की दौड़ में स्थिति मजबूत की

ओस्लो, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने हमवतन डी गुकेश पर क्लासिकल बाजी में शानदार जीत हासिल करके नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रज्ञानंद इस जीत के बाद शीर्ष पर काबिज अमेरिका के वेस्ली सो से सिर्फ आधा अंक पीछे रह गए हैं, जिससे यहां अंतिम दौर में रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

**दूसरे स्थान पर हैं प्रज्ञानंद**

प्रज्ञानंद ने काले मोहरों से खेलने के बावजूद विश्व चैंपियन गुकेश को क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। इससे वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। नौवें दौर के बाद प्रज्ञानंद 15 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (15.5) से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा भी 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहकर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इस तरह से अंतिम दौर में तीन खिलाड़ियों के पास खिताब जीतने का मौका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी खिताब जीतेगा, वह पहली बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन बनेगा। प्रज्ञानंद निर्णायक अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर का सामना करेंगे जबकि वेस्ली सो का मुकाबला अलीरेजा से होगा।

वेस्ली सो ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में मैग्नस कार्लसन को हराया। इस तरह से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी का खराब प्रदर्शन जारी रहा। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा ने एक राउंड शेष रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया, जबकि वह यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार गई थी। उनके 16.5 अंक हो गए हैं। झू जिनेर ने काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या देशमुख को हराया और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। कोनेरू हम्पी को महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार मिली।

## इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड : टेस्ट के पहले दिन गिरे 16 विकेट, काइल जेमीसन ने खोला 'पंजा'

लंदन, 5 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। लॉर्ड्स के मैदान पर पहले दिन कुल 16 विकेट गिरे। पहली पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम सिर्फ 140 रन बनाकर सिमटी।

वहीं, दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने भी अपने 6 विकेट सिर्फ 61 के स्कोर पर गंवा दिए हैं। इंग्लैंड को सस्ते में समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान टॉम लाथम सिर्फ 3 रन ही बना सके। वहीं, डेवोन कॉनवे को ओली रोबिन्सन ने महज एक रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। केन विलियमसन बिना खाता खोले आउट हुए, तो रचिन रविंद्र को भी ओली रोबिन्सन ने जीरो पर पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल 12 रन ही बना सके, जबकि टॉम ब्लंडेल 21 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन ही बना सके। दिन का खेल खत्म होने तक ग्लेन फिलिप्स 31 और नाथन स्मिथ 6 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। न्यूजीलैंड अभी भी इंग्लैंड के स्कोर से 79 रन पीछे है। रोबिन्सन ने महज 10 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, गस एटकिंसन और जोश टंग ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले, इंग्लैंड के बल्लेबाज भी अपने घरेलू मैदान पर संघर्ष करते नजर आए।

टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और बेन डकेट 19 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एमिलियो गे 8 रन ही बना सके। जैकब बेथेल सिर्फ 6 रन बनाकर विलियम ओ'रूर्के का शिकार बने। जो रूट सिर्फ एक रन ही बना सके। हालांकि, हैरी ब्रूक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 71 गेंदों में 10 चौके की मदद से 56 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

### श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने के पक्ष में नहीं एमएसके प्रसाद

**कहा-सूर्या को ऐसे कप्तानी से हटाना गलत है**

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व विकेटकीपर और चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद ने पुरुष टी20 टीम की कप्तानी से सूर्यकुमार यादव को हटाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि इस समय ऐसा कदम उठाना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को अब से युवा नेताओं को तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में द्विपक्षीय सीरीज में कुछ अर्धशतक और टी20 विश्व कप के शुरुआती मैच में अमेरिका के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेलने के बावजूद सूर्यकुमार निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रहे। उनकी कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप जीता लेकिन इसके बाद आईपीएल 2026 में उनका प्रदर्शन फीका रहा।

## तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए किसे मिलेगा मौका?

> कोच गंभीर ने किया स्पष्ट; पंत को लेकर भी रखी राय

मुल्लांपुर, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे एकमात्र टेस्ट से पहले गंभीर ने संकेत दिए कि तीसरे नंबर पर देवदत्त पडिक्कल की जगह साई सुदर्शन को मौका मिल सकता है। गंभीर ने यह भी कहा कि टीम अगस्त में श्रीलंका दौरे के लिए चार स्पिनरों को तैयार करेगी।

**सुदर्शन की फॉर्म का समर्थन किया**

भारत और अफगानिस्तान के बीच यह टेस्ट मैच मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह आगामी सीरीज को देखते हुए टीम संयोजन तैयार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मैच से पहले गंभीर ने कहा, साई सुदर्शन को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने अधिकतर मैच इंग्लैंड में खेले और मुझे लगता है कि उन्हें उचित मौका मिलना चाहिए। हम केवल 11 खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं और साई खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साई का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे। मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच बाएं हाथ के स्पिनर के एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा है और गंभीर ने कहा कि भारत को श्रीलंका में अगस्त में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए स्पिन गेंदबाजी के कई विकल्प तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा, मानव और हर्ष कुछ हद तक एक जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके गेंद फेंकने के तरीके में कुछ अंतर भी हैं। इस मैच से हमें अपना चौथा स्पिनर तैयार करने में मदद मिलेगी क्योंकि हम श्रीलंका में चार स्पिनर लेकर जाएंगे। न्यूजीलैंड का दौरा करने पर हमें अलग तरह से तैयारी करनी होगी। हमारा मानना है कि हमें टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तैयारी करने की जरूरत है।

**पंत को उपकप्तानी से हटाने पर क्या बोले कोच?**

ऋषभ पंत को टेस्ट टीम की उपकप्तानी से हटाया गया था। इस पर अब गंभीर ने भी अपनी राय रखी है। गंभीर ने कहा कि पंत को उनका समर्थन प्राप्त है, लेकिन उन्हें खेल की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है। गंभीर ने कहा, हम ऋषभ पंत की खेल की शैली में बदलाव नहीं चाहते, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए मैच की परिस्थितियों का सम्मान करना जरूरी होता है।

## अंडर-18 एशिया कप 2026 : नौशीन और किरण ने दिलाई बराबरी

> शूटआउट में चीन से हारा भारत, कांस्य पदक के लिए खेलेगी टीम

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम का अंडर-18 एशिया कप के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। जापान के काकामिगाहारा में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने नौशीन नाज और किरण एक्का के गोल की बदौलत चीन के खिलाफ 2-2 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन शूटआउट में उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम 6 जून को कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेगी।

भारत ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और तीसरे ही मिनट में बढ़त हासिल कर ली। कप्तान स्वीटी कुजूर ने मिडफील्ड से शानदार पास देकर नौशीन नाज के लिए मौका बनाया, जिसे उन्होंने बेहतरीन बैकहैंड शॉट के जरिये गोल में बदल दिया। शुरुआती बढ़त के बाद दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन पहले क्वार्टर में कोई और गोल नहीं हुआ। दूसरे क्वार्टर में चीन ने वापसी की कोशिशें तेज कर दीं। 21वें मिनट में उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर महक परिहार ने शानदार बचाव करते हुए गोल नहीं होने दिया। हालांकि, 24वें मिनट में भारतीय रक्षा पंक्ति की एक गलती का फायदा उठाते हुए ली जेयान ने फील्ड गोल कर चीन को 1-1 की बराबरी दिला दी।

**तीसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ**

तीसरे क्वार्टर में चीन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय डिफेंस ने मजबूती दिखाते हुए उसे नाकाम कर दिया। दूसरी ओर, भारत को 43वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर टीम उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर पाई। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला जारी रहा और तीसरे क्वार्टर के अंत तक स्कोर 1-1 ही रहा। चौथे और अंतिम क्वार्टर में चीन ने बढ़त बनाई। 48वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर शुरुआती शॉट भारतीय रशर ने रोक दिया, लेकिन रिबाउंड पर झांग युझेन ने गोल कर चीन को 2-1 से आगे कर दिया।

भारत ने भी हार नहीं मानी और 54वें मिनट में किरण एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को मुकाबले में लौटा दिया। तय समय तक दोनों टीमों के बीच 2-2 की बराबरी रही। इसके बाद मैच का फैसला शूटआउट से हुआ। शूटआउट में चीन की गोलकीपर लियू शुए ने शानदार प्रदर्शन किया और भारत के अधिकांश प्रयासों को विफल कर दिया।

## फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बनीं माजा च्वालिंस्का

पेरिस, 5 जून (एजेंसियां)। पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही वह रोलां गैरों के इतिहास में महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं।

**ओपन एरा में ग्रैंडस्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली दूसरी क्वालिफायर**

विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में अब तक कुल नौ मुकाबले जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग दौर और छह मैच मुख्य ड्रॉ में शामिल हैं। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें ओपन एरा में ग्रैंडस्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली सिर्फ दूसरी क्वालिफायर बना दिया है। इससे पहले, यह कारनामा ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू ने 2021 यूएस ओपन में किया था, जहां उन्होंने खिताब भी जीता था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने गति और शॉट्स की दिशा में लगातार बदलाव करते हुए श्नाइडर पर दबाव बनाए रखा। इसके साथ ही उनकी बेहतरीन फिटनेस, तेज मूवमेंट और मजबूत डिफेंस ने जीत में अहम भूमिका निभाई। च्वालिंस्का और श्नाइडर के बीच हुआ सेमीफाइनल मुकाबला दो घंटे 10 मिनट तक चला।

## ललित मोदी का दावा : सीनियर खिलाड़ियों से की थी 2007 टी-20 विश्वकप खेलने की अपील

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि 2007 में उन्होंने सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे सीनियर खिलाड़ियों से टी20 क्रिकेट खेलने की अपील की थी। ललित मोदी ने बताया कि किस तरह वह 2007 में भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान ड्रेसिंग रूम में भारतीय खिलाड़ियों के पास गए थे और उन्होंने इन खिलाड़ियों को पहले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी।

**ललित मोदी बोले- टी20 को लेकर शुरुआत में था संदेह**

ललित मोदी के अनुसार, शुरुआत में टीम के भीतर इस प्रारूप को लेकर संदेह का माहौल था। भारत का इंग्लैंड दौरा 19 जुलाई से आठ सितंबर 2007 तक था जिसमें टीम को तीन टेस्ट और सात मैचों की वनडे सीरीज खेलनी थी। वहीं, पहले टी20 विश्व कप की शुरुआत 11 सितंबर 2007 में हुई थी। राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टी20 विश्व कप के लिए महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में युवा टीम चुनी गई थी जिसमें कई सीनियर खिलाड़ी शामिल नहीं थे। 2007 टी20 विश्व कप टीम में वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर, दिनेश कार्तिक, आरपी सिंह और इरफान पठान जैसे खिलाड़ी शामिल थे। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में ललित मोदी ने खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने 2007 में इंग्लैंड दौरे के दौरान भारतीय खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया और उन्हें पहले आईसीसी टी20 विश्व कप में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी नए प्रारूप में खेलने के लिए अनिच्छुक थे, इसे बेवकूफी भरा खेल बताते हुए उन्होंने लंबे दौरे के बाद थकान और अपने परिवार के साथ समय बिताने की इच्छा का हवाला दिया था। आईपीएल के संस्थापक ने उस रवैये की तुलना वर्तमान समय से करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट का महत्व इतना बढ़ गया है कि अब अगर कोई खिलाड़ी विश्व कप से बाहर रहने का विकल्प चुनता है तो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और प्रशासकों की ओर से व्यापक आलोचना होगी।

**खिलाड़ियों ने ललित मोदी से क्या कहा?**

ललित मोदी ने कहा, 2007 में जब भारत इंग्लैंड दौरे पर था, तब मैं ड्रेसिंग रूम में हर खिलाड़ी के पास गया। मैंने उनसे कहा कि प्लीज, मैं आपसे विनती करता हूं कि टी20 खेलें। इन खिलाड़ियों ने कहा कि ललित, क्या आप मजाक कर रहे हैं? यह कैसा बेवकूफी भरा खेल है? हम इसमें नहीं खेलना चाहते।

## वैभव सूर्यवंशी के सामने अब वनडे की चुनौती

> त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए इंडिया ए समेत तीनों टीमों के पूरे स्क्वाड

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। इंडिया ए, अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए के बीच 9 जून से श्रीलंका में वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए इंडिया ए का स्क्वाड घोषित पहले ही घोषित हो चुका था। अब श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के स्क्वाड भी सामने आ चुके हैं। इस सीरीज के लिए ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने अपने एक्स हैंडल पर तीनों टीमों के स्क्वाड शेयर किए हैं। 15 साल के भारतीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के सामने इस सीरीज में वनडे की चुनौती होगी।

**तिलक वर्मा करेंगे इंडिया ए की कप्तानी**

भारत की ए टीम की कप्तानी इस त्रिकोणीय श्रृंखला में तिलक वर्मा करते नजर आएंगे। हालांकि, उपकप्तान के नाम पर संशय बना हुआ है। रियान पराग पहले उपकप्तान थे लेकिन फिर बाद में उनके इंजरी के कारण बाहर होने की वजह से ऋतुराज गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। अब खबरें हैं कि ऋतुराज गायकवाड़ को विराट कोहली की जगह अफगानिस्तान वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम से बुलावा आ सकता है। ऐसे में खबरें हैं कि रजत पाटीदार को इंडिया ए में बतौर उपकप्तान शामिल किया जा सकता है।

**त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए इंडिया ए का स्क्वाड**

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, ऋतुराज गायकवाड़/रजत पाटीदार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सुयाँश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

# कोहेड़ा अंतरराष्ट्रीय एकीकृत बाजार बनेगा किसानों के लिए वरदान : तुम्मला

## कृषि मंत्री ने शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि कोहेड़ा अंतरराष्ट्रीय एकीकृत बाजार (इंटरनेशनल इंटीग्रेटेड मार्केट) तेलंगाना के कृषि क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और किसानों के भविष्य को नई दिशा देगा। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा प्रस्तावित शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का शुक्रवार को निरीक्षण किया। समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पूर्व में ठप पड़े इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की विशेष पहल पर पुनर्जीवित किया गया है और इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आउटर रिंग रोड (ओआरआर) तथा प्रस्तावित रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) से बेहतर संपर्क और परिवहन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कोहेड़ा क्षेत्र का चयन किया गया है। मंत्री ने बताया कि 239 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जाने वाले इस बाजार में फल, सब्जियां, फूल, मांस तथा अन्य कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री, निर्यात और आयात के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

यहां अत्याधुनिक गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स पार्क, प्रोसेसिंग यूनिट और परिवहन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परियोजना को तीन चरणों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तथा प्रथम चरण का कार्य अगले वर्ष जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और किसान भरोसा, किसान बीमा तथा फसल खरीद जैसी योजनाओं के माध्यम से व्यापक सहायता प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि कोहेड़ा अंतरराष्ट्रीय एकीकृत बाजार तेलंगाना के कृषि एवं बागवानी क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने और राज्य के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। इब्राहिमपट्टनम विधायक मलरेड्डी रंगारेड्डी ने कहा कि यह विश्वस्तरीय बाजार तेलंगाना के किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि 239 एकड़ में विकसित होने वाला यह बाजार देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी पहचान बनाएगा। यहां किसानों को अपने उत्पाद सीधे बेचने की सुविधा मिलेगी, जबकि उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद उपलब्ध होंगे।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से बाजार में उपलब्ध उत्पादों और उनके मूल्यों की जानकारी लोग घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसान और उपभोक्ता के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे किसानों को बेहतर दाम और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिल सकेंगे। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले किसानों, जनप्रतिनिधियों और अन्य प्रतिभागियों के लिए परिवहन, पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा और विश्राम जैसी सभी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देने के लिए विशेष प्रदर्शनी और सूचना केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम में राज्य सड़क विकास निगम के अध्यक्ष मल रेड्डी राम रेड्डी, कृषि एवं सहकारिता विभाग के सचिव सुरेंद्र मोहन, विपणन विभाग के आयुक्त गोपी, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष चिलुक मधुसूदन रेड्डी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा किसान संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# भूमि कब्जा साजिश मामले का मुख्य आरोपी बल्ला ब्रह्मनायुडु गिरफ्तार

## उच्च न्यायालय में हो चुकी है अग्रिम जमानत याचिका खारिज

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गंडीपेट मंडल में लगभग 10 एकड़ मूल्यवान सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर उसे नियमित (रेगुलराइज) कराने के लिए फर्जी सरकारी आदेश (फेक जीओ), जाली राजस्व अभिलेख और अन्य नकली दस्तावेज तैयार करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी बल्ला ब्रह्मनायुडु को गिरफ्तार कर लिया है।

गंडीपेट तहसीलदार एन. श्रीनिवास रेड्डी की शिकायत पर 23 मई को नारसिंगी पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 990/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, सर्वे नंबर 18 स्थित सरकारी भूमि को हड़पने के लिए सुनियोजित साजिश रची गई थी। मामले की जांच के दौरान नारसिंगी पुलिस और साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पहले ही कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें निम्मला परिवार के सदस्य, राधाकृष्ण तथा उसका चालक प्रवीण कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि बल्ला ब्रह्मनायुडु, बल्ला रमेश, राधाकृष्ण और निम्मला परिवार के सदस्यों ने मिलकर सरकारी भूमि पर अवैध अधिकार स्थापित करने के उद्देश्य से फर्जी सरकारी आदेश, नकली आधिकारिक दस्तावेज और जाली रिकॉर्ड तैयार किए थे। जांच में यह भी पता चला है कि इस साजिश के तहत बल्ला ब्रह्मनायुडु ने करीब 12 करोड़ रुपये के वित्तीय लेन-देन किए। इनमें निम्मला परिवार को 4 करोड़ रुपये, पहले से गिरफ्तार आरोपी राधाकृष्ण को 4 करोड़ रुपये तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों को 4 करोड़ रुपये दिए गए थे। पुलिस के अनुसार, इन धनराशियों का उपयोग फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूमि पर अवैध स्वामित्व स्थापित करने के लिए किया गया। गिरफ्तारी से पहले बल्ला ब्रह्मनायुडु ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि मामले की गंभीरता, जांच की स्थिति और उपलब्ध प्रारंभिक साक्ष्यों को देखते हुए उच्च न्यायालय ने उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

इसके बाद नारसिंगी पुलिस और साइबराबाद ईओडब्ल्यू की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे मुख्य आरोपी बल्ला ब्रह्मनायुडु को तमिलनाडु के कांचीपुरम क्षेत्र में तलाश कर शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में वित्तीय लेन-देन, फर्जी दस्तावेजों की तैयारी, सरकारी अधिकारियों के नाम और हस्ताक्षरों के दुरुपयोग तथा साजिश में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच जारी है।

## पुलिस कांस्टेबल की मोटरसाइकिल चोरी, मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा थाना क्षेत्र में एक पुलिस कांस्टेबल की मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद पुलिस के सिटी सिक्योरिटी विंग में कार्यरत एक कांस्टेबल एर्रामंजिल स्थित रामकृष्ण नगर में रहते हैं। उन्होंने 31 मई की रात करीब 11:30 बजे अपनी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी।

अगली सुबह करीब 9:30 बजे जब उन्होंने बाहर जाकर देखा तो उनकी मोटरसाइकिल वहां नहीं थी। इसके बाद उन्होंने आसपास और संभावित स्थानों पर वाहन की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। वाहन का पता नहीं चलने पर कांस्टेबल ने पंजागुट्टा पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और मोटरसाइकिल की तलाश के साथ-साथ मामले की जांच शुरू कर दी है।

## फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चालान से बचने की कोशिश, मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यातायात चालान से बचने के लिए कथित तौर पर फर्जी वाहन पंजीकरण नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को नोटिस जारी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गोलकोंडा निवासी 37 वर्षीय शैख अली ने अपने स्कूटर पर किसी अन्य होंडा एक्टिवा का पंजीकरण नंबर लगा रखा था। इसके कारण यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित चालान गलत तरीके से असली वाहन मालिक के नाम पर दर्ज हो रहे थे। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के सत्यापन अभियान के दौरान इस गड़बड़ी का पता चला। जांच में सामने आया कि स्कूटर पर लगी नंबर प्लेट और वाहन का वास्तविक पंजीकरण विवरण मेल नहीं खा रहा था।

मामले का खुलासा होने के बाद लंगर हाउज पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर भी पता लगा लिया है और संदिग्ध को नोटिस जारी किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि फर्जी या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट का उपयोग करना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# प्रतियोगिताएं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम : श्रीवास्तव

## विश्व पर्यावरण दिवस पर दक्षिण मध्य रेलवे का विशेष आयोजन

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे ने 15 मई से 5 जून 2026 तक रेल मंत्रालय द्वारा चलाए गए विश्व पर्यावरण दिवस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वर्ष अभियान का विषय जलवायु परिवर्तन और धरती माता के समक्ष चुनौतियां रहा। उन्होंने पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग की सराहना करते हुए कहा कि विभाग ने पूरे जोन में आयोजित कार्यक्रमों का सफल समन्वय किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताएं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि रेलवे परिवहन के सबसे हरित साधनों में से एक है और दक्षिण मध्य रेलवे ने रेल विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा संसाधनों के सतत उपयोग जैसी पहलों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

उन्होंने कहा कि अब केवल उत्सव मनाने का नहीं बल्कि ठोस कार्रवाई करने का समय है और सभी कर्मचारियों से हरित भविष्य के लिए प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश ने भी अभियान के तहत किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी मंडलों और विभागों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा ऊर्जा संरक्षण और वृक्षारोपण अभियानों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी और पर्यावरण को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे पूर्व हैदराबाद, सिकंदराबाद और नांदेड़ मंडलों के अधिकारियों तथा इंजीनियरिंग, विद्युत एवं चिकित्सा विभागों के प्रतिनिधियों ने विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। अभियान के दौरान स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन अभियान, प्लास्टिक उपयोग में कमी, 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान, हरित एवं सतत रेल संचालन, जल एवं ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

बाद में महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित वर्चुअल बैठक में भी भाग लिया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने भारतीय रेल नेटवर्क में स्वच्छता और प्रभावी कचरा प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को दैनिक कार्य प्रणाली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए और पर्यावरणीय स्थिरता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रतिदिन निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है।

## घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या, आरोपी पति फरार

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घरेलू विवाद के दौरान एक महिला की कथित तौर पर उसके पति ने हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेजस्वी नगर कॉलोनी निवासी अविनाश ने अपनी पत्नी कोमल पर घर में धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कोमल को परिजन तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के बेटे (जिसने कथित तौर पर पूरी घटना देखी) ने बताया कि दंपति के बीच रात से ही विवाद चल रहा था और सुबह करीब 3 बजे तक दोनों के बीच झगड़ा होता रहा। उसके अनुसार, गुस्से में आकर अविनाश ने कोमल पर हमला कर दिया। जब वह जान बचाने के लिए भागने की कोशिश कर रही थी, तब भी आरोपी उसका पीछा करता रहा।

बेटे ने आरोप लगाया कि अविनाश ने कोमल पर स्क्रूड्राइवर और लोहे की छड़ से भी हमला किया। परिवार के लोगों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। सूचना मिलते ही अत्तापुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

## कोयला खदान में हादसा, हॉलर ऑपरेटर घायल

मंचेरियल, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीरामपुर क्षेत्र की एससीसीएल की भूमिगत खदान आरके न्यू टेक में शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान हुए हादसे में एक हॉलर ऑपरेटर घायल हो गया। घटना से खदान में काम करने वाले श्रमिकों में चिंता का माहौल है। एससीसीएल अधिकारियों के अनुसार, खदान में कार्यरत बी. वामशीकृष्ण उस समय घायल हो गया जब एक ड्रम मोटर के बाहरी हिस्से से टकरा गया। टक्कर के बाद एक अन्य ड्रम भी उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायल श्रमिक को तत्काल एससीसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

घटना के बाद कोयला खदानों में काम करने वाले श्रमिकों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भूमिगत खदानों में काम करना लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है और दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। श्रमिकों ने अधिकारियों से अपील की है कि खदानों में सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

# एयर वाइस मार्शल ने कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट के कमांडेंट का पदभार संभाला

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एयर वाइस मार्शल जीकेजे रेड्डी, वीएसएम ने शुक्रवार को सिकंदराबाद स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम) के कमांडेंट का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने मेजर जनरल जी. श्रीनिवास, वीएसएम का स्थान लिया है, जिन्हें तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वर्ष 1990 में भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने वाले एयर वाइस मार्शल जीकेजे रेड्डी एक श्रेणी-ए (कैटेगरी-ए) योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं। उनके पास 4,500 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है।

वे राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (नेशनल डिफेंस कॉलेज) और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के स्नातक हैं। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण कमांड एवं स्टाफ नियुक्तियों पर कार्य किया है। हाल ही में वे एडीई-डीआरडीओ में एसोसिएट डायरेक्टर (पीएमटी) के पद पर कार्यरत थे। विशिष्ट सेवा पदक (वीएसएम) से सम्मानित एयर वाइस मार्शल रेड्डी ने विभिन्न कमांडों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय को उनके नेतृत्व में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व, सैन्य प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रबंधन एवं रणनीतिक नेतृत्व संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करने वाला प्रमुख संस्थान है।

## बीआरएस नेताओं को नजरबंद किया गया

महबूबनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के पालमुरु दौरे से पहले लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर बीआरएस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति देखी गई। नागरकर्नूल में बीआरएस नेताओं को उनके घरों से बाहर निकलने से रोका गया। पार्षद तिम्माजीपेटा पांडू, कोठा गंगाधर, बीआरएसवी नेता वामशी गौड़ समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर नागरकर्नूल पुलिस थाने भेज दिया। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें मुख्यमंत्री को विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई।

## घर में आग लगने से दादी और दो बच्चों की मौत

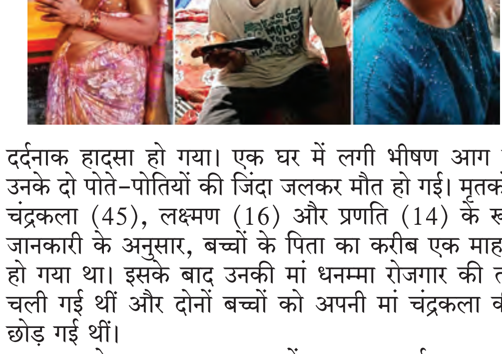

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिरयालगुड़ा के कलालवाड़ी इलाके में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक घर में लगी भीषण आग में दादी और उनके दो पोते-पोतियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों की पहचान चंद्रकला (45), लक्ष्मण (16) और प्रणति (14) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बच्चों के पिता का करीब एक माह पहले निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां धनम्मा रोजगार की तलाश में पुणे चली गई थीं और दोनों बच्चों को अपनी मां चंद्रकला की देखरेख में छोड़ गई थीं।

गुरुवार देर रात अचानक घर में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद तीनों लोग बाहर नहीं निकल सके और उसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इससे आग को आसपास के मकानों तक फैलने से रोक लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या गैस रिसाव की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.